दैनिक

जयपुर,सीकर, झुंझुनूं, चुरू,नागौर एवं अलवर से एक साथ प्रकाशित

जयपुर टाइम्स

नई सोच नई रफ्तार

वर्ष : 09 अंक : 302 ■ डाक पंजीयन संख्या : जयपुर सिटी / 007/2017-19 जयपुर, सोमवार 02 दिसम्बर, 2024 ■ RNI.No.RAJHIN/2016/70162 ■ मूल्य : 1.5 रुपए ■ पृष्ठ : 8+2

jaipurtimes.org twitter.com/JaipurTimes2 facebook.com/dainikjaipurtimes youtube.com/c/JaipurTimes instagram.com/jaipurtimesjt

मोदी की सभा की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित

पीएम मोदी पानीपत से महिलाओं के लिए 'बीमा सखी योजना' का करेंगे शुभारंभ

ईवीएम पर आरोप लगाने वालों को पूनिया ने दिया करारा जवाब, प्रियंका भी ईवीएम से जीती

जयपुर टाइम्स

पानीपत(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश की मातृ शक्ति को सशक्त व मजबूत बनाने के लिए 9 दिसंबर को हरियाणा के पानीपत से 'बीमा सखी योजना' का शुभारंभ करेंगे। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम की तैयारी को लेकर करनाल भाजपा जिला कार्यालय में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, हरियाणा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडोली, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर, हरियाणा भाजपा संगठन प्रभारी डॉ. सतीश पूनियां, प्रदेश सह प्रभारी सुरेंद्र नागर ने पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधियों के साथ 9 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पानीपत में ऐतिहासिक अभिनंदन और भव्य कार्यक्रम को लेकर विस्तृत चर्चा की, जिसका सकारात्मक संदेश पूरे देश-दुनिया में जाएगा।कांग्रेस की ओर से ईवीएम पर लगाए गए आरोपों को लेकर करनाल में मीडिया की ओर से पूछे गए सवाल के जवाब में सतीश पूनियां ने कहा कि, कांग्रेस के लिए मीठा-मीठा गप-गप और खारा-खारा थू-थू, जीते तो ठीक है और हारे तो ठीकरा ईवीएम पर फोड़ते हैं, इस बार हरियाणा में तो कांग्रेस ने हद कर दी, उन्होंने ईवीएम की बैटरी पर ही सवाल खड़े कर दिए, मुझे लगता है कि कांग्रेस को अपनी बैटरी दुरुस्त कर लेनी चाहिए, कम से कम मुख्यधारा की राजनीति में इज्जत से कम कर सके, आरोप और प्रत्यारोप का युग अब चला गया। इसी ईवीएम से प्रियंका गांधी चुनाव जीती हैं तो फिर कांग्रेस बताये प्रियंका का चुनाव भी गड़बड़ हुआ या सही है? कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिका अर्जुन खड़गे ने पिछले दिनों ठीक ही बयान दिया, उन्होंने कहा था कि कांग्रेस को अपनी रणनीति, संगठन और तौर तरीकों में बदलाव करना चाहिए। यह ताज्जुब की बात है कि कांग्रेस पार्टी के लोगों की खासतौर पर दो बातें खास तौर पर हिंदुस्तान के आम आदमी को चुभती हैं, एक तो विदेशों में जाकर हिंदुस्तान के लोकतंत्र का मखौल उड़ाते हैं, लोकतांत्रिक संस्थाओं के बारे में, लोकतंत्र की प्रक्रिया के बारे में, चुनाव की प्रक्रिया के बारे में वह सवाल खड़े करते हैं। कांग्रेस पार्टी को लोगों ने नीति, व्यवहार और विचार से त्याग दिया है, इसलिए कांग्रेस इतिहास के सबसे बुरे दौर में है। सतीश पूनियां ने कहा कि आगामी 9 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हरियाणा के पानीपत आ रहे हैं, इसलिए पानीपत में उनके आगमन को लेकर कार्यक्रम की तैयारियों की रूपरेखा बनाई जा रही है। उन्होंने बताया कि इस बार पानीपत में पीएम मोदी द्वारा बीमा सखी योजना के माध्यम से 1 लाख महिलाओं को बीमा एजेंट के जरिए उनको आत्मनिर्भर बनाने का ऐतिहासिक कार्यक्रम होगा और कार्यक्रम की आयोजक भी महिलाएं ही रहेंगी। उन्होंने कहा कि, डबल इंजन की सरकार से अब ट्रिपल इंजन बनाने की कवायद को लेकर कहा कि दूसरी से तीसरी बार प्रदेश में सरकार बनाना अपने आपमें एक चुनौती होती है, लेकिन जनता के आशीर्वाद से हम हरियाणा में तीसरी बार प्रचंड बहुमत की सरकार बनाने में कामयाब हुए हैं और निश्चित ही निकाय चुनावों में भी भाजपा को कामयाबी मिलेगी। सतीश पूनियां ने कहा कि पिछले साढ़े दस सालों में देश में सुशासन के जरिए एक बड़ा बदलाव आया है, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसानों के लिए, महिलाओं के लिए, गरीबों के लिए और युवाओं के लिए जो कहा वह उनके हित में कल्याणकारी योजनाओं से करके दिखाया, अनेक अभिनव योजनाओं से उनका जीवन बदलने की कोशिश की, वह आत्मनिर्भर हुए हैं। उसी कड़ी में हरियाणा इस बात का साक्षी है कि जब आपस में लिंगानुपात का फर्क था तो हरियाणा पहला प्रदेश बना जहां से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2015 में **बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ** का आगाज किया था और हरियाणा से लेकर देश में लिंगानुपात बराबर हुआ, बेटियों को सम्मान मिला, सुरक्षा भी मिली और स्वाभिमान भी सुनिश्चित हुआ। उन्होंने कहा कि उसी तर्ज पर 9 दिसम्बर को **बीमा सखी योजना** के माध्यम से एक लाख महिलाओं को बीमा एजेंट्स के जरिए उनको आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भव्य व ऐतिहासिक कार्यक्रम होगा, जिसका पूरे देश में सकारात्मक संदेश जाएगा और मातृशक्ति को और ताकत मिलेगी। पार्टी कार्यकर्ता, पदाधिकारी और जनप्रतिनिधि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का इस बात के लिए अभिनंदन करेंगे कि उन्होंने नवाचारों के जरिए खासतौर पर महिलाओं का जीवन बदला है, उनको आत्मनिर्भर बनाया है।

न्यूज इनबॉक्स

सतारा में बोले एकनाथ, आज चमकेगा सीएम का सितारा, महाराष्ट्र का 'नाथ' कौन, फैसला आज

जयपुर टाइम्स

मुंबई(एजेंसी)। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के बाद सभी को नई सरकार के गठन और नए मुख्यमंत्री के नाम का इंतजार है। इन सबके बीच कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के अचानक सतारा जाने पर कई सवाल खड़े हो रहे थे। जिसके बाद रविवार को एकनाथ शिंदे ने खुद के सतारा जाने की वजह बताई है। एकनाथ शिंदे ने कहा, व्यस्त चुनावी कार्यक्रम के बाद मैं यहां आराम करने आया था, मैंने सीएम के तौर पर अपने 2.5 साल के कार्यकाल में कोई छुट्टी नहीं ली। इसी वजह से मैं बीमार हुआ, हालांकि मैं अब ठीक हूं। उन्होंने आगे कहा कि लोग मुझसे मिलने के लिए यहां आते हैं, यह सरकार लोगों की बात सुनेगी।

सीएम उम्मीदवार का फैसला आज

राज्य के कार्यवाहक सीएम ने राज्य में सरकार के गठन को लेकर कहा कि, मैंने पार्टी नेतृत्व को बिना शर्त समर्थन दिया है और मैं उनके फैसले का समर्थन करूंगा। पिछले 2.5 सालों में हमारी सरकार के काम इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखे जाएंगे। यही वजह है कि लोगों ने हमें ऐतिहासिक जनादेश दिया है और विपक्ष को विपक्ष का नेता चुनने का मौका नहीं दिया। शिंदे ने कहा कि महायुति के तीनों सहयोगी दलों में अच्छी समझ है... सीएम उम्मीदवार का फैसला सोमवार को होगा।

आप विधायक बाल्यान को रिमांड पर भेजा

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली(एजेंसी)। राउज एवेन्यू कोर्ट ने रविवार को उत्तम नगर से आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक नरेश बाल्यान को जबरन वसूली के एक मामले में दो दिन की पुलिस रिमांड में भेज दिया। सुनवाई के दौरान पुलिस ने अदालत से नरेश की पांच दिन का रिमांड देने की मांग की थी। बाल्यान की तरफ से पेश हुए वकील ने रिमांड का विरोध किया। अदालत ने दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद मजिस्ट्रेट कोर्ट ने बाल्यान को दो दिन का रिमांड पर भेज दिया। अब पुलिस बाल्यान को तीन दिसंबर को अदालत में पेश करेगी।

संसदीय समिति ने वक्फ संपत्तियों की प्रमाणिकता की मांगी जानकारी

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली(एजेंसी)। वक्फ (संशोधन) विधेयक पर विचार कर रही संसदीय समिति ने विभिन्न राज्य सरकारों से वक्फ संपत्तियों की प्रामाणिकता और अद्यतन विवरण के बारे में जानकारी मांगी है। जिन्हें सच्चर समिति ने अनधिकृत कब्जे वाली संपत्ति बताई थी। बता दें कि, संसदीय समिति का कार्यकाल लोकसभा की ओर से अगले बजट सत्र के आखिरी दिन तक बढ़ा दिया गया था। समिति ने वक्फ अधिनियम की धारा 40 के तहत राज्यों से वक्फ बोर्ड की ओर से दावा की गई संपत्तियों का विवरण भी मांगा है। जानकारी के मुताबिक, जेपीसी ने राज्यों से उन संपत्तियों का भी विवरण तलब किया है जिस पर वक्फ बोर्डों ने वक्फ अधिनियम की धारा 40 का इस्तेमाल करते हुए दावा जताया गया था।

सीएम भजनलाल का चौथा संकल्प

राइजिंग राजस्थान' में विद्यार्थियों को मिलेगा ग्लोबल एक्सपोजर

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट को सफल बनाने के लिए 10 दिनों तक प्रत्येक दिन एक नए संकल्प लेने की पहल की है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री ने रविवार को चौथा संकल्प लेते हुए कहा कि राइजिंग राजस्थान समिट में प्रदेश के 350 विद्यार्थी स्वयंसेवकों को ग्लोबल एक्सपोजर प्रदान कर सशक्त बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राइजिंग राजस्थान समिट का उद्देश्य है कि राजस्थान की युवाशक्ति के कौशल, कार्यकुशलता को दिशा प्रदान कर प्रदेश के सर्वांगीण विकास की यात्रा में उनका भी योगदान सुनिश्चित किया जाए।

स्वतंत्रता के बाद की कहानियों में हुआ काफी हेरफेर : धनखड़

एजेंसी

नई दिल्ली(एजेंसी)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रविवार को दुख जताया कि भारत की इतिहास की किताबों में स्वतंत्रता संग्राम के कुछ नायकों के साथ अन्याय हुआ है, क्योंकि स्वतंत्रता के बाद की कहानियों में हेरफेर करके केवल चुनिंदा व्यक्तियों को श्रेय दिया गया। उन्होंने कहा कि भावी पीढ़ियों में देशभक्ति की भावना जगाने के लिए बिना किसी लाग-लपेट के ऐतिहासिक विवरण प्रस्तुत करना अनिवार्य है। उपराष्ट्रपति ने किसानों से बातचीत और समझ के माध्यम से समस्याओं के समाधान के लिए काम करने का भी आह्वान किया। राजा महेंद्र प्रताप की 138वीं जयंती के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए

उपराष्ट्रपति ने कहा कि देश अपने इतिहास को उन लोगों को कृपालु, चाटुकार, श्रेय देकर पोषित नहीं कर सकता, जिन्होंने निश्चित रूप से भूमिका निभाई, लेकिन दूसरों ने जो भूमिका निभाई, उसे नहीं।

देश की अर्थव्यवस्था पर गरजे राहुल गांधी

बोलेः जब तक कुछ हाथों में पैसा, नही हो सकती तरक्की

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली(एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को भारत की जीडीपी विकास दर के दो साल के न्यूनतम स्तर पर पहुंचने पर चिंता जताई और कहा

कि जब तक कुछ अरबपति ही इसका लाभ उठाते रहेंगे, तब तक देश की अर्थव्यवस्था की तरक्की नहीं हो सकती। राहुल गांधी ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था के लिए नई सोच की जरूरत है और कारोबार के लिए एक नया समझौता उसका महत्वपूर्ण हिस्सा है। राहुल गांधी ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि भारत की जीडीपी वृद्धि दर दो साल में सबसे नीचे 5.4 फीसदी पर आ गई है। बात साफ है- भारतीय अर्थव्यवस्था तब तक तरक्की नहीं कर सकती, जब तक इसका फायदा सिर्फ गिने-चुने अरबपतियों को मिल रहा हो और किसान, मजदूर, मध्यमवर्ग और गरीब तरह-तरह की आर्थिक समस्याओं से जूझ रहे हों। तथ्यों पर नजर डालिए, देखिए स्थिति कितनी चिंताजनक है। उन्होंने लिखा कि खुदरा महंगाई दर बढ़कर 14 महीने के उच्चतम स्तर 6.21 फीसदी पर पहुंच गई है। पिछले साल अक्तूबर की तुलना में इस वर्ष आलू और प्याज की कीमत लगभग 50 फीसदी बढ़ गई है।

अब दो नहीं, तीन बच्चे पैदा करने की जरूरतः भागवत

जयपुर टाइम्स

मुंबई(एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत के बयान से सियासी बवाल मच गया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने जनसंख्या में गिरावट को लेकर चिंता व्यक्त की। उन्होंने आधुनिक जनसंख्या विज्ञान का हवाला देते हुए बताया कि जब किसी समाज की जनसंख्या (प्रजनन दर) 2.1 से नीचे चला जाता है तो वह समाज धीरे-धीरे पृथ्वी से लुप्त होने की कगार पर होता है। भागवत ने आगे कहा कि दो से ज्यादा बच्चे पैदा करने की आवश्यकता है। हालांकि, उनके इस बयान पर विपक्ष ने प्रतिक्रिया दी।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि जनसंख्या में गिरावट चिंता का विषय है। आधुनिक जनसंख्या विज्ञान कहता है कि जब किसी समाज की जनसंख्या (प्रजनन दर) 2.1 से नीचे चली जाती है तो वह समाज पृथ्वी से लुप्त हो जाता है। संकट न होने पर भी वह समाज नष्ट हो जाता है। इस तरह अनेक भाषाएं और समाज नष्ट हो गए। जनसंख्या 2.1 से नीचे नहीं जानी चाहिए। हमारे देश की जनसंख्या नीति 1998 या 2002 में तय की गई थी। इसमें यह भी कहा गया है कि किसी समाज की जनसंख्या 2.1 से कम नहीं होनी चाहिए। जनसंख्या विज्ञान का कहना है कि हमें दो या तीन से अधिक बच्चे पैदा करने की आवश्यकता है। समाज को जीवित रखने के लिए संख्या महत्वपूर्ण है।

भागवत के बयान पर विपक्ष की प्रतिक्रिया

मोहन भागवत के बयान पर समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रवक्ता फखरुल हसन चांद नने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ समय से मोहन भागवत जो कुछ कहते हैं, उससे भाजपा को असहज हो जाती है।

पिछली बार भी जब मोहन भागवत ने कहा था कि हर मस्जिद में मंदिर क्यों ढूंढना, तब भी भाजपा के पास कोई जवाब नहीं था। भाजपा पूरे देश की जनसंख्या को लेकर राजनीति कर रही है। कांग्रेस नेता उमंग सिंघर ने भी मोहन भागवत के बयान पर सवाल उठाए।

उन्होंने कहा कि जो पहले से हैं उनको तो नौकरियां दिलवा दो, नौकरियां है नहीं, फसल की जमीन कम हो रही हैं। मोहन भागवत चाहते हैं कि दो से ज्यादा बच्चे हों। देश में बेरोजगारी बढ़ रही है।

आज के युवाओं को नौकरियां नहीं मिल रही फसल की जमीने कम होती जा रही है जबकि जनसंख्या बढ़ती जा रही है। मोहन भागवत चीन से सीख नहीं ले पा रहे और वो जनसंख्या के मामले में देश को शक्तिशाली बनाना चाहते हैं। उन्होंने आगे कहा कि मेरा सुझाव है कि मोहन भागवत, पीएम मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शुरुआत करनी चाहिए। इन्हें जनसंख्या की इतनी चिंता है तो शुरुआत भी इन्हीं से होनी चाहिए।

CMYK

जंगल में भालू के हमले से महिला की मौत

जयपुर टाइम्स

पाली(निसं)। पाली जिले के सिरियारी कस्बे के निकट जूनी फुलाद गांव में रविवार सुबह भालू के हमले में 35 वर्षीय महिला संतोष देवी की मौत हो गई। सुबह करीब 6ः30 बजे संतोष अपने 8 वर्षीय बेटे तेजराज के साथ लकड़ियां इकट्ठा करने जंगल गई थी। इसी दौरान भालू ने अचानक हमला कर दिया।

भालू ने महिला की खोपड़ी तोड़ दी, सिर से चमड़ी और बाल उखाड़ दिए, और आंखें बाहर निकाल दीं। महिला के पेट और गर्दन पर भी गहरे घाव थे। गंभीर हालत में उसे मारवाड़ अस्पताल ले जाया गया, लेकिन वहां से पाली के बांगड़ अस्पताल रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

घटना के समय तेजराज ने अपनी मां पर हमला होते देखा और जोर-जोर से चिल्लाया। उसकी चीख सुनकर आसपास खेतों में काम कर रहे लोग और मंदिर के पुजारी मौके पर पहुंचे। हालांकि, उनके पहुंचने से पहले भालू जंगल में भाग चुका था।

महिला का पति राम सिंह रावत अहमदाबाद में होटल में काम करता है। संतोष देवी के तीन बच्चे–वीणा (14), राजवीर (12), और तेजराज (8)–हैं। इस घटना ने परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है।

वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि भालू आमतौर पर खुद को खतरे में समझकर हमला करते हैं। घटना स्थल वन्यजीवों का इलाका है, जिससे ऐसे हमले की संभावना रहती है। डॉक्टरों ने बताया कि यह हमला अब तक का सबसे भयानक था, जिसमें भालू ने किसी इंसान को इतनी बुरी तरह घायल किया। इस घटना से इलाके के ग्रामीणों में डर का माहौल है। उन्होंने वन विभाग से सुरक्षा उपायों को बढ़ाने और भालुओं को नियंत्रित करने की मांग की है। इस हादसे ने मानव और वन्यजीवों के बीच संघर्ष की गंभीरता को फिर से उजागर किया है।

पशु परिचर भर्ती परीक्षाः महिला अभ्यर्थी ने तोड़ा लाख का कंगन, नियमों के पालन का मामला

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं)। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा आयोजित पशु परिचर सीधी भर्ती परीक्षा-2023 में सख्त नियमों के तहत प्रवेश प्रक्रिया चर्चा का विषय बनी। जयपुर सहित राज्य के 33 जिलों में 942 सेंटरों पर परीक्षा का आयोजन किया गया है। परीक्षा 1 से 3 दिसंबर तक चलेगी, जिसमें 17.64 लाख अभ्यर्थियों ने रजिस्ट्रेशन कराया है।

जयपुर के 130 और बाड़मेर में 3 सेंटरों पर खास चेकिंग रही। महिला अभ्यर्थियों को गहने और गर्म कपड़े उतारकर ही प्रवेश दिया गया। बाड़मेर गर्ल्स स्कूल में एक महिला ने हाथ से कंगन नहीं निकलने पर दीवार पर पटककर उसे तोड़ दिया।

महिलाओं को मंगलसूत्र, चूड़ियां, बालों की क्लिप और अन्य धातु की वस्तुएं गेट पर ही उतारने को कहा गया। कड़ी सुरक्षा जांच के कारण सेंटरों पर गहनों और कपड़ों के ढेर लग गए। एडमिट कार्ड और आईडी प्रुफ की भी बारीकी से जांच की गई।

सख्त नियमों के कारण अभ्यर्थियों को असुविधा का सामना करना पड़ा, लेकिन परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से आयोजित हुई।

श्रमिकों और जरूरतमंदों को बांटे मफलर, कैप और शॉल, जयपुर की संस्था ने अलवर में आकर बांटे उपहार

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं)। नेक कमाई फाउंडेशन तथा जयपुर की संस्था फीडिंग हैंडस की ओर से अलवर के बिजली घर चौराहे पर रविवार को विजन संस्थान, दिवाकरी और गुरु नानक कॉलोनी दाउदपुर में जरूरतमंदों को गर्म मफलर, शॉल और जर्सियां वितरित की गई। नेक कमाई फाउंडेशन के संरक्षक दौलत राम हजरती ने बताया कि इस अवसर पर फीडिंग हैंडस के ट्रस्टी पंकज जैन, अमरदीप सिंह सोनी व सुमेधा संस्था की सचिव डॉ. रश्मि जैन ने बिजली घर चौराहे पर स्थित विजन संस्थान के निःशुल्क भोजन वितरण के समय श्रमिकों और जरूरतमंदों को गर्म कपड़े वितरित किए। नेक कमाई फाउंडेशन के मुखय कोर्डिनेटर अभिषेक तनेजा ने बताया कि फीडिंग हैंडस का यह सहयोग सराहनीय है। इस मौके पर विजन संस्थान के हिमांशु शर्मा को निःशुल्क भोजन बेहतर तरीके से संचालन के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में संरक्षक मंजू चौधरी अग्रवाल ने कहा कि अलवर की तपोभूमि में कोई भूखा नहीं मर सकता और नेक कमाई फाउंडेशन किसी को सर्दी में कंपकपाने नहीं देगा। नेक कमाई फाउंडेशन फीडिंग हैंडस और डा. गोपाल रॉय चोधरी ट्रस्ट के साथ मिलकर अन्य संस्थाओं के सहयोग से सर्दी में गर्म कपड़ों का वितरण आए दिन करेगा। इसी प्रकार मानस की ओर से जरूरमंदों को गर्म कपड़े वितरण किए जा रहे हैं जिसमें सहयोग दिया जा रहा है। कार्यक्रम में समाजसेवी सुरेश गुप्ता हुंडी वाले ने कहा कि अलवर में जयपुर से आकर सेवा करना अपने आपमें अनुकरणीय है। कार्यक्रम में सौरभ कालरा ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर सोनिका अरोड़ा, जितेन्द्र सेतिया, प्रवीन बत्रा, उमा छाबड़ा और कमला यादव ने सेवा भावी कार्य किए। अंत में निष्ठा नारंग ने आभार जताया। फीडिंग हैंडस के ट्रस्टी पंकज जैन ने बताया कि अलवर में संस्था की ओर से आगामी दिनों में वितरण के लिए और भी गर्म कपड़े भेजे जाएंगे। अलवर में सेवा भावी कार्य अधिक हो रहे हैं जिससे यहां आकर प्रसन्नता मिलती है। कार्यक्रम में डा. रश्मि जैन ने अलवर वासियों को आभार जताया।

रामगढ़ विधानसभा उपचुनाव को लेकर समीक्षा बैठक का आयोजन

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं)। जिला कांग्रेस कमेटी अलवर की ओर से रामगढ़ विधानसभा उपचुनाव को लेकर समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा ने बताया कि रामगढ़ के रघुवंश रिसोर्ट में आयोजित रामगढ़ विधानसभा उपचुनाव के बाद कार्यकर्ताओं की समीक्षा बैठक में कांग्रेस पार्टी के प्रत्याशी आर्यन जुबेर खान की हार पर मंथन किया गया।

पूर्व केंद्रीय मंत्री भंवर जितेंद्र सिंह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने पूरे सम्मान के साथ इस चुनाव में लोकतंत्र में आहुति दी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ता ने कंधे से कंधा मिलाकर कांग्रेस पार्टी के प्रत्याशी आर्यन जुबेर खान को 95 हजार से अधिक वोट दिलाने का ऐतिहासिक कार्य किया। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के मंत्रियों ने रामगढ़ में अपनी पूरी ताकत झोंक दी और सरकारी मशीनरी का जमकर दुरुपयोग किया गया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी का जहां वोट बैंक था वहां पुलिस और प्रशासन का प्रभाव डालकर बेगुनाहों को गिरफ्तार किया गया।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा ने कहा कि सभी सेक्टर इंचार्जों, कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने मजबूती से काम किया। जिसके फलस्वरूप ही पिछले चुनाव के मुकाबले कांग्रेस पार्टी को वोटों में इज़ाफ़ा हुआ है।

उन्होंने कहा कि इस जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष होने के नाते हार की नैतिक जिम्मेदारी मैं स्वीकार करता हूँ,,किसी भी कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता का दोष नहीं है, चुनाव में जो भी कमियां रही हैं उनमे सुधार करेंगे। आने वाले पंचायत राज, नगर पालिका, नगर निगम, सरपंच चुनाव में कांग्रेस विजय श्री प्राप्त करेगी। समीक्षा बैठक में विधायक ललित यादव, दीपचंद खेरिया, मांगेलाल मीणा, कांतिलाल मीणा, पूर्व मंत्री शकुंतला रावत, आर्यन जुबेर, संजय यादव, रोहताश चौधरी, अजीत यादव, संजीव बारेठ, विजेंद्र महलावत, गिरीश डाटा, बलराम यादव, जोगेंद्र सिंह कोचर, पुष्पेन्द्र धाबाई, रिपु दमन गुप्ता, प्रकाश गंगावत, साजिद खान, जे डी आर्यन, प्रधान नसरू खान, जाकिर हुसैन, बीपी सुमन, जय सिंह जाटव, नरेंद्र सावित्री मीना, के जी कौशिक, योगेश मेहता, दीनबंधु शर्मा, लियाकत अली, हरिशंकर रावत, बबली शर्मा, रामहेत जाटव, दुली चंद मीणा, पंकज शर्मा, हिमांशु शर्मा, डॉ गौरव यादव, के के खंडेलवाल, संदीप अग्रवाल, प्रभुदयाल, रमेश जाटव, जगदीश जाटव, सतीश पटेल, कोमल जाटव, नितिन धाकड़ सहित कांग्रेस के पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सफाई कर्मचारियों की हड़ताल पर सख्त नोटिसः काम पर नहीं लौटे तो होंगे निष्कासित

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं)। जयपुर में सफाई कर्मचारियों की हड़ताल ने शहर की सफाई व्यवस्था को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। राजस्थान में 23,820 पदों पर होने वाली सफाई कर्मचारियों की भर्ती को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। पिछले 6 दिनों से जयपुर के सफाई कर्मचारी भर्ती नियमों में संशोधन की मांग को लेकर हड़ताल पर हैं। इस बीच, नगर निगम हेरिटेज ने हड़ताल पर गए कर्मचारियों को नोटिस जारी कर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है।

निगम कमिश्नर की चेतावनी

नगर निगम हेरिटेज कमिश्नर अरुण कुमार हसीजा ने कहा कि धारा 86 के तहत बिना स्वीकृति के अवकाश लेने पर निष्कासन का प्रावधान है। सोमवार तक काम पर नहीं लौटने वाले कर्मचारियों को नोटिस जारी किया जाएगा। अगर नोटिस स्वीकार नहीं किया गया तो उनके घरों पर नोटिस चस्पा किया जाएगा और इसके बाद सेवा से निष्कासन की प्रक्रिया शुरू होगी।

गंदगी से परेशान जनता, अस्थाई कर्मचारियों से सफाई

हड़ताल के कारण जयपुर की अंदरूनी कॉलोनियों और गलियों में गंदगी बढ़ गई है। सीवरेज और नालों की सफाई पूरी तरह ठप है, जिससे आम जनता को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नगर निगम ने शहर के प्रमुख इलाकों में अस्थाई कर्मचारियों को नियुक्त कर सफाई करवाई है। हालांकि, निगम के शिकायत केंद्र में बिगड़ती सफाई व्यवस्था को लेकर 100 से ज्यादा शिकायतें दर्ज हुई हैं।

भर्ती को लेकर बढ़ा विवाद

राजस्थान सरकार ने 23,820 पदों पर सफाई कर्मचारियों की भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया 27 नवंबर को पूरी की। सरकार जल्द लॉटरी प्रक्रिया के जरिए नियुक्तियां करने की तैयारी में है। हालांकि, वाल्मीकि समाज ने भर्ती प्रक्रिया में बदलाव की मांग को लेकर विरोध शुरू कर दिया है। इस हड़ताल ने सरकार और सफाई कर्मचारियों के बीच टकराव को बढ़ा दिया है। नगर निगम ने सख्त कदम उठाने की तैयारी कर ली है, लेकिन इसका समाधान अभी भी अनिश्चित है।

PHED में सीनियर लैब असिस्टेंट पद पर अनुभव की बाध्यता हटी

आयुर्वेदिक और होम्योपैथिक डॉक्टरों की भर्ती अब RPSC से

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं)। राजस्थान सरकार ने सरकारी भर्तियों और सेवा नियमों में महत्वपूर्ण संशोधन किए हैं। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग (PHED) में सीनियर लैब असिस्टेंट के पद पर भर्ती में अनुभव की अनिवार्यता को खत्म कर दिया गया है। अब इन पदों पर भर्ती प्रक्रिया को सरल बनाते हुए जल्द से जल्द पूरी करने का निर्णय लिया गया है। उपमुख्यमंत्री प्रेम चंद बैरवा ने बताया कि पहले सीनियर लैब असिस्टेंट के पद पर वाटर और सीवरेज एनालिसिस में अनुभव को प्राथमिकता दी जाती थी। इस प्रावधान को हटाने के साथ अब 25त्न पद सीधी भर्ती और 75त्न पद पदोन्नति से भरे जाएंगे। पहले यह अनुपात 50-50 था।

आयुष डॉक्टरों की भर्ती अब RPSC से

आयुष विभाग के तहत आयुर्वेदिक, यूनानी और होम्योपैथिक चिकित्सा अधिकारियों की भर्ती अब राजस्थान लोक सेवा आयोग (RPSC) के माध्यम से कराई जाएगी। यह निर्णय भर्ती प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और कुशल बनाने के लिए लिया गया है।

NTT टीचर्स का कैडर शामिल

राजस्थान शिक्षा सेवा नियमों में संशोधन करते हुए NTT (पूर्व प्राथमिक शिक्षा अध्यापक) शिक्षकों का एक नया कैडर जोड़ा गया है। ये सभी पद 100प्रतिशत सीधी भर्ती से भरे जाएंगे। NTT शिक्षकों की पदोन्नति के लिए 5 साल का अनुभव अनिवार्य होगा। इसके बाद उन्हें ग्रेड-2, ग्रेड-1, और फिर वरिष्ठ अध्यापक के पद पर पदोन्नति दी जाएगी।

संविदा कर्मचारियों को इंक्रीमेंट का लाभ

राजस्थान सरकार ने संविदा कर्मचारियों के लिए वेतन वृद्धि के नियमों में बदलाव किया है। अब संविदा कर्मचारी भी 1 जनवरी और 1 जुलाई को राज्य कर्मचारियों की तरह वार्षिक वेतन वृद्धि का लाभ उठा सकेंगे। यह फैसला संविदा सेवा नियम-2022 के तहत किया गया है। इससे संविदा कर्मचारियों की सैलरी में नियुक्ति के एक साल बाद से ही वृद्धि शुरू हो जाएगी। इन संशोधनों से राज्य में भर्ती प्रक्रियाओं को सरल और तेज बनाने, शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने, और संविदा कर्मचारियों की स्थिति सुधारने की उम्मीद है।

उदयनाथ धाम पर 51 कुण्डीय महायज्ञ 4 स

जयपुर टाइम्स

थानागाजी/अलवर(निसं)। थानागाजी के जोधावास स्थित उदयनाथ धाम पर आगामी 4 दिस बर से 10 दिसंबर तक होने वाले 51 कुण्डीय महायज्ञ को लेकर संत फूलनाथ महाराज के सान्निध्य में भूमि पूजन एवं धर्म ध्वजा की स्थापना की गई। संत फूलनाथ महाराज ने बताया कि भूमि पूजन व धर्म ध्वजा की स्थापना में यज्ञ आचार्य एवं विद्वान पंडितों ने विधिवत मंत्र उच्चारण के साथ भूमि पूजन किया। उन्होंने बताया कि यज्ञ के दौरान सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रयोग पर प्रतिबंधित रहेगा। आगंतुकों के रहने और सोने के लिए विशेष प्रबंध किए जाएंगे ताकि उन्हें किसी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़े।

ट्रांसजेंडर, किन्नर एवं विशेष योग्यजन के कानूनी अधिकारों एवं आमजन के दायित्वों के बारे में दी जानकारी

विश्व एड्स दिवस जागरूकता शिविर

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष व जिला न्यायाधीश हरेन्द्र सिंह अलवर के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अलवर के सचिव व अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश मोहन लाल सोनी के द्वारा रविवार को विश्व **एड्स दिवस**' पर जे.के. हॉस्पिटल के पास, बख्तल की चौकी, एम.आई.ए अलवर में सार्वजनिक स्थल पर विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के थीम सॉन्ग **एक मुठ्ठी आसमान**' के साथ किया गया। सचिव सोनी ने बताया कि हर साल एक दिसंबर को एड्स के बारे में जागरूकता एवं एड्स रोगी के कानूनी अधिकारों व उनके प्रति समाज के दायित्व को सुनिश्चित करने के लिए विश्व एड्स दिवस मनाया जाता है। उन्होंने बताया कि ह्यूमन इम्यूनो डेफिशिएंसी वायरस एड्स का कारण बनता है। एचआईवी वायरस, शरीर की टी सेल्स को नष्ट कर शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को कमजोर कर देता है जिससे की व्यक्ति का शरीर छोटी - मोटी बीमारियों से लडने् में भी असमर्थ हों जाता है। एड्स, एचआईवी संक्रमण का आखिरी और सबसे सबसे गंभीर चरण है जिसमें शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गई है, श्वेत रक्त कोशिकाओं की सं या बहुत कम हो जाती है। एड्स का समय रहते उपचार किया जाना व इसके खतरे से बचने के लिए सावधानियां रखना अत्यंत आवश्यक है। इसके साथ ही सोनी के द्वारा ट्रांसजेंडर (किन्नर समुदाय) एवं विशेष योग्य जन से जुड़े मुद्दे तथा उनके शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य सेवाओं, न्यायिक संरक्षण, गरिमा पूर्ण जीवन, सामाजिक एवं सुरक्षा के अधिकारों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। शिविर में जे.के. हॉस्पिटल के संचालक डॉक्टर जमशेद तथा अरावली चेरिटेबल ब्लड सेंटर, भगत सिंह सर्किल, अलवर के संचालक दिलीप कुमार के द्वारा एड्स फैलने के कारण, लक्षण, उपचार व सावधानियों एवम एचआईवी संक्रमण के अन्य कारणों के बारे में जानकारी दे गई।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अधिकार मित्र मुस्तफा खान के द्वारा विधिक सेवा प्राधिकरण के उद्देश्य, स्थापना एवं प्राधिकरण द्वारा चलाई जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में जानकारी प्रदान करते हुए नालसा हेल्पलाइन नंबर 15100 के बारे में बताया गया। अधिकार मित्र मुबीन खान के द्वारा बाल विवाह रोकथाम के संबंध में कानूनी जानकारी दी गई। जागरूकता शिविर में मंच संचालन शिक्षाविद् चितरंजन तिवारी के द्वारा किया गया। इस अवसर पर जे.के. हॉस्पिटल से डाक्टर ईश्वर चौधरी, हॉस्पिटल स्टाफ व स्थानीय नागरिकगण उपस्थित रहे।

भाजपा कार्यालय पर संगठन पर्व की द्वित्तीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

बूथ अध्यक्ष पार्टी का सक्रिय सदस्य होना चाहिए -पूर्व मंत्री गुर्जर

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं)। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय पर रविवार को संगठन पर्व की द्वित्तीय कार्यशाला का आयोजन हुआ। जिसमें कार्यक्रम की शुरुआत महापुरुषों के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित के साथ हुई।

भाजपा अलवर के जिला मीडिया प्रभारी लक्ष्मी नारायण गुप्ता ने बताया कि कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व मंत्री राजस्थान सरकार कालू लाल गुर्जर उपस्थित रहे। इस मौके पर संभाग शह प्रभारी संजीव भारद्वाज, प्रदेश कार्यालय सह प्रभारी अनुराग जांगिड़, जिलाध्यक्ष अशोक गुप्ता, विधायक रमेश खींची, पूर्व विधायक जयराम जाटव, प्रदेश प्रवक्ता पूजा कपिल, पूर्व जिलाध्यक्ष पं धर्मवीर शर्मा, बन्नाराम मीणा, पूर्व मंत्री हेमसिंह भड़ाना, संगठन पर्व के जिलाधिकारी के जी खंडेलवाल, दिगंबर सैनी सदस्य अभियान के जिला संयोजक हरिशंकर खंडेलवाल अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यशाला का संचालन जिला महामंत्री राम अवतार चौधरी ने किया। संगठन पर्व की कार्यशाला में कालु लाल गुर्जर ने बताया कि 2 दिसंबर से 5 दिसंबर तक बूथ अध्यक्ष एवं बूथ की 11 सदस्य कमेटी का निर्वाचन करना है। बूथ अध्यक्ष पार्टी का सक्रिय सदस्य होना चाहिए, निर्विवाद होना चाहिए, पार्टी के प्रति

निष्ठावान होना चाहिए। वहीं 11 सदस्यों में तीन महिला, एक व्हाट्सएप ग्रु प प्रमुख ,एक लाभार्थी प्रमुख, एक मन की बात का प्रमुख, एक मंत्री होगा। यह निर्वाचन सर्वसम्मति से बूथ पर बैठक लेकर करना है तत्पश्चात बूथ अध्यक्ष का स्वागत करना है एवं उसके घर पर जाकर झंडा लगाना है, 5 तारीख के बाद मंडल अध्यक्ष का निर्वाचन होगा। गुप्ता ने बताया कि कार्यशाला में जिला महामंत्री राम अवतार चौधरी, गोवर्धन सिंह सिसोदिया, शिवलाल मीणा, जिला उपाध्यक्ष विष्णु शर्मा, हरिओम कटरा, जिला मंत्री ॠषिराज शर्मा, रीता सेठी, फूलवती सोमवंशी, अनूप बाल्मीकि, जिला प्रवक्ता हुकुम. फागना, नरेश धानावत मोर्चा जिला अध्यक्ष महेश मीणा, इब्राहिम खान, सीताराम किराड, सुनीता सैनी सहित सभी मंडल अध्यक्ष मंडल संगठन पर सहयोगी वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कुंभलगढ़ फेस्टिवल का शोभायात्रा और सांस्कृतिक रंगारंग कार्यक्रमों से हुआ भव्य आगाज

देशी-विदेशी पर्यटकों का उमड़ा सैलाब, राजस्थानी संस्कृति का दिखा अद्भुत नजारा

लोक कलाकारों के साथ झूम उठे पर्यटक

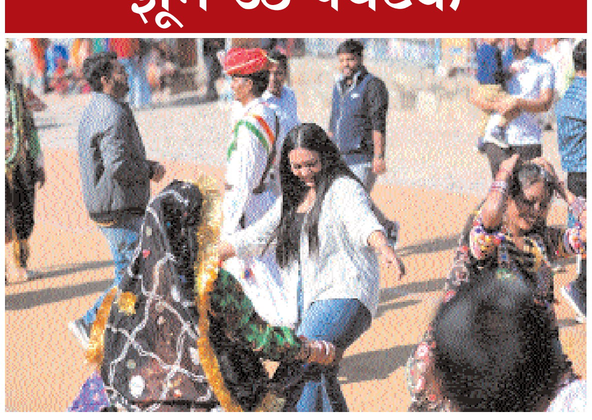

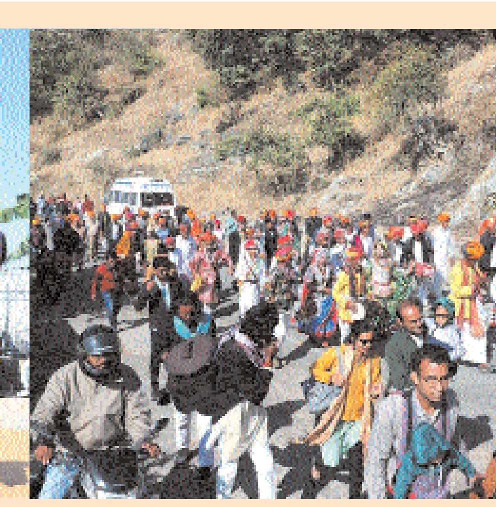

जयपुर टाइम्स

राजसमंद(निसं.)। । कुंभलगढ़ फेस्टिवल 2024 का शुभारंभ रविवार को पर्यटन विभाग और जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में हर्षोल्लास के साथ हुआ। शौर्य, त्याग, बलिदान के प्रतीक, यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज साइट और मेवाड़ के आन बान शान के प्रतीक ऐतिहासिक धरोहर कुंभलगढ़ किले में आयोजित इस फेस्टिवल के पहले दिन पर्यटकों ने पारंपरिक और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का खूब आनंद लिया। पर्यटन उप निदेशक शिखा सक्सेना ने बताया कि फेस्टिवल का आगाज सुबह 11 बजे हल्लापोल से कुंभलगढ़ किले तक भव्य शोभायात्रा के साथ हुआ, जिसमें पारंपरिक वेशभूषा में कलाकारों ने राजस्थानी लोक संस्कृति की झलक पेश की। शुभारंभ के दौरान प्रधान कमला दसाणा, उपखंड अधिकारी गोविंद सिंह, पर्यटन उप निदेशक शिखा सक्सेना, सहायक निदेशक विवेक जोशी, पर्यटक अधिकारी जितेंद्र माली, सहायक पर्यटक अधिकारी नीलू राठौड़, होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष भरतपाल सिंह, बड़ी संख्या में पर्यटक, स्थानीय नागरिक आदि मौजूद थे। इसके पश्चात लाखेला तालाब पर लगे फूड कोर्ट में पर्यटकों ने राजस्थानी व्यंजनों का लुत्फ उठाया। दिन भर फूड कोर्ट पर देशी विदेशी पर्यटक स्थानीय खाद्य उत्पादों का आनंद लेते दिखाई दिए।

शाम 7 बजे से शुरू हुए सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। रत्ना दत्त ने कथक, ओडिसी, और भरतनाट्यम की अद्भुत प्रस्तुतियां दीं, जिसने पूरे वातावरण को संगीतमय बना दिया।कुंभलगढ़ फेस्टिवल के पहले दिन लोक कलाकारों की प्रस्तुतियों ने ऐसा समां बांधा कि दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। पारंपरिक वेशभूषा में सजे कलाकारों ने जब राजस्थानी लोक नृत्य और संगीत की प्रस्तुति दी, तो पूरा माहौल संस्कृति और आनंद से सराबोर हो गया। कलाकारों की हर प्रस्तुति में मेवाड़ की मिट्टी की सुगंध और परंपराओं की झलक दिखाई दी। पर्यटक खुद को थिरकने से रोक नहीं सके और लोक कलाकारों के साथ झूम उठे। सांझ ढलते ही मंच पर जब कथक, ओडिसी और भरतनाट्यम जैसे शास्त्रीय नृत्य प्रस्तुत हुए, तो दर्शकों की तालियों ने आसमान गूंजा दिया। लोक गायकों की सुरमयी आवाज ने ऐसा जादू किया कि देशी-विदेशी पर्यटक भी झूमने पर मजबूर हो गए। इस सांस्कृतिक उत्सव ने न केवल मेवाड़ की कला को सराहा, बल्कि इसे विश्व पटल पर एक नई पहचान भी दी। फेस्टिवल के दूसरे दिन, 2 दिसंबर सोमवार को शाम 7 बजे कैलाश चंद्र मोठिया और ग्रुप वायलिन की प्रस्तुति देंगे। इसके बाद सवाई भाट एवं ग्रुप द्वारा सूफी गायन पेश किया जाएगा।

तीसरे और अंतिम दिन, 3 दिसंबर को बरखा जोशी एवं ग्रुप कथक और लोक गायन की प्रस्तुति देंगे। साथ ही मोहित गंगवानी और ग्रुप तबला वादन करेंगे। शेष दोनों ही दिन सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक पगड़ी बांधो प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता, लोक नृत्य, और लोक गायन जैसी गतिविधियां होंगी, जो पर्यटकों को राजस्थानी संस्कृति के करीब लाएंगी। तीन दिन तक चलने वाले इस फेस्टिवल का समापन 3 दिसंबर की रात को होगा। कुंभलगढ़ फेस्टिवल पर्यटकों को मेवाड़ के गौरवशाली इतिहास और संस्कृति से रूबरू कराने का अनूठा अवसर प्रदान कर रहा है।

जन समस्याओं का प्राथमिकता से करें निस्तारण - पटेल

विधायक हंसराज पटेल ने की जनसुनवाई

आमजन के सुने अभाव-अभियोग, शिकायतों व परिवादों का मौके पर किया निस्तारण

जयपुर टाइम्स

कोटपूतली(निसं.)। । क्षेत्रीय विधायक हंसराज पटेल ने रविवार को कांवर नगर स्थित अपने निवास पर जनसुनवाई करते हुये आमजन के अभाव अभियोग सुने। इस दौरान उन्होंने क्षेत्रवासियों की बिजली, पानी, सडक़ समेत विभिन्न अभाव-अभियोग एवं समस्यायें सुनी। साथ ही आमजन की शिकायतों व परिवादों का मौके पर ही निस्तारण किया। उन्होंने सम्बंधित अधिकारियों को दूरभाष पर आमजन की शिकायतों का प्राथमिकता से निस्तारण करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि आमजन के दैनिक कार्य किसी भी स्थिति में प्रभावित ना हो। विशेष स्थिति होने पर ही उन्हें जनसुनवाई में उपस्थित होना पड़े। इसके लिये आमजन की समस्याओं का तत्काल समाधान किया जायें। उन्होंने कहा कि इस तरह की परिस्थिति ना बने कि ग्रामीणों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिये सरकारी कार्यालयों के चक्कर काटने पड़े। इस मौके पर विधायक प्रतिनिधि पंकज पटेल समेत अन्य मौजूद रहे।

कर्तव्य बोध अभियान के तहत कुकिंग प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

जयपुर टाइम्स

कोटपूतली(निसं.)। । तेल विपणन कंपनियों द्वारा शुरू किये गये बुनियादी सुरक्षा जांच अभियान के तहत हमारी रसोई हमारी जिम्मेदारी थीम पर आधारित कुकिंग प्रतियोगिता का आयोजन कस्बे के श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर के कम्युनिटी हॉल में रविवार को किया गया। जिसका उद्देश्य एलपीजी हैंडलिंग और कुकिंग में सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना एवं पाक कला का जश्न मनाना था। अभियान का उद्देश्य प्रशिक्षित कर्मियों द्वारा घर-घर निरीक्षण के माध्यम से 12 करोड़ से अधिक परिवारों तक पहुँचना है। यह निरीक्षण ग्राहकों के लिये एलपीजी इंस्टॉलेशन में किसी भी सुरक्षा खामी के लिये मुफ्त में किया जा रहा है। अब तक 08 करोड़ से अधिक घरों का निरीक्षण किया जा चुका है, जिसमें लगभग 3.5 करोड़ होज बदले गये हैं। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। जिसमें 20 प्रतिभागियों ने अपने पाक कौशल का प्रदर्शन करते हुये सुरक्षित एलपीजी हैंडलिंग प्रथाओं का पालन किया। शैफ भंडारी समेत जजों के पैनल ने प्रतिभागियों को एलपीजी सुरक्षा, व्यंजन की गुणवत्ता, प्रस्तुति और सफाई जैसे मानदंडों पर मूल्यांकन किया। प्रतियोगिता में मोनिका गुप्ता प्रथम, नीलम गुप्ता द्वितीय एवं मानवी बंसल व सिद्धि अग्रवाल तृतीय स्थान पर रही। कार्यक्रम से प्रतिभागियों व दर्शकों पर जिम्मेदार एलपीजी उपयोग के महत्व का स्थाई प्रभाव पड़ा। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि बीना सोनी रही। आयोजकों में इंडियन ऑयल से नरेंद्र बुलडक, कोटपूतली इण्डैन गैस के संचालक हिमांशु भूरानी, बहरोड़ इण्डैन गैस से मधुर गोयल ने सभी प्रतिभागियों, जजों एवं उपस्थित लोगों का धन्यवाद् ज्ञापित किया।

सुविचार

जीवन में कभी भी अपने आप को किसी से हीन या श्रेष्ठ भी न समझें, क्योंकि श्रेष्ठता अहंकार पैदा करती है और हीनता आत्मविश्वास को कम कर देती है।

ट्वीट

पता चला कि शिंदे जी मुख्यमंत्री चुनाव को अटका कर गाँव चले गए हैं। पहले बोल रहे थे कि मोदी-शाह जो कहेंगे, उनकी राह का रोड़ा नहीं बनेंगे। अब फड़णवीस पर मुहर लग रही है तो ये उपमुख्यमंत्री नहीं बनना चाह रहे। फड़णवीस तो पाँच साल के मुख्यमंत्री थे, तब भी पार्टी और गठबधन का कहा माना, डिप्टी सीएम बने। शिंदे जी को यह नहीं भूलना चाहिएँ कि आज यदि पार्टी उनकी है, तो भाजपा का उसमें बहुत बड़ा हाथ है।

-अजित भारती

आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मादी जी के नेतृत्व में आजीविका मिशन के माध्यम से बहनों को लखपति दीदी बनाने का अभियान जारी है। कोई बहन बहन गरीब नहीं रहेगी, यह हमारा संकल्प है।

-शिवराज सिंह चौहान

कहानी

राजी सेठ

किसका इतिहास

बीचवाला अगर बात को ही खा जाए तो बात-बात न रहकर पहाड़ हो जाती है, यह मेरी समझ में नहीं आया। बाऊजी को भैया से, भैया को बाऊजी से बचाती रही मैं। बहसें, बातें आमने-सामने की बन्द हो गयी थीं। बाऊजी मुझे सुनाकर कह देते थे जो उसे कहलाना होता था। वह मुझे कह देता था जो बाऊजी को पहुँचाना होता था और मैं सब-कुछ पेट में रख लेती थी। कुछ भी यथास्थान नहीं पहुँचता था-इसलिए पारस्परिक समझ का दायरा उतना-का-उतना ही रहता था। बाऊजी की खामोशी से भैया शायद उनके सहमत होने का अन्दाज लगाता रहा हो, और भैया के चुप रहने से बाऊजी के मन में बात के टल जाने का भ्रम बना रहता हो।

और जब एक दिन गुलेल के वार से घायल होकर नीचे आ पडने़वाले पक्षी की तरह यह बात अचानक बाऊजी के सामने फेंकी गयी तो वह थर्रा गये, ''बाऊजी, भैया अलग रहना चाहता है शादी करके।'

बस! इतना ही फर्क पड़ा था, बातें, बहसें बन्द हो गयी थी और आवाज़ के अकाल ने घर में एक ऐसी गाढ़ी धुन्ध का रूप ले लिया था जिसमें सब आकार, रिश्ते, रिश्तों की बेहद नाजुक डोरियाँ गडमड हो गयी थीं, क्योंकि कोई समझ नहीं पाता था उन्हें कहाँ से पकड़ा जाऐ...आखिर कहीं कुछ जता सकने पर, उछाल पाने पर ही सम्बन्धों का विश्वास हाथ लगता है।

दोनों अटल थे अपनी-अपनी जगह पर। बाऊजी अपनी बात पर-शमीम इस घर में नहीं आएगी, और भैया-आएगी तो बस शमीम ही आएगी, और कोई नहीं।

माँ बीच में, जैसे एक लरजती हुई लहर, पता नहीं किसकी ज़मीन पर लेटें। दुख बाऊजी के साथ उन्होंने भी देखे थे। उस पाँच नदियों की धरती पर उठती हिंसा की लपटों के प्रतिबिम्ब उनकी आँखों में भी उतने ही ताजे थे।

दहशत-भरी ठसाठस भीड़। हर किसी में पहले चढ़ने की आपाधापी...लोगों को ट्रकों में लाद-लादकर हिन्दुस्तान बॉर्डर पर पहुँचाया जा रहा था।

माल की तरह लाद दी जाने वाली गर्भिणी माँ को अपने आसपास देखते अचानक एहसास हुआ कि बाऊजी उसी ट्रक पर चढ़ नहीं पाये हैं, तो वह ट्रक से कूद पडऩे को तैयार हो गयी थीं। जाने कैसी तीखी अरक्षा उन दिनों थी...पता नहीं, कौन किससे कब, कहाँ बिछुड़ जाऐ और फिर कभी उसका मुख देखना नसीब न हो।

ड्राइवर ट्रक स्टार्ट कर चुका था। दो मजबूत हाथों ने उन्हें उसी भीड़ के ढेर में वापिस ढकेल दिया, जिसे अपनी कोहनियों से धकियाती-चीरती वह इस सिरे तक पहुँची थी। आँखों पर दुपट्टा रखे वह सारे रास्ते बिलखती आयी थीं।

अम्बाला कैम्प में पहुँचकर बौरायी आँखों से वह बाऊजी को खोजती-ढूँढ़ती भटकती फिरीं।

''क्यो भाई, दूसरा ट्रक लायलपुर से चला था?''

''चला होगा...मुझे पता नहीं बीबी।''

''क्यों भाई, कोई ट्रक लायलपुर से आया है आज...?''

''पता नहीं बीबी...कैम्प के इंचार्ज से पूछ लो।''

हर किसी की आँख में लपट की तरह जलती वही तलाश। पैर एक-दूसरे को लाँघते हुए। माँ बावरी आँधी की तरह एक तम्बू से दूसरे, दूसरे से तीसरे में भटकती फिरीं। आने वाले ट्रकों के सामने वह तब तक जमी खड़ी रहतीं, जब तक एक-एक प्राणी उतर न लेता। दाढ़ी बढ़े लोगों को वहा आँखें फाड़-फाडक़र देखतीं...क्या पता इस चेहरे के पीछे कोई दूसरा चेहरा निकल आये।

और एक दिन छावनी के पीछे वाले कैम्प में माँ को बाऊजी मिल गये...बुखार से तपते...उलटियाँ, दस्त करते...उनके शरीर का सारा पानी सूख गया था। माँ बड़ी डोल-डोल गयीं।

अच्छी-बुरी जैसी भी देखभाल हुई, उन कैम्पों में घूमती डॉक्टरों की टोलियों द्वारा हुई। बाऊजी बच गये, 'ठोकरें खाने के लिए', ऐसा वह अकसर कहते रहते थे। माँ को लगा कम-से-कम पेड़ तो बच गया, हरियाली चाहे सूख गयी है।

रक्त की कमी से पीली हो गयी माँ, ज्यादातर चुप, इधर-से-उधर करवटें बदलते, सफेद डगमग आँखों वाले बाऊजी को बार-बार पानी पिलाते-पिलाते कहतीं, ''कोई बात नहीं...होनी कोई अपने साथ ही तो नहीं हुई। सबके साथ हुई है...तुम तसल्ली रखो। जैसा लोग करेंगे, हम भी कर लेंगे। जहाँ सब कुआँ खोदेंगे, वहाँ हम भी खोद लेंगे।''

माँ के ऐसे दिलासे पता नहीं क्यों बाऊजी को कोड़ों-जैसे लगते, शायद उनका पौरुष तिलमिला उठता था, ''बस कर...अब बस कर...तू अपना ध्यान कर!''

अपना ध्यान? अपना ध्यान? न खाट थी, न चौपाल, न काम, न ठिकाना, टाट के कपड़े, ठहरा हुआ वक्त, भूख, जगराते, चिन्ता...

माँ बाऊजी से कुछ कहें, इसका क्या लाभ था। बाऊजी माँ से कुछ कहें, इसका भी क्या लाभ...

''यह दिन भी देखने थे।'' पस्त माँ ने कपड़ों की छोटी-सी गठरी कोने के हवाले करते हुए कहा। उनका चेहरा फक था, सूखा हुआ।

''वह दिन नहीं रहे तो यह भी नहीं रहेंगे...तू किसी तरह निपट जा, मैं तेरी वजह से कहीं जा नहीं पाता।'' उस बड़े-से अहाते की इस छोटी-सी कोठरी में बाऊजी ने नज़रें दौड़ाते हुए कहा।

और उसी कोठरी में अतुल का जन्म हुआ। माँ ने मुक्ति की साँस ली। तीन दिन तक पलँग की पाटी पकड़-पकडक़र वह चीखती रही थीं, और पासवाली बेबे 'सबर कर पुत्तरा, सबर कर' के निरावेग दिलासे माँ को देती रही थी, 'फल भी तो तुझे ही मिलेगा।'

उन दिनों माँ का मुँह देखकर लगता था, यह फल उन्हें न भी मिलता तो भी माँ को कोई दुख न होता। वह अकसर अतुल की तरफ पीठ करके पड़ी रहती...तब तक, जब तक वह अपनी चीख-चिल्लाहट से माँ की ऊपरी शान्ति को भंग नहीं कर देता था। माँ पलटकर अपना स्तन उसे दे देती थीं और उसके एहसास से पूरी तरह बेगानी हो जाती थीं।

मुझे बड़े असुविधाजनक लगते थे वे दिन। दहलीज़ पर बैठे-बैठे, यों ही इधर-उधर देखते होना। पढ़ाई, सिलाई, बुनाई, कढ़ाई, रोटी-पकवान के लिए दिन-रात आदेशों-उपदेशों के अम्बार टपकाती माँ मुझे अब कुछ नहीं कहती थीं। न कहती थीं, सीखना ज़रूरी है। न कहती थीं, नहीं जरूरी। खुद बैठी रहती थीं और मुझे बैठे रहने देती थीं।

एक दिन बाऊजी ने डपटकर माँ से कहा था, ''जो हुआ सो हुआ, तुम इस तरह से मुँह लटकाकर वज़न की तरह बँधी रहती हो मेरी जान को...अरे, कुछ अपने होश-हवास सँभालो।''

और माँ को-कुएँ में लटकती हुई माँ को जैसे कोई वापिस ले आया था बाहर। वह सँभलने लगी थीं कतरा-कतरा बाऊजी घर में होते तो कृत्रिम लगने की हद तक वह अतिरिक्त उत्साह बिखेरतीं। उस वक्त वह उनसे भी बड़ी हो गयी दीखतीं...

दीवारों का रंग तो नहीं बदला था। वह वैसी-की-वैसी थीं चूना झाड़तीं, धब्बों में घूरतीं। पर मन का रंग बदलता गया था। कमरा सामान के बिना चौड़ा लगता था। पेट में खासे खोखल थे परन्तु सफेदपोशी ने ढक लिया था-बहुत कुछ।

साबुर घिस-भर देने से दूसरे दिन के लिए वही जोड़ा उजला हो जाता था। वही थाली बार-बार माँजी जाने पर चमक जाती थी। पतीली में चाय, दाल और कभी-कभी सब्जी पक जाती थी और उसी में रात को, सबेरे नमकवाली रोटी के साथ खाने को छाछ के लिए पेंदा-भर दही जम जाता था। डालडा भी घी-जैसा ही लगता था। उसकी छौंक ऐसी क्या बुरी थी।...अचार कच्चे आम काटकर नमक-मिर्च-भर डाल देने में खासा खाने लायक हो जाता था; तेज़, हल्दी, सौंफ, मेथी, मर्तबान की ज़रूरत क्या थी।

सब-कुछ हो जाता था...बस! अगर याद न किया जाऐ। तुलना न हो उस अतीत से...गलीचों, कुर्सियों, कारों में फिसलते वक्त के उस वकफे से, जिसे किस्मत ने पूरी बेरहमी से काटकर इतना अलग फेंक दिया था कि वह अपने वजूद का हिस्सा ही नहीं लगता था।

सब ठीक था अगर याद न आये कि वहाँ ज़िन्दगी कैसी थी...क्यों थी...और अब कैसी है, क्यों है, जिसके कारण है...

कुछ नहीं बिगड़ता था यदि तुलना न हो, शिनाख्त न हो। ऐशो आराम की तरफ से तो आँख मूँदी जा सकती थी पूरी तरह...

यह शिनाख्त किस तरह शमीम के इस घर में आ जाने से उबरकर सामने आ जाती है...किस तरह वह मात्र एक औरत, एक इनसान, एक पुत्रवधू न रहकर, एक इतिहास, एक जाति, एक परिस्थिति, जलावतन की कँटीली याद का दंश बन जाती है...। उसके होते रहते किस तरह बींध-बींध जाएा करेंगे स्मरण...वह विस्थापन, वह कैम्पों में इधर-से-उधर भूख-प्यास से भटकते होना। वह हाथ न फैलाने की शर्म में दिन-रात अपने आप को खाते होना।...वह इतनी मेहनत के लिए अनभ्यस्त कन्धे...परीक्षा!...इतनी बड़ी परीक्षा...इतनी कड़ी परीक्षा...

''तुम इतना तो सोचो,'' उठते-उठते बाऊजी भैया को कोंचते, ''अभी तो मेरे तन-मन से गर्दिश के निशान भी नहीं मिटे...अपनी माँ की तरफ देख, कैसी झल गयी है...अभी तक उसके चेहरे का रंग वापिस नहीं आया...बहिन अभी घर बैठी है..अन्धा हो गया है...क्या ज़रूरी है, हर बात में खोलकर कहूँ। तुम कह सकते हो...कहते ही हो...मैं आर्थोडॉक्स हूँ, बदलता नहीं हूँ...क्या ज़रूरी है बदलना इतने बड़े बदलाव को बरदाश्त करने के बाद। यह हड्डियाँ अभी पूरी तरह सिंकी तक नहीं हैं...।''

''किसने कह दिया तुम्हें मैं कौम का बदला आदमी से लेने बैठा हूँ'' बाऊजी अपनी छाती पर हाथ मारते हुए कहते, ''अरे! मैं आदमी की बात करता हूँ...आदमी की...अपनी...मैं तुम्हें आदमी नहीं दीखता?...और यह कौम? ...कौम कौन-सी चिड़िया का नाम है?...वह नाम लडऩे के लिए होता है-कौम का नाम।...सहने के लिए होता है आदमी-निपट नंगा, बेबस आदमी...देख नहीं रहा अपनी आँखों से।'' बाऊजी उसके सामने तराजू उठाते रहने से पड़ गये गट्टों से भरे अपने हाथ फैला देते।

''कैसे भूल जाऊँ?...कौन-सी जन्नत मिल नहीं गयी है कि भूल जाऊँ...अरे! तुझे कालिज करवा रहा हूँ तो तू बड़ा चौधरी हो गया है...यह सारा जुबानी जमा-खर्च तू अपने पास रख...मुझे सिखा रहा है भूल जाओ...तेरे लिए मुमकिन है भूल जाना...वह तेरे सफ़र का एक हिस्सा है...मेरा नरक तो ज़िन्दगी के इसी टुकड़े पर खड़ा है...तू क्यों नहीं भूल जाता?...तू ही भूल जा एक छोटी-सी बात...''

''तो फिर कह दे,'' भैया ने यह सब सुनते-सुनते अघाकर मुझे कहलवाया था, ''मेरा फ़ैसला यदि घर का फैसला नहीं हो सकता तो यह घर मेरा नहीं है। मुझे ऐसा करने का अफ़सोस है पर...''

बीचवाला अगर बात को ही खा जाए तो बात-बात न रहकर पहाड़ हो जाती है, यह मेरी समझ में नहीं आया। बाऊजी को भैया से, भैया को बाऊजी से बचाती रही मैं। बहसें, बातें आमने-सामने की बन्द हो गयी थीं। बाऊजी मुझे सुनाकर कह देते थे जो उसे कहलाना होता था। वह मुझे कह देता था जो बाऊजी को पहुँचाना होता था और मैं सब-कुछ पेट में रख लेती थी। कुछ भी यथास्थान नहीं पहुँचता था-इसलिए पारस्परिक समझ का दायरा उतना-का-उतना ही रहता था। बाऊजी की खामोशी से भैया शायद उनके सहमत होने का अन्दाज लगाता रहा हो, और भैया के चुप रहने से बाऊजी के मन में बात के टल जाने का भ्रम बना रहता हो।

और जब एक दिन गुलेल के वार से घायल होकर नीचे आ पडऩेवाले पक्षी की तरह यह बात अचानक बाऊजी के सामने फेंकी गयी तो वह थर्रा गये, ''बाऊजी, भैया अलग रहना चाहता है शादी करके।''

बाऊजी के चेहरे पर पहले तो एक परत अबूझ जिज्ञासा, फिर अपने ध्वस्त विश्वास को फेंके हुए काग़ज़ की तरह वापिस हाथ में लेते हुए बोले, ''क्या अभी अड़ा हुआ है वह वहीं...?''

''जीऽऽ! बाऊजी!'' कहते-कहते मुझे डर-सा लगा, पता नहीं किस बात का।

''क्यों? उसकी हिम्मत कहाँ गयी जो तुझसे कहलवाया है...उसके मुँह में रोड़े पड़े हैं क्या? गीदड़ की औलाद।''

''वह कहता है आपसे बहस करने का फायदा नहीं।''

''हाँ। फायदा तो नहीं...वह ज़ख्म बच्चू के अपने जिस्म पर नहीं पड़े न...नहीं तो पूछता...वह क्या जाने।''...उनकी आँखों के सामने एक तेज दौड़ता हुआ बवंडर फिर से घूम गया लगा। वह कुछ ठहरकर बोले, ''अपनी माँ से पूछ लिया है उसने?''

''जीऽऽ...''

वह ऐसे चौंके जैसे उनकी देह पर किसी ने जलता हुआ अंगारा रख दिया हो।

''हूँऽऽऽ! वह भी तो नहीं कहती कि बेटे के साथ जाएगी...वहीं रहेगी जाकर...?''

जवाब माँगने के लिए उन्होंने यह सवाल नहीं किया था। जवाब उन्हें मालूम था...जवाब सुनने के लिए वह रुके भी नहीं। लेटे थे, उठकर इधर-उधर टहलना शुरू कर दिया।

इसके बाद तो चुप...भारी-सी चुप। चलते कदमों की तेज-धीमी खिसखिसाहट...बीच-बीच में रसोई में बर्तन खटकने और फूँकनी से चूल्हा फूँकने की माँ की आवाज़ और कड़ुआता हुआ धुँआ।

बीच में पसरे हुए ऐसे समय के खामोश तनाव को और किसी तरह तोड़ा नहीं जा सकता था।

''आपका खाना लाऊँ?'' मैंने पूछा।

''नहीं!'' आवाज़ कडक़ थी, ''तुम सब खा लो...सोओ...मुझे नहीं खाना...मुझे भूख नहीं है...।'' आवाज़ पस्त थी।

इन दो सिरों के बीच की छोटी-सी ज़मीन पर इतना लम्बा सफ़र?

मुझे दर्द हुआ...धँसता-उधेड़ता दर्द...बाऊजी के लिए।

''आप खा लीजिए, बाऊजी, मैं उसे फिर से समझाऊँगी...समझा लूँगी।''

''तू क्या समझाएगी...और वह भी क्यों समझेगा...आखिर यह मेरा इतिहास है, उसका नहीं...वह मेरे जख्म थे, उसके नहीं...यह दर्द भी मेरा ही है, बस मेरा...इसे मेरे आयाम में खड़ी मेरी हमसफ़र पीढ़ी ही समझ सकती है, मेरी भावी नहीं...जा! कह दे उससे...''

टहलते-टहलते वह धप्प से खाट पर बैठ गये थे। घुटनों पर कोहनियाँ टिकाकर अपना सिर उन्होंने अपनी दोनों हथेलियों में दे लिया था।

''कह दे जाकर उससे...कर ले शादी...ले ले मकान...किराये की फिकर न करे...मैं दे दूँगा किराया...कह देना यह भी, निपट-निपट कर जल्दी दुकान पर आये...मेरी बुड्ढी हड्डियों में अब...''

''माँ ऽऽ आँ!'' मैंने बाऊजी की कितनी-कितनी ज़रूरतों को समझते हुए माँ को ज़ोर से पुकारा।

– 'हिन्दी समय' से साभार

संपादकीय .....

अकाल मृत्यु हरणं

जगत सतत गतिमान है। जगत सतत परिवर्तनशील है। जो कल था, वह आज नहीं है। आज है वह कल नहीं होगा। क्षण-क्षण, हर क्षण परिवर्तन हो रहा है। यह क्षण वर्तमान है। अगले क्षण, पिछला क्षण निवर्तमान है।

उपरोक्त बिंदुओं से लगभग हर व्यक्ति शाब्दिक स्तर पर सहमत होता है। तथापि जैसे ही परिवर्तन स्वयं पर लागू करने का समय आता है वह ठिठक जाता है, ठहर जाता है। अपनी स्थिति में परिवर्तन सहजता से स्वीकार नहीं करता।

अपनी स्थिति में परिवर्तन स्वीकार न कर पाना ही जड़ता है। भौतिकविज्ञान में जड़ता का नियम है। यह नियम कहता है कि किसी वस्तु का वह गुण जो उसकी गति की अवस्था में किसी भी प्रकार के परिवर्तन का विरोध करता है, जड़त्व (इनर्शिया) कहलाता है। यदि कोई वस्तु विराम अवस्था में है तो वह विराम अवस्था में रहना चाहती है और यदि कोई वस्तु एक समान वेग से गतिशील है तो गतिशील रहना चाहती है, जब तक कि कोई बाह्य बल उसको अपनी अवस्था में परिवर्तन के लिए विवश न कर दे।

विज्ञान, जड़त्व के तीन प्रकार प्रतिपादित करता है, 1) विराम का जड़त्व, 2) गति का जड़त्व और 3) दिशा का जड़त्व। ज्ञान अर्थात अध्यात्म जड़त्व को समग्रता से देखता है। विज्ञान नियम को स्थूल के स्तर पर लागू करता है। अध्यात्म इसे सूक्ष्म तक ले जाता है।

जड़त्व हमारे सूक्ष्म में अपनी जगह बना चुका। सास चाहती है कि कुर्सी गत बीस वर्ष से जहाँ रखी जाती है, वहाँ से इंच भर भी दायें-बायें न हिलाई जाय। बहू कुर्सी की दशा और दिशा दोनों बदलना चाहती है। समय के साथ बहू वांछित परिवर्तन कर भी लेती है। लेकिन अब उसे भी अपने कार्यकलाप और कार्यप्रक्रिया में कोई बदलाव स्वीकार नहीं। वह अब अपनी जड़ता का शिकार होने लगती है।

तन और मन में बसी जड़ता परिवर्तन नहीं चाहती। ऑफिस का समय बदल जाए तो लोग असहज होने लगते हैं। ऑफिस में उपस्थिति बायोमेट्रिक हुई तो लगे कोसने। कइयों को तो जो नया है, वह निरर्थक लगता है। कम्प्युटर आया तो मैनुअल तरीके से काम करने के पक्ष में मोर्चे निकले। मोबाइल आया तो लैंडलाइन का जमकर गुणगान करने लगे। कार्यकलाप ऑनलाइन हो चले पर परिवर्तन के विरोध ने काफी समय तक ऑफलाइन ही बनाये रखा।

परिवर्तन का विरोध करनेवाला मनुष्य क्या सारे परिवर्तन रोक पाता है? चेहरे पर झुर्रियाँ बढ़ रही हैं। एंटी एजिंग लोशन लगा-लगाकर थक चुके। रोक लो झुर्रियाँ, रोक सकते हो तो! उम्र हाथ से सरपट फिसल रही है, थाम लो, थाम सकते हो तो! जीवन, मृत्यु की दिशा में यात्रा कर रहा है। बदल दो दिशा, बदल सकते हो तो!

वस्तुत: भीतर का भय, परिवर्तन को स्वीकार नहीं करने देता। भयभीत व्यक्ति आगे कदम नहीं उठाता। जहाँ का तहाँ खड़ा रहता है।

परिवर्तन सृष्टि का एकमात्र नियम है जो परिवर्तित नहीं होता। परिवर्तन चेतन तत्व है। चेते रहने, चैतन्य रहने के लिए परिवर्तन के साथ चलो, कालानुरूप कदमताल करो। अन्यथा काल चलता रहेगा, जड़ता का शिकार पीछे छूटता जाएगा। सृष्टि साक्षी है कि जो काल से पीछे छूटा, अकाल नाश को प्राप्त हुआ।

सनातन संस्कृति जब प्राणीमात्र के लिए 'अकाल मृत्यु हरणं' की कामना करती है तो जड़ता के अवसान और चैतन्य के उत्थान की बात करती है।

जड़ता को झटको। काल के अनुरूप चलो। सदा चैतन्य रहो।

बोध कथा

अच्छा होता अगर तू भी सोया रहता !!

स्वामी सेवानंदजी के दो शिष्य थे रामानंद और चेतनानंद। ब्राह्ममुहूर्त में उठकर जप-ध्यान, संध्या,शास्त्राध्ययन करना उनका नित्य-नियम था। उनकी तत्परता देख स्वामी जी दोनों शिष्यों से संतुष्ट रहते थे।

एक दिन रामानंद देर तक सोया रहा। चेतनानंद ब्राह्ममुहूर्त में उठकर अपना नित्य-नियम पूरा करके सेवा में लग गया।

दूसरे दिन भी रामानंद ब्राह्ममुहूर्त के समय सोता हुआ मिला। इस प्रकार लगातार 3-4 दिन बीत गये।

आखिर चेतनानंद गुरुजी के पास पहुँचा और शिकायत करते हुए बोला : ''गुरुदेव ! रामानंद आजकल प्रातः ईश्वरोपासना करता ही नहीं है। वह तो सोया ही रहता है।

गुरुजी बोले : ''अच्छा होता अगर तू भी सोया ही रहता।

चेतनानंद, स्वामीजी की यह बात सुनकर सकपका गया। वह तो सोच रहा था कि गुरुजी उससे प्रसन्न होंगे, शाबाशी देंगे लेकिन यह क्या, गुरुजी तो नाराज हो गये !

उसने साहस करते हुए फिर से कहा : ''गुरुदेव ! मैं अपने बारे में नहीं, रामानंद के बारे में बात कर रहा हूँ। वह देर तक सोता रहता है, उसके बारे में क्या करना चाहिए ?

गुरुजी : ''मैं रामानंद के बारे में चिंतित नहीं हूँ। मैं तुम्हारे बारे में चिंतित हूँ। मैं कहता हूँ कि तुम भी यदि सोये रहो तो अच्छा ही होता।

''ऐसा क्यों गुरुजी ? मेरे सोने से किसको लाभ होगा ?

''तुमको ही लाभ होगा। तुम परनिंदा और राग-द्वेष से बचे रहोगे।

तब चेतनानंद ने तुरंत अपनी सफाई में कहा : ''मैं निंदा नहीं कर रहा हूँ गुरुजी ! रामानंद सचमुच में 4 दिन से देर तक सोता रहता है। मुझे उसके प्रति द्वेष नहीं है,तभी तो मैं उसकी गलती गुरुजी को बता रहा हूँ जिससे वह सुधर जाय !

''बेटा ! क्या तुमने 4 दिनों में यह जानने की कोशिश की कि रामानंद क्यों देर तक सोता रहता है ? क्या तुमको पता है कि उसे बुखार है ? वह सोया रहता है, ईश्वरोपासना नहीं कर पाता लेकिन किसी की निंदा भी तो नहीं करता ! परनिंदा, परदोष-दर्शन से तो वह बचा हुआ है ! तुम तो परनिंदा के भागी बन रहे हो। तुम्हारा कर्तव्य था कि पहले उससे देर तक सोने का कारण पूछते। यदि वह गलत रास्ते जा रहा है तो उसे समझाते। अगर वह फिर भी नहीं मानता तब यह बात उसके सामने मुझसे बोलनी चाहिए थी। तुमने तो ऐसा किया नहीं।

चेतानंद ने गुरुजी की कल्याणकारी बात को सकारात्मक भाव से लिया। उसे अपने मन में छिपी खुद को अच्छा दिखाने की वासना और गुरुभाई के प्रति द्वेष की सूक्ष्म भावना दिखने लगी। उसने गुरुदेव से हृदयपूर्वक क्षमा माँगी और रामानंद के सामने भी अपना हृदय निष्कपटतापूर्वक खोलकर रख दिया। इससे दोनों गुरुभाइयों में पहले से भी ज्यादा स्नेह बढ़ गया और उनके आपसी स्नेह और समझदारी की वजह से उन्हें गुरुदेव की प्रसन्नता भी प्राप्त हुई।

जाग्रत, स्वप्न, सुषुप्ति बदलते हैं फिर भी जो अबदल है, उस आत्मा में 'मैं' पने की मधुरता जगी। जीवन्मुक्त महापुरुष की कृपा से शिष्य भी परम वैभव परमात्म-साक्षात्कार को प्राप्त हो गये। धन्य हैं ऐसे सत्शिष्य जो सद्गुरुओं की अनुभूति को अपनी अनुभूति बना लेते हैं !

सीख : हमें भी किसी की शिकायत बिना हकीकत जानें नहीं करनी चाहिए और पहले स्वयं समझाने का प्रयास करना चाहिए,नहीं मानें तब बड़ों को उसके सामने बताना चाहिए । यदि गलती से किसी निंदा हो जाये तो चेतनानंद की तरह उससे क्षमा मांगकर अपना हृदय स्वच्छ कर लेना चाहिए।

वीर गाथा

जगमोहन नाथः तीन युद्ध लड़े, दो बार बने महावीर चक्र विजेता

विंग कमांडर जगमोहन नाथ का जन्म 8 अगस्त, 1930 को जयपुर में हुआ था। पिता कमल नयन राय के बहादुर बेटे जगमोहन को दो बार महावीर चक्र से सम्मानित किया गया था। वे साल 1948 में कोयंबटूर में वायुसेना प्रशासनिक कॉलेज में भर्ती हुए थे। उन्होंने साल 1962 के युद्ध से पहले और उसके दौरान अक्साई चिन और तिब्बत में टोही मिशनों में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

एक ऑपरेशनल स्क्वाड्रन के फ्लाइट कमांडर के तौर पर जगमोहन नाथ ने कई खतरनाक मिशन पूरे किए थे। उन्होंने प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद उड़ानें भरीं और दुश्मन से जुड़ीं कई गुप्त सूचनाएं अपने उच्चाधिकारियों तक पहुंचाईं। उन्होंने असाधारण वीरता और अत्यंत उच्च स्तर का कर्तव्य-बोध दिखाया, जिसके लिए उन्हें महावीर चक्र से सम्मानित किया गया।

चीन के साथ युद्ध खत्म हुआ ही था कि साल 1965 में एक बार फिर जंग के नगाड़े बज उठे। इस बार पाकिस्तान ने हमारे देश पर हमला किया था। अब जगमोहन नाथ स्क्वाड्रन लीडर बन चुके थे। उन्हें स्ट्रेटेजिक फोटो रिकोनैसेंस स्क्वाड्रन के फ्लाइट कमांडर की जिम्मेदारियां सौंपी गई थीं। वे कैनबरा विमान उड़ा रहे थे, जिसे देखकर दुश्मन के दिल दहल उठते थे।

जगमोहन ने दुश्मन के बारे में महत्त्वपूर्ण जानकारी हासिल करने के लिए उसके इलाके में कई बार जोखिम भरी उड़ानों का नेतृत्व किया था। बिना सुरक्षा वाले ये मिशन, जो कि टोही प्रकृति के थे, दिन के उजाले में दुश्मन के इलाके और अच्छी तरह से सुरक्षित हवाईअड्डों और प्रतिष्ठानों के ऊपर लंबी दूरी तक उड़ान भरने के लिए थे।

जगमोहन जानते थे कि ऐसे किसी भी मिशन के दौरान दुश्मन उनके विमान को निशाना बना सकता है। इसके बावजूद वे हर मिशन की जिम्मेदारी आगे बढ़कर स्वीकार करते थे। उन्होंने दुश्मन के इलाके में जाकर जो जानकारी हासिल की, उसके आधार पर उच्चाधिकारियों ने रणनीति बनाई और जोरदार धावा बोला था। उस युद्ध में भारतीय जवानों ने दुश्मन के परखच्चे उड़ा दिए थे। स्क्वाड्रन लीडर जगमोहन नाथ को साहस, दृढ़ संकल्प और कर्तव्य के प्रति समर्पण के लिए एक बार फिर महावीर चक्र से सम्मानित किया गया।

साल 2021 में जगमोहन (तब वायुसेना से से.नि.) ने कहा था कि मैंने तीन युद्ध लड़े हैं- 'पहला, चीन के खिलाफ; दूसरा, पाकिस्तान के खिलाफ; तीसरा, कोरोना महामारी के खिलाफ।' उन्होंने तीसरा युद्ध भी जीता। वे 21 मार्च, 2023 को भारत मां की गोद में चिरनिद्रा में लीन हो गए।

ये काली काली आंखें में अपने किरदार के लिए गुरमीत चौधरी ने घटाया 10 किलो वजन

अभिनेता गुरमीत चौधरी को ये काली काली आंखें के नए सीजन में अपने दमदार किरदार में देखा जा सकता है। अपने इस खास किरदार के लिए अभिनेता ने अपने हेयर स्टाइल से लेकर अपने वजन घटाने पर भी काम किया। सीरीज में इस खास किरदार निभाने को लेकर गुरमीत ने काफी मेहनत की है। अपनी भूमिका में जान डालने के लिए अभिनेता ने सख्त डाइट और हैवी वर्कआउट से अपना लगभग 10 किलो तक वजन घटाया। ये काली काली आंखें में काम करने और अपने किरदार के बारे में बात करते हुए अभिनेता गुरमीत ने कहा, सीरीज में गुरु का किरदार निभाना मेरे लिए बेहद ही चुनौतीपूर्ण था। इसके साथ ही यह बेहद रोमांचक भी रहा। मेरे निर्देशक सिद्धार्थ सेनगुप्ता के पास मेरे किरदार के लिए एक स्पष्ट दृष्टिकोण था, जिसके लिए मुझे बड़े पैमाने पर तैयारी करनी पड़ी। आगे कहा, मैंने इसके लिए कई एक्टिंग वर्कशॉप में भाग लिया, अपने लंबे बाल छोटे करवाए और वजन घटाने के लिए सख्त डाइट का पालन किया। मनचाहा लुक पाने के लिए मैं रोजाना बांद्रा में दौड़ने जाता था और आखिरकार मैंने 10 किलो वजन कम कर लिया। उन्होंने कहा कि इस सीरीज में काम करना मेरे लिए बेहद ही एक खास तरह का अनुभव था। मैं इसके लिए सिद्धार्थ सर का आभारी हू , जिन?होंने मुझ पर विश्वास किया और मुझमें गुरु के किरदार को देखा। ये काली काली आंखें नेटफ्लिक्स पर एक रोमांटिक क्राइम थ्रिलर टेलीविजन सीरीज है जिसे सिद्धार्थ सेनगुप्ता ने बनाया और निर्देशित किया है। इस सीरीज में श्वेता त्रिपाठी और आंचल सिंह भी मुख्य भूमिकाओं में हैं, साथ ही सौरभ शुक्ला, सूर्या शर्मा, अरुणोदय सिंह और बृजेंद्र काला भी सहायक भूमिकाओं में हैं। इस सीजन में गुरमीत चौधरी की भी एंट्री हुई है, जो पूर्वा का दोस्त है और उसे सुरक्षित घर वापस लाने की कसम खाता है। यह अस्तित्व का एक खतरनाक खेल है, और इस सीजन में गुरमीत चौधरी की दमदार एंट्री के साथ, दांव और भी बढ़ गए हैं। एजस्टॉर्म वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा निर्मित, ये काली काली आँखें सीजन 2, 22 नवंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुआ। गुरमीत ने 2009 की टेलीविजन सीरीज रामायण में देबिना बनर्जी के साथ राम की भूमिका निभाकर प्रसिद्धि पाई। इसमें देबिना ने सीता की भूमिका निभाई थी। अभिनेता ने गीत-हुई सबसे पराई, पुनर्विवाह, झलक दिखला जा, नच बलिए 6, फियर फैक्टर-खतरों के खिलाड़ी (सीजन 5) जैसे शो का हिस्सा ले चुके हैं। बॉलीवुड में गुरमीत की पहली फिल्म 2015 में आई थी।

श्वेता त्रिपाठी की दर्शकों से गुजारिश

महिला केंद्रित कहानियों को कीजिए सपोर्ट

श्वेता त्रिपाठी ने कई फिल्मों और वेब सीरीज में उम्दा काम किया है। इस समय वह अपनी नई वेब सीरीज ये काली काली आंखें 2 को लेकर काफी उत्साहित हैं। इसमें उन्होंने काफी अलग रोल निभाया है। लेकिन इसके बावजूद वह मानती हैं कि अब भी महिला कलाकारों को उतने अच्छे रोल नहीं मिलते हैं, जितने की मिलने चाहिए।

पुरुष कलाकारों को मिलती हैं अच्छी कहानियां

हाल ही में एक इंटरव्यू में श्वेता त्रिपाठी कहती हैं कि पुरुष कलाकारों को बेहतर कहानियां मिलती हैं। इसलिए उनकी ख्वाहिश भी पुरुष किरदार निभाने की है। इसके अलावा वह दर्शकों से भी गुजारिश करती हैं कि महिला प्रधान फिल्मों और शो का समर्थन करें।

ये काली काली आंखें 2 के किरदार से खुश

श्वेता त्रिपाठी आगे कहती हैं कि मैं चाहती हू कि मेरे किरदार एक-दूसरे से अलग हों। वेब सीरीज ये काली काली आंखें 2में शिखा का किरदार मुझसे बहुत अलग है और मैं उसकी दुनिया में कदम रखने की चुनौती का आनंद ले रही हू। इस सीरीज की कहानी थ्रिलर वाली है, जिसमें श्वेता के साथ ताहिर राज नजर आ रहे हैं।

मिर्जापुर में किया था दमदार रोल

श्वेता त्रिपाठी ने वेब सीरीज मिर्जापुर में भी गोलू का किरदार निभाया था। इसमें वह काफी दमदार किस्म के किरदार को निभाती हुई दिखीं। दर्शकों ने उनको इस रोल में काफी सराहा। उनके साथ इस सीरीज में कई उम्दा कलाकार भी थे, जिसमें पंकज त्रिपाठी और अली फजल जैसे नाम शामिल रहे।

आगे भी अच्छा काम करेंगी

आगे भी श्वेता का मन अच्छी और बेहतरीन फिल्में करने का है। इस समय तो वह वेब सीरीज ये काली काली आंखें 2 पर ही ध्यान दे रही हैं। वह जानना चाहती हैं कि दर्शक इस सीरीज को कितना पसंद करते हैं। इस वेब सीरीज की सफलता श्वेता के करियर में बहुत ज्यादा ही मायने रखती है।

तापसी ने शाहरुख के व्यक्तित्व पर की बात

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान को जितनी तारीफें उनकी शानदार अभिनय क्षमता के लिए मिलती हैं, उतनी ही तारीफें उन्हें उनके व्यवहार के लिए मिलती है। हाल में ही शाहरुख के साथ फिल्म डंकी में काम कर चुकीं अभिनेत्री तापसी पन्नू ने उनकी तारीफ की है। उन्होंने किंग अभिनेता की बुद्धिमता, उनकी मौजूदगी आदि चीजों को लेकर बात की है। तापसी ने कहा कि शाहरुख में कुछ ऐसे गुण हैं, जो उनको दूसरों से अलग करते हैं। वो अपने आप में बेजोड़ हैं। तापसी ने डंकी के दौरान शाहरुख खान के साथ काम करने को लेकर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा, ऐसे बहुत कम लोग हैं, जिनकी ऑन-स्क्रीन उपस्थिति ही नहीं, बल्कि ऑफ-स्क्रीन उपस्थिति भी होती है। वे बहुत पढ़े-लिखे हैं और आपसे कोई भी गहन बातचीत कर सकते हैं। तापसी ने शाहरुख खान को एक संपूर्ण व्यक्ति बताया है। उन्होंने कहा कि शाहरुख के पास बेहतरीन सेंस ऑफ ह्यूमर है और उनका दिमाग बातचीत के दौरान काफी सक्रिय भी रहता है, जो उन्हें एक संपूर्ण व्यक्ति बनाती है, जो उन्हें फिल्म इंडस्ट्री के अन्य लोगों से काफी अलग करती है। तापसी पहले ऐसी फिल्मी हस्ती नहीं हैं, जिन्होंने बॉलीवुड सुपरस्टार के व्यक्तित्व की तारीफ की।

सामंथा ने बताया कैसे तलाक के बाद ध्वस्त हो गईं जीवन से जुड़ी योजनाएं

सामंथा रूथ प्रभु और नागा चैतन्या ने साल 2021 में तलाक की घोषणा की थी। दोनों ने साल 2017 में शादी के बंधन में बंधने का फैसला किया था, लेकिन उनका ये रिश्ता ज्यादा लंबा नहीं टिक सका। साल 2021 में दोनों ने तलाक ले लिया। तलाक के बाद अभिनेत्री ने अनुपमा चोपड़ा के साथ बातचीत के दौरान कहा था कि जीवन के लिए उनके द्वारा बनाई गई सभी योजनाएं ध्वस्त हो गई हैं। अब उनका ये वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें अभिनेत्री तलाक को लेकर बात करती नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने कहा, मेरा मतलब है, 2021 में मेरे निजी जीवन में जो कुछ भी हुआ है, उसे लेकर वास्तव में मुझे कोई उम्मीद नहीं थी। मेरी सभी सावधानीपूर्वक बनाई गई योजनाएं ध्वस्त हो गई हैं, इसलिए मुझे कोई उम्मीद नहीं है। भविष्य में मेरे लिए जो कुछ भी है, मैं उसके लिए तैयार हूं। मैं बस इतना जानती हू कि मैं अपना सर्वश्रेष्ठ दूंगी। अभिनेत्री ने तलाक के बाद हुई आलोचनाओं को लेकर कहा, मेरे बारे में बहुत सी ऐसी बातें कही गई जो बिल्कुल झूठ थीं। मुझे याद है कि जब चीजें वास्तव में बहुत खराब थीं। मेरे खिलाफ पूरी तरह से झूठ फैलाए जा रहे थे, तब मैंने खुद से यह बातचीत की थी। कई बार ऐसा हुआ जब मैं सामने आकर कहना चाहती थी कि यह सच नहीं है, मैं आपको सच बताती हूं।

तेलुगु फिल्म बेबी के हिंदी रीमेक में नजर आएंगे बाबिल-कृति

कला और फ्राइडे नाइट प्लान जैसी फिल्मों में अपने अभिनय से सुर्खियां बटोरने वाले अभिनेता बाबिल खान अब बॉलीवुड में बड़ा धमाल मचाने को तैयार हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बाबिल जल्द ही हिट तेलुगु फिल्म बेबी के हिंदी रीमेक में नजर आएंगे। वह इस फिल्म में आनंद देवरकोंडा वाले किरदार को निभाते दिखेंगे। सूत्रों के अनुसार फिल्म के लिए मुख्य अभिनेत्री की तलाश अभी जारी है। तेलुगु संस्करण में वैष्णवी चैतन्य की अदाकारी को दर्शकों ने खूब सराहा था। वहीं, हिंदी संस्करण के लिए दक्षिण भारतीय अभिनेत्री कृति शेट्टी के नाम की चर्चा जोरों पर है। बाबिल और कृति के फिल्म में नजर आने की फिलहाल कोई भी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। हालांकि, दोनों ही कलाकारों के एक साथ नजर आने की चर्चा से फैंस काफी ज्यादा उत्साहित हो गए हैं।

सुपर 30 में दिख चुकी हैं कृति

माना जा रहा है कि बॉलीवुड में कदम जमाने के लिए यह फिल्म बाबिल खान के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। कृति शेट्टी के लिए भी यह फिल्म बॉलीवुड रास्ते खोलने में कारगर साबित हो सकती है। इससे पहले कृति को सुपर 30 में एक छात्रा की भूमिका में देखा गया था।

द रेलवे मेन से बाबिल ने बटोरी थी सुर्खियां

वर्क फ्रंट की बात करें तो पिछले साल बाबिल को वेब सीरीज द रेलवे मेन में देखा गया था। इस शो में दिग्गज कलाकारों की मौजूदगी के बीच बाबिल ने अपने अभिनय से दर्शकों को काफी ज्यादा प्रभावित किया था। भोपाल गैस त्रासदी पर आधारित इस शो में उन्होंने इमाद रियाज नाम के शख्स की भूमिका निभाई थी। वहीं, कृति को हाल ही में मलयालम फिल्म एआरएम में देखा गया था। यह इस इंडस्ट्री में उनकी पहली फिल्म थी।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले से मुक्त होंगी जैकलीन

जैकलीन फर्नांडीज का नाम काफी समय से ठग सुकेश चन्द्रशेखर से जोड़ा जाता रहा है। हाउसफुल 5 की अभिनेत्री ने हमेशा सुकेश के नाम से जुड़े सभी अवैध मामलों से अपने संबंधों से इनकार किया है। इस बीच, अभिनेत्री के वकील ने तर्क दिया है कि जैकलीन सुकेश के अवैध मामलों से अनजान थीं, और उन पर मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मुकदमा नहीं चलाया जाना चाहिए। जैकलीन फर्नांडीज के वकील ने दलील दी है कि उन पर मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप नहीं लगाया जा सकता क्योंकि वह पैसे कमाने के उद्देश्य से किसी अपराध का हिस्सा नहीं थीं। फर्नांडीज का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ अग्रवाल ने मंगलवार को दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष दलील दी। यह मामला ठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में उनके खिलाफ दायर आरोप पत्र से संबंधित है। अग्रवाल ने आगे तर्क दिया कि फर्नांडीज को इस बात का अंदाजा नहीं था कि उन्हें चंद्रशेखर से जो गिफ्ट मिले थे, वे ठगी के पैसे से खरीदे गए थे। उन्होंने कहा, आपराधिक गतिविधि में संलिप्तता दिखाने के लिए ज्ञान आवश्यक है। वरिष्ठ अधिवक्ता ने विजय मदनलाल चौधरी के मामले में पिछले फैसले का भी हवाला दिया, जिसका अर्थ है कि जांच के दौरान जब्त की गई सभी संपत्ति आवश्यक रूप से अपराध की आय नहीं है। अग्रवाल ने यह भी तर्क दिया कि एक ही तथ्य पर दो मामले नहीं चलाए जा सकते। उन्होंने कहा कि अदिति सिंह से जबरन वसूली के एक मामले में मकोका के तहत मुकदमा चलाया जा रहा है और अभिनेत्री उस मामले में गवाह हैं। इसलिए, उन पर मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप नहीं लगाया जा सकता क्योंकि वह किसी अपराध सिंडिकेट का हिस्सा नहीं हैं और उन्होंने इससे कोई आर्थिक लाभ नहीं उठाया है।

3 दिसंबर को होगी अगली सुनवाई

एएनआई के अनुसार, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) अब फर्नांडीज द्वारा उस आरोप पत्र के खिलाफ दायर याचिका में अपनी दलीलें पेश करेगा, जिसमें उन पर मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप लगाया गया था। न्यायमूर्ति अनीश दयाल ने मामले की अगली सुनवाई 3 दिसंबर को तय की है, जहां ईडी के विशेष वकील की दलीलें सुनी जाएंगी।

इस वजह से मल्लिका शेरावत ने ठुकरा दी 'द रॉयल्स'

अभिनेत्री मल्लिका शेरावत ने राजकुमार राव की फिल्म 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। इस फिल्म में तृप्ति डिमरी फीमेल लीड के रूप में नजर आईं। हाल ही में उन्होंने खुलासा किया कि उन्हें शुरू में नेटफ्लिक्स शो 'द रॉयल्स' का हिस्सा बनने के लिए चुना गया था। यह एक मॉडर्न इंडियन रोमांटिक कॉमेडी सीरीज है। इस शो में उन्हें ईशान खट्टर की ऑनस्क्रीन मां की भूमिका के लिए चुना गया था। आइए जानते हैं अभिनेत्री यह ऑफर क्यों ठुकरा दिया था। मल्लिका ने ईशान खट्टर की ऑनस्क्रीन मां की भूमिका को ठुकराने का कारण भी बताया। उन्होंने एक साक्षात्कार में कहा, मुझसे कुछ वादा किया गया था और जो अनुवाद किया गया वह मुझे पेपर पर बहुत ही बेकार लगा। मुझे धोखा और निराश महसूस हुआ, इसलिए मैं इसका हिस्सा नहीं बनना चाहती थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इससे पहले मल्लिका की टीम ने बताया, मल्लिका ने प्रोडक्शन टीम के साथ रचनात्मक मतभेदों के कारण फरवरी में इस प्रोजेक्ट को छोड़ दिया। भूमिका शुरू में किए गए वादे के अनुरूप नहीं थी। कई चर्चाओं के बाद, उन्होंने आखिरकार इसे छोड़ने का फैसला किया। 'द रॉयल्स' में भूमि पेडनेकर, जीनत अमान, चंकी पांडे और नोरा फतेही, चंकी पांडे और डिनो मोरिया, विहान समत, काव्या त्रेहान, सुमुखी सुरेश, उदित अरोड़ा, लिसा मिश्रा और ल्यूक केनी

अभिनेत्री की क्षमता का हुआ कम उपयोग

मल्लिका ने यह भी साझा किया कि उन्हें लगता है कि कॉमेडी शैली में उनका कम उपयोग किया गया है। उन्होंने कहा, लोगों ने अभी भी मेरी क्षमता का उपयोग नहीं किया है। मैं चाहती हू कि इंडस्ट्री मेरी कॉमिक टाइमिंग और मेरी क्षमता का अधिक से अधिक कॉमेडी में उपयोग करें, क्योंकि मुझे कॉमेडी करना पसंद है। मुझे लगता है कि कॉमेडी में मेरा कम उपयोग किया गया है और मैं चाहती हू कि इंडस्ट्री मुझे अधिक से अधिक कॉमिक भूमिकाएं दे। साथ ही, मैं अब ऐसी भूमिकाएं करना चाहती हू, जिसमें दम हो।

फौजा के रीमेक पर राज शांडिल्य बोले

दुनिया के सबसे बुजुर्ग मैराथन धावक फौजा सिंह पर आधारित फौजा के रीमेक को लेकर निर्माता राज शांडिल्य ने बात की। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसी कहानी है, जो क्षेत्रीय सीमाओं को पार करती है, उन्हें यह फिल्म हिंदी सिनेमा में लाने पर गर्व है। विक्की विद्या का वो वाला वीडियो के निर्माता, राज शांडिल्य और विमल लाहोटी ने राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म 'फौजा' का हिंदी में रीमेक के लिए टीम बनाई है। राज और विमल ने रीमेक के अधिकार हासिल कर लिए हैं। राज शांडिल्य के इस बड़े प्रोजेक्ट का निर्माण उनके बैनर कथावाचक फिल्म्स के तहत किया जाएगा। फिल्म के बारे में बात करते हुए शांडिल्य ने कहा, फौजा एक ऐसी कहानी है, जो भाषा और क्षेत्रीय सीमाओं को पार करती है। मुझे हिंदी सिनेमा में फौजा लाने पर गर्व है। 'फौजा' वास्तव में असाधारण साहस और भावना की कहानी है, जो देश भर के दर्शकों के द्वारा अनुभव की जाने योग्य है। मेरा लक्ष्य भी यही है कि एक ऐसी फिल्म तैयार हो जो हिंदी भाषी दर्शकों के साथ ही सभी को पसंद आए। निर्माता विमल लाहोटी ने इस प्रोजेक्ट को लेकर उत्साह व्यक्त किया और कहा, फौजा' उत्कृष्ट क्षेत्रीय सिनेमा को व्यापक दर्शकों तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हम प्रभावशाली कहानी कहने में विश्वास करते हैं और फौजा का हिंदी रीमेक असाधारण क्षेत्रीय सिनेमा को दर्शकों तक पहुंचाने की दिशा में एक कदम है। इस तरह के बड़े प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना सम्मान की बात है। 'फौजा' का हिंदी में निर्माण एक ऐसी कहानी को फिर से बताने का एक अविश्वसनीय अवसर है, जिसने पहले ही कई लोगों के जीवन पर शानदार असर डाला है।

प्रकृति के साथ कई तरह से स्वास्थ्य लाभ

चाहे मौसम कोई भी हो प्रकृति के पास हमारे स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के अनगिनत स्रोत हैं। इसलिए चाहे कड़ाके के ठंड ही क्यों न पड़ रही हो अच्छी तरह गर्म कपड़े पहनें और निकल पड़ें प्रकृति की गोद में क्योंकि इस मौसम में बाहर निकलने से आपके स्वास्थ्य को जो फायदे मिलेंगे वे घर के अंदर रजाई में बैठकर नहीं मिल सकते

बेहतर होता है मूड

मायो क्लीनिक के अनुसार यह बात तो सभी जानते हैं कि सर्दियों में हम उदासीन हो जाते हैं मूड अच्छा नहीं रहता। इस मौसम में दस से बीस प्रतिशत लोगों में सीजनल अफेक्टिव डिसऑर्डर (एसएडी यानी सैड) डिप्रेशन का कारण बनता है। इसके लक्षणों में एंजाइटी, थकान, नींद और उदासीनता शामिल है। शोधकर्ता मानते हैं कि सैड सर्दियों के छोटे दिनों का परिणाम है और इस दौरान प्राकृतिक रोशनी भी बहुत कम मिलती है। यहां तक कि नियमित व्यायाम करने वालों को भी सर्दियां घरों में बंद कर देती हैं जिससे उनका धूप में निकलना कम हो जाता है। इसलिए सैड का जल्द और तुरंत इलाज ज्यादा से ज्यादा बाहर निकलना है। चाहे बाहर खूब ठंड हो रही हो।

ज्यादा बाहर यानी ज्यादा विटामिन डी

सैड के लक्षणों से बचने के लिए ज्यादा से ज्यादा वक्त जब हम बाहर गुजारते हैं तब धूप हमारे शरीर को आवश्यक किरणों को सोखने का मौका देती है। विटामिन डी हार्ट अटैक से बचाव करता है साथ ही ऑस्टीयोपोरोसिस और कई तरह के कैंसर जैसी स्थिति में फायदा पहुंचाता है। हालांकि कुछ खाद्य पदार्थों के जरिये भी विटामिन डी लिया जा सकता है जैसे मछली, अंडा और चीज आदि। लेकिन 80 से 90 प्रतिशत तक हम इसे सूरज से ही पा सकते हैं।

एक्सरसाइज रुटीन को करता है रिचार्ज

जब सर्द हवाएं चल रही हों या फिर घना कोहरा छाया हो ऐसे में बाहर जाकर एक्सरसाइज करने के लिए खुद को प्रेरित करना थोड़ा कठिन होता है। लेकिन बाहर निकल कर दौड़ना अच्छा वर्कआउट माना जाता है, आप चाहें तो साइकिलिंग करके ज्यादा से ज्यादा कैलोरी बर्न कर सकती हैं या फिर किसी तरह की फिजिकल एक्टिविटी करके एक्सरसाइज का फायदा उठा सकती हैं। ऐसा मानना है न्यूयॉर्क टाइम्स में छपे एक शोध का। इसका मतलब यह है कि धुंध भरी सुबह अपने आलस्य को छोड़कर बाहर एक्सरसाइज करने के लिए निकल पड़िये। यह आपको पूरे दिन तरोताजा रखेगी। सर्दियों में सुबह-सुबह टहलने निकलने का एक फायदा यह भी है कि आपको सड़कें खाली मिलेंगी, कोहरे में टहलते हुए आप पेड़ों से गिरती हुई ओस की बूंदे देखकर प्राकृतिक नजारों का लुफ्त उठा सकती हैं।

कई बीमारियों में कारगर प्राकृतिक प्रकाश

पिट्सबर्ग यूनिवर्सिटी के एक अध्ययन के अनुसार प्राकृतिक रोशनी यानी सूरज की किरणों में आरोग्यात्मक गुण पाये जाते हैं। शोधकर्ताओं ने पाया कि स्पाइनल सर्जरी वाले रोगियों में धूप में बैठने के बाद दर्द और तनाव का स्तर कम पाया गया। दरअसल जो रोगी 46 प्रतिशत धूप में ज्यादा बैठे उन्हें चिकित्सा अवधि के दौरान 22 प्रतिशत दर्द का कम अहसास हुआ। एजिंग हेल्थ ऑफ जर्नल में छपे एक और अध्ययन के अनुसार उम्र बढ़ने के साथ-साथ हमारा बाहर टहलने निकलना और ज्यादा जरूरी हो जाता है। एक 70 वर्षीय व्यक्ति जो प्रतिदिन बाहर समय व्यतीत करता है उसे शरीर में दर्द का अहसास कम होता है साथ ही नींद की समस्या भी नहीं रहती। उनकी दिन-प्रतिदिन के क्रियाकलापों में भी बहुत कम गिरावट देखी गई। ऐसे में कहा जा सकता है कि प्रकृति में ज्यादा वक्त गुजारने से आप वृद्धावस्था में भी स्वस्थ रह सकती हैं।

टहलने से बढ़ेगी एकाग्रता और रचनात्मकता

अध्ययन बताते हैं कि जब आप बाहर टहलने निकलते हैं तब हमारे मस्तिष्क की कार्यपणाली और मेंटल फोकस में इजाफा हो ता है। स्टेनफोर्ड यूनिवर्सिटी के एक अध्ययन के अनुसार टहलने से न केवल फिजिकल एक्टीविटी बढ़ती है बल्कि दिमाग में नये-नये विचारों का आवागमन भी होता है। उटाह यूनिवर्सिटी द्वारा कराये गये एक अन्य अध्ययन में पाया कि एक क्रिएटिव टेस्ट में जगह-जगह यात्रा करने वाले पार्टिसिपेंट्स ने बिना किसी गैजेट की सहायता के पचास प्रतिशत ज्यादा अंक प्राप्त किये। शोधकर्ताओं का मानना है कि खुद को चौबीसों घंटे कंप्यूटर और अन्य गैजेट्स से चिपकाये रखने की आदत के फलस्वरूप लोग टहलना भूल रहे हैं। बाहर ज्यादा समय गुजारने से फोकस भी बढ़ता है। शहरों में रहने वाले बच्चे जो घर के आसपास ही खेलते हैं, की तुलना में पाकरे में धमा चौकड़ी बचाने वाले बच्चों का फोकस बेहतर होता है।

अखरोट खाएं और दूर भगाएं कई रोग

नट्स हमेशा सेहत के लिए फायदेमंद रहे हैं। बात अगर अखरोट की करें, तो यह एनर्जी का बेहतर स्रोत होने के साथ इसमें शरीर के लिए बेहतर पोषक तत्व, मिनरल्स, एंटीआक्सीडेंट और विटामिन प्रचुर मात्रा में मौजूद हैं। हर मौसम में अखरोट मिल जाते हैं। मगर यह अगस्त में बिल्कुल तैयार हो जाता है। अखरोट का तेल खाना बनाने के अलावा दवाइयों और खुशबू के लिए भी इस्तेमाल किया जाता है।

अखरोट में मोनोसेचुरेटेड फैट जैसे ओलिस एसिड प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। इसमें ओमेगा-3 फैटी एसिड जैसे सिनोलिक एसिड, अल्फा फिनोलिक एसिड और एराकिडोनिक एसिड भी काफी मात्रा में मिलते हैं। अखरोट का नियमित सेवन खून में बैड कोलेस्ट्राल को कम कर गुड कोलेस्ट्राल को बढ़ाता है।

हर दिन 25 ग्राम अखरोट के सेवन से 90 फीसद ओमेगा-3 फैटी एसिड भी मिलता है। इससे रक्तचाप, कोरोनरी आर्टरी डिजिज और स्ट्रोक के रिस्क कम होते हैं। इसका सेवन ब्रेस्ट कैंसर, कोलोन कैंसर और प्रोस्टेट कैंसर से बचाव करता है। अखरोट को ब्रेन फूड भी कहा जाता है। अखरोट में कई तरह के यौगिक मौजूद होते हैं जैसे मेलाटोनिन, विटामिन ई, कैरोटिनायड जो हमारे स्वास्थ्य को सही रखने में मदद करते हैं। यह यौगिक कैंसर, बुढ़ापा, सूजन और मस्तिष्क से संबंधित बीमारियों से बचाता है।

विटामिन ई शरीर के लिए बेहद जरूरी होता है और अखरोट में प्रचुर मात्रा में विटामिन ई मौजूद होता है। विटामिन ई शरीर को हानिकारक आक्सीजन से सुरक्षा देता है। सौ ग्राम अखरोट में लगभग 21 ग्राम विटामिन-ई की मात्रा पाई जाती है। विटामिन के अलावा इसमें और भी जरूरी विटामिन मौजूद होते हैं जैसे विटामिन बी कांप्लेक्स समूह के शइबोफ्लैविन, नियासिन, थाइमिन, पेंटोथेनिक एसिड और विटामिन बी 6 और फोलेट्स।

अनोखा एनर्जी बूस्टर है मीठा और ताजा खजूर

मीठे, ताजे और नरम डेट्स यानी खजूर देखने में आकर्षक तो लगते ही हैं, साथ ही स्वास्थ्य के लिए भी बेहद फायदेमंद होते हैं। बच्चे हों या बड़े हर किसी के लिए यह पोषक तत्वों, मिनरल्स और विटामिन्स से भरा फल है। सामान्य ग्रोथ, विकास और पूरे शरीर के स्वास्थ्य के लिए जिन चीजों की जरूरत पड़ती है, वह सब इस फल में मौजूद हैं। ताजे खजूर नरम होते हैं और आसानी से पच जाते हैं। इसमें साधारण शुगर जैसे फ्रूकटोज और डेक्स्ट्रोज मौजूद होते हैं। इसे खाते ही पूरे शरीर में फुर्ती और ताकत का संचार होता है और व्यक्ति अपने आप को ऊर्जावान पाता है।

खजूर में प्रचुर मात्रा में फाइबर पाए जाते हैं। ये कोलेस्ट्रोल को कम करते हैं। खजूर में मौजूद फाइबर कोलोन कैंसर से भी बचाव करते हैं। खजूर में टेनिन हेल्थ के लिए बेहद फायदेमंद होते हैं। इसमें एंटी इफेक्टिव, एंटी इनफ्लेमटरी और एंटी हिमोरेजिक गुण होते हैं, जो शरीर से आसानी से खून बहने नहीं देता।

खजूर कब्ज से परेशान लोगों के लिए रामबाण है। इसे लैक्जेटिव फूड भी कहा जाता है। इसमें प्रचुर मात्रा में घुलने वाले फाइबर पाए जाते हैं। खजूर को रात भर पानी में भिगोकर सुबह खाने से कब्ज में जल्द फायदा मिलता है।

हड्डियों की मजबूती और ताकत के लिए खजूर को सुपर फूड भी माना जाता है। यह आस्टियोपोरोसिस जैसी बीमारियों से भी बचाव करता है। इसमें मौजूद सेलेनियम, मैग्नीज, कॉपर और मैग्नेशियम बढ़ती उम्र में भी हड्डियों की मजबूत रखते हैं।

खजूर में मौजूद निकोटिन आंत संबंधी कई बीमारियों से बचाता है। यह पाचन तंत्र को दुरुस्त रखता है और भोजन को आसानी से पचाने में मदद करता है। खजूर में प्रचुर मात्रा में मिनरल पाए जाते हैं, जो किसी भी स्वास्थ्य संबंधी समस्या के दौरान शरीर में आयरन की कमी नहीं होने देता। एनिमिया के मरीज इसे अपने हर दिन के खाने में शामिल कर सकते हैं। यह शरीर में आयरन की मात्रा बढ़ा कर थकान, आलस और कमजोरी दूर करता है। मौसमी एलर्जी से भी यह बचाता है।

खजूर में शुगर, प्रोटीन और कई जरूरी विटामिंस मौजूद होते हैं, जो हेल्दी डाइट का काम करते हैं। अगर अपने मसल्स बनाना चाहते हैं और साथ ही थोड़ा वेट भी चाहते हैं, तो खजूर एक बेहतर विकल्प है। लेकिन ध्यान रहे पूरा दिन इसे न खाएं वरना आप मोटापे के शिकार हो सकते हैं। खजूर एनर्जी बूस्टर का भी काम करता है।

उम्र बढ़ने के साथ नर्वस सिस्टम भी कमजोर होता जाता है। ऐसे में खजूर में मौजूद विटामिंस इसे सही रखने में मदद करता है और दिमाग तेज बनाता है। इसमें मौजूद पोटेशियम न सिर्फ आपका दिमाग बल्कि दिल को भी दुरुस्त रखता है। कमजोर दिल के मरीज इसका सेवन कर अपने हार्ट को हेल्दी बना सकते हैं। रात भर भिगो कर सुबह अगर इसे खाया जाए तो मरीज पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

इसके अलावा खजूर, कान, नाक और गले की बीमारियों में भी लाभदायक है। इसके पत्ते को पीस कर आंखों के आसपास लगाने से रतौंधी (नाइट ब्लाइंडनेस) जैसी समस्या कम होती जाती है। पके हुए खजूर में मौजूद पोटेशियम क्रोनिक डायरिया में भी आराम पहुंचाते हैं। यह मानव शरीर के लिए अचूक दवा है। इसका नियमित सेवन एबडामिनल कैंसर जैसी बीमारी से बचाता है।

खजूर हर उम्र के लोगों के लिए टॉनिक को तरह काम करता है। इसलिए सर्दी हो या गर्मी इसे नियमित रूप से अपने खाने में शामिल करें। मगर ध्यान रहे, खाने से पहले इसकी क्वालिटी जरूर जांच लें और साथ ही इसे अच्छी तरह धो लें।

डिस्क रिप्लेसमेंट थेरेपी

कमर दर्द का कारगर समाधान

विभिन्न अध्ययनों में पाया गया है कि 80 प्रतिशत पीठ दर्द की व्यापकता जिंदगीभर पाई गई है। इसका मतलब है कि मजबूत रीढ़ की हड्डी के बिना हमारा सेहतमंद रहना असंभव है, इसके बावजूद हम अपनी पीठ की उचित देखभाल नहीं करते

विशेषज्ञों का मानना है कि डेस्क पर लंबे समय तक बैठे रहना और झुककर काम करते रहने से युवाओं में पीठ संबंधी समस्याएं हो रही है। ऐसी दर्दनाक स्थितियों से छुटकारा पाने के लिए डिस्क रिप्लेसमेंट थेरेपी सबसे आसान समाधान उभरकर सामने आया है। एक हालिया शोध के अनुसार दुनियाभर में अन्य किसी बीमारी के मुकाबले विकलांगता होने की सबसे बड़ी वजह पीठ के निचले हिस्से में दर्द होना है। इसका सबसे मुख्य कारण लगातार बैठे रहना और गलत मुद्रा में खड़े व बैठना है। जीवनशैली में व्यस्तता और लगातार काम करने की डिमांड के चलते प्रोफेशनल्स को इस तरह की समस्या का समाधान मिलना मुश्किल हो गया है। अब 35 साल के रजत मित्तल का ही उदाहरण लें। सारा दिन ऑफिस में डेस्क जॉब करना और कई बार तो घर आकर भी ऑफिस के ही काम में लगे रहना या फिर निढाल होकर टीवी इत्यादि देखना। रजत को पिछले छह महीने से कमर में गंभीर दर्द है लेकिन बिजी होने की वजह से इस दर्द को लगातार अनदेखा किए जा रहे हैं। जब दर्द बिल्कुल बर्दाश्त से बाहर हो गया तो चेकअप कराया, जिससे उन्हें हर्निएटिड डिस्क समस्या की बात पता चली। विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि लापरवाही और समय पर इलाज न कराने से विकलांगता का खतरा हो सकता है जिससे रोजमर्रा के कामों में भी दिक्कत हो सकती है। दिल्ली के वसंत कुंज स्थित इंडियन स्पाइनल इंजरीज के कंसल्टेंट स्पाइन सर्जन डॉ. गुरुराज एम का कहना है, 'कुछ समय से युवाओं में जॉब के कारण लगातार लंबे समय तक अपने डेस्क पर बैठे काम करते रहने से पीठ दर्द जैसी समस्या सामने आ रही हैं। शारीरिक रूप से खड़े होने की तुलना में बैठने पर हमारी पीठ पर ज्यादा तनाव पड़ता है और लगातर बैठकर काम करने से आमतौर पर पीठ दर्द होने पर हर्निएटिड डिस्क या प्रोलेप्सड डिस्क, जिसे आमतौर पर स्लिप डिस्क कहते हैं, की समस्या हो जाती है। विभिन्न अध्ययनों में पाया गया है कि 80 प्रतिशत पीठ दर्द की व्यापकता जिंदगी भर पाई गई है। इसका मतलब है कि रीढ़ की हड्डी के बिना हमारा सेहतमंद रहना असंभव है। इसके बावजूद हम अपनी पीठ की उचित देखभाल नहीं करते।

गौरतलब है कि इंसान की रीढ़ 33 हड्डियों से मिलकर बनी है, जिसे वर्टिब्रा कहते हैं। ये स्पंजी इंटरवर्टिबल डिस्क और लिगामिंट के साथ है। यही इंटरवर्टिबल डिस्क रीढ़ को गतिशीलता और सहारा प्रदान करती है। जन्म के समय 80 प्रतिशत तक इंटरवर्टिबल पानी से भरा होता है और ये सख्त कोलेजन फाइबर से घिरा होता है लेकिन जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है खानपान में पोषक न होना, खाना-पीना सही न होना और सही मुद्रा न होने के कारण पानी कम होने लगता है। इसके साथ-साथ प्रोटीन कम होने लगता है जिसके कारण रीढ़ की हड्डी सख्त होने लगती है और हड्डियों में टूट-फूट होने लगती है। हर्निएटिड डिस्क में एक या इससे अधिक इंटरवर्टिबल डिस्क टूटने लगती है जिसके कारण जेली जैसा पदार्थ बाहर आने लगता है। इस लीकेज के कारण आसपास की नसों में दर्द होना या कई बार नसों में अकड़न आ जाती है। इस कारण शरीर के उस भाग में अकड़न आ जाती है और तेज दर्द होता है। अगर समय रहते हर्निऐटिड डिस्क का पता चल जाए तो इसे दवाइयों और फिजियोथेरेपी की मदद से मैनेज किया जा सकता है। हांलाकि गंभीर स्थितियों में कम से कम साइड इफेक्ट्स के साथ सर्जरी की जरूरत पड़ती है।

इस बारे में डॉ. गुरुराज कहते है, 'पहले सर्जरी के विकल्पों में स्पाइन फ्यूजन उपलब्ध था, हालांकि ये समस्या का इलाज करने में काफी हद तक सक्षम था लेकिन इससे रीढ़ की हड्डी में स्पेस और गतिशीलता कम हो जाती है जिस वजह से इससे जुड़े वर्टिब्रा पर तनाव पड़ता है। लेकिन आधुनिक डिस्क रिप्लेसमेंट थे रेपी ने पीठ दर्द से जुड़ी समस्याओं से निजात पाने का बेहतरीन विकल्प दिया है। डिस्क रिप्लेसमेंट थेरेपी में पुरानी और विकृत डिस्क को प्रोस्थेटिक डिस्क के साथ बदल दिया जाता है और इससे वर्टिब्रा में भी लचीलापन रहता है। यह एक मोबाइल धातु डिस्क होता है जिसे वर्टिब्रा के बीच में रखा जाता है जिससे यह प्राकृतिक रूप से ही काम करने लगती है। जो लोग अपने काम और घर की जिम्मेदारियों को ज्यादा समय के लिए नजरअंदाज नहीं कर सकते, उनके लिए ये थेरेपी बेहद कारगर है।' पीठ दर्द की गंभीर स्थितियों में इस तरह की तकनीकों ने इलाज को बेहद आसान कर दिया है लेकिन इसके अलावा सभी को अपनी जीवनशैली में थोड़े बहुत बदलाव करना चाहिए जिससे शारीरिक रूप से मजबूती आये और पीठ दर्द जैसी समस्याओं से दूरी बनाई जा सके।

विधायक ने की लोक कवि मोहन मण्डेला के नाम से शाहपुरा में ऑडिटोरियम बनाने की घोषणा

देर रात तक चला कविसम्मेलन, बाबू बंजारा को लोक साहित्य सम्मान से नवाजा

जयपुर टाइम्स

शाहपुरा(निसं.)। साहित्य सृजन कला संगम संस्थान के तत्वाधान में आयोजित लोक कवि मोहन मण्डेला स्मृति 27 वें कविसम्मेलन में श्रोताओं खचाखच भरे श्री राम टॉकीज के हॉल में सभी कवियों ने अपने काव्यपाठ से श्रोताओं को आनन्द से सराबोर कर दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शाहपुरा-बनेठ्ठा क्षेत्र के विधायक डॉ. लालाराम बैरवा ने शाहपुरा जिले में एक टॉउन हॉल की कमी को महसूस करते हुए शीघ्र ही 1000 व्यक्तियों की क्षमता वाला टॉउन हॉल का निर्माण किये जाने एवं लोक कवि मोहन मण्डेला के नाम पर उसका नामकरण करने तथा शीघ्र इसके लिए बजट पास कराने की घोषणा की जिस पर श्रोताओं ने खड़े होकर करतल ध्वनी से इस घोषणा का स्वागत किया। विधायक बैरवा ने क्षेत्र में किए जा रहे विकास के कार्यों को भी रेखांकित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगरपरिषद सभापति रघुनन्दन सोनी ने की। विशिष्टअतिथि एमएलडी एकेडमिक ग्रुप के चेयरमेन चन्द्रप्रकाश दुबे एवं पुलिस उप अधीक्षक ओमप्रकाश विश्नोई

का संस्था द्वारा माल्यार्पण कर स्वागत-सत्कार किया गया। राजस्थान भाषा के हाड़ौती अंचल के लोक रंजन के सुप्रसिद्ध बाबू बंजारा- बारां को वर्ष-2024 का "लोक कवि मोहन मण्डेला लोक साहित्य सम्मान" से नवाजा गया। सम्मान में श्रीफल, शॉल एवं नकद राशि एवं मानपत्र आदि भेंट कर संस्थान परिवार एवं अतिथियों द्वारा भेंट किए गए। मान पत्र का वाचन संस्थान अध्यक्ष जयदेव जोशी ने किया। देर रात तक चले इस कविसम्मेलन में पहली बार ऑडिटोरियम के रूप में श्रीराम टॉकीज में हुए इस ऐतिहासिक कवि सम्मेलन में कवियों ने एक से बढ़कर एक रचनाओं सुनाई जिस पर श्रोताओं ने कभी खूब ठहाके लगाये तो कभी उनकी आंखें नम मिली। सर्व प्रथम हास्य कवि दिनेश बंटी की कविताओं एवं हास्य फुलझड़ियों से ही हॉल ठहाकों से गूंजने लगा। उन्होंने अपनी नई कविता 'पड़ोसन' सुनाकर श्रोताओं का भरपूर मनोरंजन किया। उसके बाद राजनगर के युवा शायर सम्पत कबीर ने "भला हो हिज्र का जिससे हमारी कौम जिन्दा है सभी को इश्क मिल जाता तो शायर कौन बनता फिर" तथा " किसी भी दिन नदी पी जायेगी अचानक हमें, इस मिट्टी के पुल पर इतना इतराना नहीं।" जैसी दमदार शायरी पढ़ी तो श्रोताओं से वाह आह की दाद मिली। नाथद्वारा से आए हास्य एवं श्रृंगार रस के विलक्षण गीतकार लोकेश महाकाली ने सिच्युवेशन पाईट्री से तथा देश के सुप्रसिद्ध कवियों की प्रसिद्ध रचनाओं की पंक्तियों से एक प्रेमिका से प्रेम प्रस्ताव को अलग-अलग रूप में प्रस्तुत की तो हॉल वन्समोर की आवाजों से गूंज उठा। दौसा से आई श्रृंगार एवं गीत गजलों की कवयित्रि सपना सोनी ने श्रृंगार एवं गीत गजलों के साथ सभी को आनन्दित कर दिया उन्होंने अपना मोबाईल पर चिरपरिचत गीत "रिश्ता हमसे बातें उनसे ऐसी क्या सौगात सजन क्या भूल हुई है, कहो जी क्या भूल हुई है" सुनाया। तत्पश्चात लाफ्टर चैम्पियन एवं हास्य कवि मुम्बई के प.सुनील व्यास ने बचपन की मस्तियां एवं अभावों में जीने की रचना तथा दुख में से सुख के पल निकालना मां ने सिखाया है जैसी रचनाओं से उत्कृष्ठ काव्यपाठ किया। देष के सुप्रसिद्ध गीतकार चित्तौड़गढ़ के रमेष शर्मा ने श्रोताओं की मांग पर एक से बढ़कर एक श्रेष्ठ गीत जिसमें "जब गरजे तब बरसे नहीं उस शाम सी लड़की थी। उहापोह के निकले हुए परिणाम सी लड़की थी" एवं बारिशें न मन छुएंगी, स्वप्न आना छोड़ देंगे तथा सांझी धूप, मुझसे रखते, मुझको भी जलने देते। डांट डपट लड़ना-झगड़ना लाड़ में ढल गया माँ, क्यों अभी से बदल गया माँ " सुनाकर कविसम्मेलन को साहित्यिक गरिमा प्रदान की। गीतकार सत्येन्द्र मण्डेला ने राजस्थानी भाषा में अपने बेहतरीन गीत से रोमांचित कर दिया। कार्यक्रम का संचालन कर रहे देश के सुप्रसिद्ध मंच संचालक कवि राव अजातशत्रु ने चुटिल हास्य व्यंग्य एवं बेहतरीन संचालन के साथ बहुत ही प्रभावी काव्यपाठ किया उनकी रचना "कविता जिन्दाबाद एवं राजस्थान के परिप्रेक्ष्य में पर रचित गीत पाठ को बहुत सराहना मिली। कार्यक्रम के अंतिम चरण में कवि सम्मेलन के सूत्रधार एवं संयोजक डॉ.कैलाश मण्डेला ने अपने चिर परिचित अंदाज में लोककवि मोहन मण्डेला जी की प्रसिद्ध रचना 'छबळक-छबळक' का काव्यपाठ कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस श्रेष्ठ कवि सम्मेलन का शिखर कलश अपनी बहुचर्चित पुस्तक 'हेली सुणजे ए' से अपनी प्रसिद्ध हेली-गीत 'हेली मेळो लाग्यो भारी,कांई लेवण री मन धारी' सुना कर कार्यक्रम को बुलंदियों पर पहुंचा दिया। उपस्थित सभी श्रोताओं, अतिथियों एवं कवियों ने खड़े होकर दो मिनिट तक करतल ध्वनी से लोककवि मोहन मण्डेला जी को अपनी ओर से श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम अध्यक्ष जयदेव जोशी ने सभी अतिथियों, साहित्य सृजन संस्थान परिवार के सदस्य जिनमें शिवप्रकाश जोशी, सत्यव्रत वैष्णव, आमीन शेख, शाति लाल मामोड़िया, नगरपरिषद, थानाधिकारी माया बैरवा आदि सभी का सहयोग हेतु आभार प्रकट किया।

एकदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

जयपुर टाइम्स

बस्सी(निसं.)। क्षेत्र के मुरारीदासजी की बगीची में रविवार को कांग्रेस सेवादल का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रामलाल खोलिया, ब्लॉक अध्यक्ष नवीन सिंह राठौड़ रहें। मंच का संचालन रामेश्वर पोल्या ने किया। जिला अध्यक्ष विजेंद्र शर्मा ने बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम में सेवादल के कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया गया और संगठन को मजबूत बनाने पर जोर दिया गया एवं नए कार्यकर्ता जोड़े गए। इस दौरान हरिओम पाटोदिया, कौशल्या शर्मा, जगदीश, महादेव बैरवा, रामसहाय शर्मा, महेश, सचिन,रामसहाय बैरवा, गोपाल महावर सहित अन्य लोग उपस्थित रहें।

पुलिस प्रशासन एवं आम जन के बीच खेला गया क्रिकेट मैच

जयपुर टाइम्स

शाहपुरा(निसं.)। शाहपुरा पुलिस प्रशासन एवं शाहपुरा स्पोर्ट्स क्लब के मध्य रविवार दोपहर को मैत्री मैच का आयोजन किया गया। स्पोर्ट्स क्लब के सदस्य का अशोक बोहरा ने बताया कि पुलिस पब्लिक स्पोर्ट्स थीम के तहत आज राजकीय महाविद्यालय खेल मैदान पर पुलिस प्रशासन और शाहपुरा स्पोर्ट्स क्लब के बीच 20 मेत्री क्रिकेट मैच खेला गया।टॉस जीत कर पुलिस प्रशासन ने पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया।शाहपुरा स्पोर्ट्स क्लब की गेंदबाजी के चलते पुलिस प्रशासन की टीम 97 रन पर आल आउट हो गई।शाहपुरा स्पोर्ट्स क्लब की तरफ से विकाश जांगिड़ एवं कमल किशोर कोली ने 4 - 4 विकेट लिए, योगेश मीणा एवं हर्ष सालवी ने 1 - 1 विकेट प्राप्त किया।जवाब में शाहपुरा स्पोर्ट क्लब की ओर से खेलने आए अवधेश शर्मा ने शानदार 55 रनों की पारी खेली। जिसके चलते क्लब ने मात्र 9.4 ओवर में लक्ष्य प्राप्त कर जीत हासिल की।मैच के बाद एएसपी राजेश आर्य एवं डिप्टी ओमप्रकाश विश्नोई द्वारा विजेता एवं उपविजेता को ट्रॉफी दी गई।मैच के दौरान मुकेश मीणा, पंकज जीनगर, महावीर कहार, अजय पल सिंह,राजवीर मीणा, विशाल राय,देवेश टेपण ,इरफान छिपा,पवन मीणा सहित खिलाड़ी उपस्थित रहे।

गांव-गांव में समिति के पदाधिकारियों का किया सम्मान

जयपुर टाइम्स

चौमूं(निसं.)। बलाई विकास समिति जयपुर (मुख्यालय-चौमूं) के नवनिर्वाचित अध्यक्ष एडवोकेट बद्रीनारायण परिहार, महासचिव सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया का रामपुरा-डाबड़ी, जाहोता, जालसू आदि गांवों में समाजबंधु ने माला व साफा पहनाकर सम्मानित किया। इस दौरान समिति के पदाधिकारियों ने समाज में शिक्षा को बढ़ावा देने एवं युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृति को रोकने बात कहीं। इस मौके पर छवीलाराम बबेरवाल, घासीराम बबेरवाल, राजेंद्र कुमार तानावाड़, सांवरमल छेड़वाल, लालाराम मेहरड़ा, लक्ष्मी नारायण बॉयला, रामलाल झूमोलिया, मदनलाल बबेरवाल, कानाराम ठेकेदार, राजेंद्र बबेरवाल, मालीराम बबेरवाल, शंकरलाल तानावाड़, महेश तानावाड़, गोपाल लाल लुनिवाल, नानगराम लुनिवाल, कालूराम सामरिया, रामावतार सामरिया, बनवारी परवाल, धर्मेंद्र सामरिया, नानूराम सामरिया, सोहनलाल सामरिया आदि समाज बंधु मौजूद थे।

सड़क स्वीकृति पर पूर्व विधायक रामलाल शर्मा का ग्रामवासियों ने किया अभिनंदन

जयपुर टाइम्स

कानरपुरा(निसं.)। स्टैंड से स्वामियों की ढाणी होते हुए दौलतपुरा तक 2.7 किमी लंबाई की सड़क में आएगी 75 लाख की लागत चौमूँ। ग्राम पंचायत विमलपुरा में कानरपुरा स्टैंड से स्वामियों की ढाणी होते हुए दौलतपुरा तक सड़क स्वीकृति और कार्य प्रारंभ पर ग्रामवासियों द्वारा पूर्व विधायक रामलाल शर्मा का अभिनंदन किया गया। पूर्व विधायक शर्मा ने सड़क स्वीकृति के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार व्यक्त किया। ग्राम पंचायत विमलपुरा में कानरपुरा स्टैंड से स्वामियों की ढाणी होते हुए दौलतपुरा तक 2.7 किलोमीटर लंबाई की सड़क के निर्माण में 75 लाख की लागत आएगी। पूर्व विधायक शर्मा ने बताया कि कानरपुरा स्टैंड से स्वामियों की ढाणी होते हुए दौलतपुरा तक सड़क निर्माण से ग्रामवासियों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। ग्रामवासियों द्वारा पूर्व विधायक रामलाल शर्मा का माला एवं साफा पहनाकर अभिनंदन कर धन्यवाद ज्ञापित किया। इस मौके पर पंचायत समिति प्रधान रामस्वरूप यादव, पूर्व सरपंच

रामगोपाल मीणा, पूर्व प्रधान महेश मीणा, जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि ओमप्रकाश दुसाद, कालाडेरा सरपंच अशोक शर्मा, प्रहलाद दास स्वामी, बनवारी दास स्वामी, सीताराम दास स्वामी, रामगोपाल बाबूजी, राधेश्याम शर्मा, लक्ष्मण स्वामी, रामावतार स्वामी, रामेश्वर स्वामी, प्रभात स्वामी, दौलतराम स्वामी, लालचंद, ओमप्रकाश, बंटी, कमल, सुभाष, कृष्ण, किशन लाल, कैलाश, दिनेश, सुभाष, जितेंद्र, संदीप सहित ग्रामवासी उपस्थित रहे।

देर रात युवक ने बंद पड़ी मोबाइल की दुकान में पेट्रोल डाल कर लगाई आग

जयपुर टाइम्स

कुचामन सिटी(निसं.)। कुचामन सिटी में एक मोबाइल की दुकान में आग लगने की खबर सामने आई है। सारा घटनाक्रम दुकान के ऊपर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। सीसीटीवी कैमरे की मदद से पूरी घटना सामने आई है। रात्रि करीब 10.30 बजे एक युवक बोतल में पेट्रोल लेकर दुकान पर आया। इधर उधर देखते हुए वह उस बोतल से पेट्रोल अंदर तक गिराने की कोशिश भी करता है।और फिर माचिस से तीली जलाकर पेट्रोल पर डाल देता है। जिससे आग भभक जाती है। सारी घटना रात्रि 10 बजकर 28 मिनिट की है। आग की सूचना जब पड़ोसियों ने दुकानदार को दी तो वह दुकान पहुंचा उससे पूर्व पड़ोस में रहने वाले व्यक्ति ने डुप्लीकेट चाबी की मदद से दुकान खोलकर आग पर काबू पाया। गनीमत रही दुकान में आग से ज्यादा नुकसान नहीं हुआ। दुकानदार ने बताया कि दुकान से कुछ ही दूर

पर पेट्रोल पंप था। शायद हो सकता है। वहीं से यह युवक पेट्रोल लेकर आया हो। सारे घटनाक्रम की सूचना मिलने पर कुचामन पुलिस मौके पर पहुंची और विस्तृत जानकारी ली। कुचामन पुलिस सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपी की तलाश कर रही है। आपको बता दे कुचामन स्टेशन रोड की यह घटना है जहां अज्ञात व्यक्ति ने जान बूझकर आग लगाकर नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से यह कार्य किया था। पीड़ित दुकानदार ने बताया कि अंदर इन्वर्टर सिस्टम भी लगा हुआ था। अगर वहां तक आग पहुंच जाती तो पूरे दुकान में माल का बड़ा नुकसान हो सकता था।

कामधेनु गौशाला में धार्मिक कार्यक्रम आयोजितः माता-पिता के साथ गौ माता की सेवा सर्वोपरि- आयुक्त आचार्य

जयपुर टाइम्स

सुमेरपुर(निसं.)। मार्गशीर्ष अमावस्या के अवसर पर रविवार को कामधेनु पुत्र 36 कॉम गौशाला परिसर में गौ सेवा के लिए अनेक धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसमें लापसी बनाकर गायों को खिलाया गया। इस अवसर पर गौशाला में गोभक्तों की भारी भीड़ लगी रही जहां किसी ने हरा चारा, गुड़ तो किसी ने लपसी खिलाई। गौशालासेवा समिति अध्यक्ष मदन सिंह राजपुरोहित ने बताया कि लक्ष्य आचार्य की पूर्ण स्मृति में आयुक्त योगेश आचार्य ने पांच क्विंटल लापसी बनवाकर गौमाता को वितरण करवाई गई एवं

एक ट्रॉली चालीस क्विंटल हरा चारा उपलब्ध करवाया। पालिका आयुक्त आचार्य ने बताया कि गौमाता की सेवा करने से पुण्य प्राप्त होता ही है और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी गौशाला में विचरण करने से स्वस्थ लाभ भी मिलता है। सनातन धर्म में भी गौमाता का विशेष स्थान है तथा लोग उनको गौ माता के नाम से पुकारते हैं। अमावस्या के शुभ अवसर पर संबोधित करते हुए कहा कि इसलिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति को गौ सेवा के लिए समर्पित रहना चाहिए। गौ माता के साथ माता-पिता की सेवा सर्वोपरि है। रविवार को इस अवसर पर गोपाल सिंह ने भी एक क्विंटल लापसी वितरण की गई। इस पुनीत अवसर पर कामधेनु पुत्र 36 कॉम गौशाला सेवा अध्यक्ष मदन सिंह राजपुरोहित,प्रताप राम माली,भगवती प्रसाद मालवीय ,बाबूलाल सैन, मोतीभाई देवासी,गणेश राम देवासी,कालूराम देवासी,पीराराम देवासी,ओमाराम देवासी आदि गोशाला परिवार के सदस्य उपस्थित रहे। यह जानकारी प्रेमचंद बरुत, कोषाध्यक्ष ने दी।

कार्यालय ग्राम पंचायत पाथरेड़ी, पंचायत समिति पावटा (जयपुर)

क्रमांकः- ग्रा.पं.पा/निविदा/2024-25/88 दिनांकः-30/11/2024

ई-निविदा सूचना 2024-25

सर्वसाधारण एवं पंजीकृत संवेदकों को सूचित किया जाता है कि पंचायत समिति पावटा के अधिनस्थ ग्राम पंचायत पाथरेड़ी में नियम 181 के तहत पंचायती राज विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग, जल संसाधन विभाग, जल स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, नगर निगम, एवं राज्य सरकार के अधिकृत संगठनों में पंजीकृत सक्षम श्रेणी ए.बी एवं सी तथा डी व ई श्रेणी के संवेदकों से खुली निविदा के माध्यम से (डिफेक्ट लाइबिलिटि पिरियड दो वर्ष) एक कार्य के लिए मुहरबन्द निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा शर्तें एवं जी-शिड्यूल एवं अन्य सूचनाओं विस्तृत जानकारी http://sppp.rajasthan.gov.in/ व www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

UBN- ZJP2425WSOB01449
ZJP2425WSOB01451
ZJP2425WSOB01452
ZJP2425WSOB01455

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत पाथरेड़ी,
पंचायत समिति पावटा (जयपुर)

सरपंच
ग्राम पंचायत पाथरेड़ी,
पंचायत समिति पावटा (जयपुर)

ग्राम पंचायत खुद बीमार कैसे होगा क्षेत्र का विकास ?

बामनेरा पंचायत के बाहर सड़क पर कीचड़ व गंदगी का लगा अंबार

नाली चौक साफ सफाई का अभाव सड़क पर फैला गंदा पानी ग्रामीण परेशान

सुमेरपुर(निसं.)। ग्राम पंचायत बामनेरा में सड़कों पर फैली कीचड़ व गंदगी का लगा अंबार को देखकर ऐसा लगता है कि ग्राम पंचायत प्रशासन खुद बीमार हैं तो ऐसे में क्षेत्र का विकास कैसे होगा। ग्राम पंचायत कार्यालय के बाहर पचरी गंदगी कीचड़ को लेकर ऐसा प्रतीत होता है कि क्षेत्र का विकास मेला मट होता जा रहा है। सड़क पर फैली गंदगी के कारण ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गलियों में नहीं जबकि ग्राम पंचायत मुख्यालय के बाहर पिछले 15 दिन से पानी भरा हुआ है। चारों तरफ गंदगी का अंबार लगा है। पंचायत भवन के सामने ही गंदगी कीचड़ है। प्राप्त ग्रामीणों की जानकारी के अनुसार नाली चौक होने के कारण ग्राम पंचायत में आने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्राम पंचायत के सामने मुख्य सड़क में कीचड़ के कारण राहगीरों को भी परेशानी होती है। स्थानीय निवासी निंबाराम ने बताया कि नालियों में गंदगी

अधिक होने तथा नालियों की सफाई नहीं होने के कारण आए दिन सड़कों पर गंदा पानी,कीचड़, गंदगी का आलम फैला रहता है जिससे चलने में काफी परेशानियां होती है। एक तरफ ग्राम पंचायत दूसरी ओर राशन की दुकान स्थित है, जहां आने वाले लोगों को गंदगी से परेशानियों का सामना करना पड़ता है और गंदे पानी से गुजरने को लोग मजबूर हैं। समय पर नालियों की सफाई नहीं होने के कारण लोग बीमारी से ग्रसित हो रहे हैं, लेकिन सफाई व्यवस्था का अभाव बना हुआ है। इस गंदगी को लेकर ग्रामीण निंबाराम पूर्व वार्ड पांच प्रत्याशी एवं सुरेश कुमार वर्तमान वार्ड पंच के साथ अन्य ग्रामीणों ने इस गंदगी का विरोध जताया।

इनका कहना

गांव का हरिजन है, उसके पास एक नहीं पांच गांव है। सफाई के लिए उसको बोला हुआ है। वे सरकारी कर्मचारी नहीं है उसके खिलाफ कोई कार्रवाई कर सके। अगर सफाई करने के मनमर्जी से पैसे मांगे तो कैसे दे सकते हैं। छोटे काम के लिए दस से बीच हजार रुपए मांगे तो कैसे संभव है।

रमणीक त्रिवेदी सरपंच ग्राम पंचायत बामनेरा।

राजस्थान सरकार

कार्यालय ग्राम पंचायत डोकन

पंचायत समिति पाटन, जिला- सीकर (राज.)

क्रमांक- 250 दिनांक 29-11. 2024

निविदा सं. 15-16/ 2024-25

राजस्थान पंचायती राज अधिनियम 1996 के विषयों के तहत निर्माण कार्यों में आवश्यक सामग्री हेतु माल एवं सेवा कर अधिनियम 2017 में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत फर्मो से नियम 181 के तहत निविदाये आमंत्रित की जाती है निविदा संबंधित विस्तृत फर्मो एवं जानकारी ग्राम पंचायत डोकन व http//SPPP. rajastan.gov.in पर देखी जा सकती है। जिसकी UBN No. PKP2425 WSOB 00233 व WSOB 00234 पर देखी जा सकती है।

सरपंच
ग्राम पंचायत - डोकन
पंचायत समिति -पाटन (सीकर)

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत - डोकन
पंचायत समिति -पाटन (सीकर)

जिला कलक्टर रामावतार मीणा ने गठित किया सिंगल विंडो निवेश निस्तारण प्रकोष्ठ

विभिन्न अभिस्वीकृतियों का तुरंत होगा निस्तारण

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निसं.)। जिला कलक्टर रामवतार मीणा ने जिले में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने के मकसद से हुए राइजिंग राजस्थान इनवेस्टमेंट समिट में निवेशकों के कार्य तुरंत निस्तारण करने के संकल्प की अनुपालना में जिला स्तरीय सिंगल विन्डो निवेश निस्तारण प्रकोष्ठ का गठन किया है। यह प्रकोष्ठ विनिर्माण और सेवा क्षेत्र में उद्यम स्थापित करने वाले उद्यमियों को समस्त समस्याओं व विभिन्न विभागों से प्राप्त की जाने वाली अभिस्वीकृतियों के त्वरित निस्तारण व एमओयू रिव्यू का कार्य करेगा। प्रकोष्ठ के अध्यक्ष जिला कलक्टर होंगे। वहीं सदस्य सचिव जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक होंगे। प्रकोष्ठ में जिला कलेक्टर समेत कुल 23 अधिकारी शामिल हैं।

खेलता बढ़ता स्टेडियम में पौधों के पुले बांधकर सर्दी से बचाने का प्रयास

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निसं.)। वाहिदपुरा ग्राम पंचायत के लुमाश ग्राम के खेलता बढ़ता स्टेडियम में पर्यावरण प्रेमी संजय शर्मा ने सावन महीने में 100 पौधे लगाए गए थे। अभी सर्दी का मौसम शुरू हो गया ।धीरे धीरे सर्दी बढ़ती जा रही है। बढ़ती सर्दी को देखकर पर्यावरण प्रेमी संजय शर्मा की देखरेख में पेड़ पौधे को बचाने के लिए लुमाश के युवा पीढ़ी आगे आकर पेड़ पौधों के पानी के पुले बांधे गए। ताकि पर्यावरण संरक्षण के लिए पेड़ पौधों को बचाया जाए। इस पवित्र कार्य में दिनेश गोदारा, अजीत सिंह, अरविंद सिंह, सुनील शेखावत, रवि शेखावत, पुष्पेंद्र शेखावत, उतम सिंह, जितेन्द्र सिंह, बाबू सिंह, ललित शेखावत, देवेंद्र सिंह, प्रदीप सिंह, विकाश गोदारा आदि युवाओं का सहयोग रहा।

सुनील कुमार का छात्र वर्ग कबड्डी में राष्ट्रीय स्तर पर चयन

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(नसं.)। फतेहपुर रोड स्थित बाल पब्लिक उच्च मा.स्कूल के छात्र सुनील कुमार का 68वी राष्ट्रीय स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता कबड्डी के चौदह वर्ष छात्र वर्ग कबड्डी में राष्ट्रीय स्तर पर चयन होने पर क्षेत्र में खुशी की लहर है। संस्था निदेशक खेमसिंह ढाका, राजवीर ,विजय सिंह ढाका सहित समस्त संस्था सदस्यों ने भिटेड़ा, बहरोड़, कोटपूतली में प्रतियोगिता से पूर्व लगाने वाले खेलकूद शिविर छात्र सुनील को मिठाई और सफलता की कामना के साथ रवाना किया।

गायों को गुड़ व चारा खिलाकर मनाया विधायक का जन्मदिन

जयपुर टाइम्स

उदयपुरवाटी(निसं.)। खण्डेला विधानसभा से भाजपा विधायक सुभाष मिल को जन्मदिन की बधाई व शुभकामनाएं प्रेषित करने के लिए उदयपुरवाटी से मील के कार्यकर्ताओ ने किरोड़ी रोड़ पर गौशाला में गायो को गुड़ व हरा चारा खिलाकर किसान नेता धनाराम सैनी के नेतृत्व मे जन्मदिन मनाय। साथ ही एक वर्ष के कार्यकाल में मील ने क्षेत्र में कई विकास कार्यो के लिये कार्यकर्ताओ ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान खेमचंद स्वामी, रघुवीर स्वामी, बुद्धिप्रकाश स्वामी, राकेश गुर्जर, नारायण लाल गुर्जर, दिलीप स्वामी, अनिल स्वामी सहित कई युवा साथी मौजूद रहे।

तोदी महाविद्यालय के खिलाड़ियों ने किया करिश्माई प्रदर्शन

जयपुर टाइम्स

लक्ष्मणगढ़(निसं.)। भगवानदास तोदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय लक्ष्मणगढ़ के खिलाड़ियों ने शेखावाटी विश्वविद्यालय की ओर से सेठ मोतीलाल महाविद्यालय झुंझुनु में आयोजित तीन दिवसीय अंतर महाविद्यालय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में बारह पदक जीतकर महाविद्यालय का नाम रोशन किया। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ एन एस नाथावत ने बताया कि महाविद्यालय के छात्र अभिषेक शिवराण ने 800 मीटर दौड़ में रजत पदक, जयराम ने 20 किलोमीटर वाक चाल में कांस्य पदक, अंकित ने जेवेलियन थ्रो में कांस्य पदक, शक्ति सिंह ने गोला फेंक में कांस्य पदक, नवीन शर्मा ने ऊंची कूद में कांस्य पदक, शक्ति सिंह ने डिस्क थ्रो में रजत पदक, अंकित ने डिस्क थ्रो में कांस्य पदक, योगिता कंवर ने 400 मीटर हर्डल में कांस्य पदक,सोनू ने ट्रिपल जंप में रजत पदक, प्रेमलता ने 3000 किमी बाधा दौड़ में कांस्य पदक, नेहा स्वामी ने हेमर थ्रो में रजत पदक, जबकि अभिषेक, सोनू,राहुल व योगेश ने रिले दौड़ में रजत पदक जीतकर प्रतियोगिता में कुल बारह पदक जीतकर महाविद्यालय को गौरवान्वित किया है। पदक विजेता सभी खिलाड़ियों, शारीरिक शिक्षक लिछमण सिंह, सुरेन्द्र सिंह व पंकज शर्मा को महाविद्यालय प्राचार्य डॉ एन एस नाथावत, सचिव आशकरण शर्मा व सभी स्टाफ सदस्यों की ओर से शुभकामनाएं दी गई।

भाजपा नेता मूंढ के जन्म दिन पर आयोजित हुई खेलकूद प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

बीजेपी नेता बाला राम मूंढ का जन्म दिन हर्षोल्लास से मनाया

जयपुर टाइम्स

रावतसर(निसं.)। विधानसभा चुनाव में बायतु से भाजपा प्रत्याशी रहे भाजपा नेता बाला राम मूंढ का जन्म दिन रविवार को बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं व समर्थकों में जबरदस्त उत्साह का माहौल रहा। भाजपा नेता मूंढ के जन्म दिन पर आयोजित डे नाईट कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें प्रदेश भर से आए खिलाड़ियों की कुल 40 टीमों ने भाग लिया जिसमें श्री खेमा बाबा क्लब भीमडा की टीम विजेता रही जिसको भामाशाह चुन्नीलाल कड़वासरा बायतु भीमजी की तरफ से 51 हजार रुपए की पुरस्कार स्वरूप भेंट की गई वही उपविजेता टीम सेवनियाला रही जिसके भामाशाह रूपा राम जॉनी की तरफ से 31 हजार रुपए की राशि व तृतीय स्थान पर नाकोंडा क्लब सिणधरी की टीम रही जिसके भामाशाह आसू राम थोरी ने 21 हजार रुपए की पुरस्कार राशि प्रदान की। इस अवसर पर पूर्व केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी ने कार्यक्रम में भाग लेते हुए खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया तथा भाजपा नेता बाला राम मूंढ को जन्म दिन की बधाई दी। हाई स्कूल मैदान प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में बाड़मेर व बालोतरा जिले भर से बड़ी संख्या में लोग भाजपा नेता बाला राम मूंढ को जन्म दिन की बधाई देने के लिए पहुंचे। मूंढ के जन्म दिन पर खेम सिद्ध ब्लड डोनेशन क्लब द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ जिसमें युवाओं ने 201 यूनिट रक्त का दान किया। इस अवसर पर आयोजित जन आशीर्वाद कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी, सिवाना विधायक हमीर सिंह भायल, धोद विधायक गोरधन राम वर्मा, पोकरण विधायक प्रताप पूरी महाराज, भाजपा नेता स्वरूप सिंह खारा, खुमान सिंह शिव, भाजपा जिला महामंत्री देवीलाल कुमावत, रणवीर सिंह भादू, चौहटन प्रधान रूपा राम सारण, महिला मोर्चा की सिगरती देवी, पाटोदी प्रधान प्रतिनिधि जोगेंद्र प्रजापत, बायतु भाजपा मंडल अध्यक्ष हिमथा राम खोथ, गिड़ा भाजपा मंडल अध्यक्ष चूतरा राम सुथार, पाटोदी भाजपा मंडल अध्यक्ष गेना राम प्रजापत, चेना राम कड़वासरा, मूलाराम बेरड़, कुम्भा राम धतरवाल, तगा राम गोदारा, देवाराम मूंढ चिड़िया, बाटाडू सरपंच प्रवीण कुमार, युवा नेता जोगाराम मूंढ, युवा नेता अशोक धतरवाल मेडिकल स्टोर रावतसर, पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि गेनाराम मेघवाल,चवा मंडल महामंत्री पेमाराम पोटलिया, ओबीसी मोर्चा चवा मंडल अध्यक्ष दिलीप लौहार समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संतों ने कार्यक्रम में पहुंच कर दिया आशीर्वाद

भाजपा नेता बाला राम मूंढ के जन्म दिन पर रविवार को बायतु मुख्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में संत समाज ने भी पहुंच कर मूंढ को बधाई दी। इस अवसर पर कतरियासर मठ के महंत बीरबल नाथ महाराज, परेऊ मठ के मठाधीश ओंकार भारती महाराज, धर्म पूरीधुणा पनोनियो का तला के महंत जगराम पूरी महाराज, सनातन महाराज उतरनी, शिव भारती मठ के मठाधीश भैर भारती महाराज, कोलू मठ के मठाधीश जेठ नाथ महाराज ने कार्यक्रम में शिरकत करते हुए मूंढ को आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम का संचालन जोगाराम मूंढ भोजासर ने किया। मुख्यमंत्री ने फोन कर जन्म दिन की बधाई दी द्व प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार सुबह भाजपा नेता बाला राम मूंढ को फोन करके जन्म दिन की बधाई दी तथा बाड़मेर जिले के समाचार भी पूछे। मुख्यमंत्री ने मूंढ से आगामी कार्यों का प्लान लेकर भी 17 तारीख को जयपुर आने का निमंत्रण दिया। मूंढ ने सभी का आभार जताया द्व भाजपा नेता बाला राम मूंढ ने अपने जन्म दिन पर कार्यकर्ताओं द्वारा भव्य आयोजन करने पर सभी कार्यकर्ताओं व समर्थकों तथा आमजन का आभार जताया। इस मौके पर केक भी काटा गया।

राजनीति की दो जातियां होती है एक सत्ता और दूसरी संगठनः दूकिया

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निसं.)। फतेहपुर रोड स्थित सिंघासन हवेली में रविवार को भाजपा संगठन पर्व के तहत सक्रिय सदस्यता और संगठनात्मक चुनाव बैठक का आयोजन हुआ। बैठक में भाजपा जिला उपाध्यक्ष इजी.प्यारेलाल दूकिया ने कहा कि राजनीति की दो जातियां होती है, एक सत्ता और दूसरी संगठन। हमें संगठन को मजबूत बनाते हुए हर क्षेत्र में सक्रिय सदस्यता अभियान को सफल बनाना है। उन्होंने कहा कि भाजपा ही एक ऐसा राजनैतिक दल है जिसका संविधान है और पंच निष्ठाएं है। भाजपा की संगठन संरचना बूथ से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक लोकतांत्रिक प्रक्रिया से होती है। भाजपा में प्रवेश युवा मोर्चा के माध्यम से होता है जो युवाओं के लिए राजनीति की पहली पाठशाला है। भाजपा व्यक्ति विशेष संगठन नहीं है। भाजपा में हमेशा देश को प्रथम, दूसरे पर पार्टी और तीसरे नंबर पर व्यक्ति को रखा जाता है। भाजपा के पूर्व जिला मंत्री संदीप शर्मा ने कहा कि सभी पदाधिकारियों को बूथ स्तर तक की संरचना के लिए संगठन चुनाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है। सभी क्षेत्र में मंडल कार्यशाला का आयोजन कर संगठन संरचना पर जोर देना है। मण्डल अध्यक्ष मोहनलाल सैनी ने संगठन पर्व और संगठनात्मक चुनाव की जानकारी देते हुए कहा कि यह सबसे महत्वपूर्ण पर्व है जो की छह वर्ष बाद आयोजित जो रहा है। कार्यक्रम में पूर्व मण्डल विजेन्द्र सैनी, पूर्व पार्षद कैलाश पीपलवा, संजय परिहार, पार्षद संदीप परिहार, एसएन इन्दोरिया, सत्यनारायण शर्मा, बाबूलाल सैनी, एसपी यादव, नारायण प्रसाद, अयूब, बबलू मेधवाल, महावीर प्रसाद शर्मा, संजय कुमार, सचिन कुमार, रजत कुमार सहित अनेक भाजपाई मौजूद रहे।

पूर्व मंत्री अश्क अली टाक सहित कांग्रेस कार्यकर्ताओ ने जताया शोक

जयपुर टाइम्स

चूरू(निसं.)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता जमील चौहान की माताजी के स्वर्गवास हो जाने पर शनिवार को पूर्व मंत्री अश्क अली टाक सहित कांग्रेस जनों ने चौहान से मिलकर गहरा शोक जताते हुए अपनी संवेदनाएं व्यक्त की। चौहान के निज निवास पर संवेदना व्यक्त करते हुए टाक ने कहा कि ईश्वर की इच्छा के आगे हम नतमस्तक हैं। इस विकट घड़ी में हमें परिवार को संबल देना चाहिए। शरीर नश्वर है और सही अर्थों में भगवान के आदेश के आगे सिर झुकाते हुए अपनी पीड़ा को बांटकर आसान करना ही अध्यात्म होता है। दुआएं क़ुरान खानी में मौलाना अब्बास, मुफ्ती सिकन्दर आज़म मौलाना अनीश अहमद,इमाम हनान अहमद पीर अबरार सैय्यद आदि ने महरूमा की रहे पाक को जंतुल फिरदौस में आला मुक़ाम मिले इसके लिए दुआएं की। इस अवसर पर पूर्व सभापति गोविंद महँसरिया, रामगोपाल बहड़,चाँद मोहम्मद छिम्पा, पूर्व प्रधान संतोष तालनिया, वरिष्ठ नेता रियाजत खान,पूर्व प्रधान रणजीत सातड़ा राधेश्याम चोटिया, पवन कस्वा, रमज़ान खान, अबरार खान ,आरिफ पीथीसर,शरीफ़ खान ओलाई, रफीक चौहान, डॉ हर्ष लांबा, हेमंत सिहाग, महेश मिश्रा, ओबीसी जिला अध्यक्ष नारायण बालान, सीताराम खटीक, जिला नायक महासभा अध्यक्ष रामेश्वरलाल नायक, राकेश पंवार, अशोक पंवार एडवोकेट राजेंद्र राजपरोहित, एडवोकेट सुरेश कल्ला, यूनुस अली राजा, इकराम अरमान, नदीम सिरोहा, पत्रकार, व्यापारी वर्ग अधिकारियों सहित ने अपनी संवेदनाएं व्यक्त की।

पेट्रोल-पंप मालिक समेत 5 कारोबारियों को लॉरेंस गैंग के रोहित गोदारा की धमकी

जयपुर टाइम्स

कुचामन सिटी(निसं.) कुचामन के व्यापारियों को लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम से फिरौती मांगने के धमकी भरे फोन आए हैं। जानकारी के अनुसार, रोहित गोदारा के नाम से विदेश के नंबरों से पांच व्यापारियों को वॉट्सएप कॉल कर दो से पांच करोड़ रुपए तक की फिरौती मांगी गई है। सीआई जगदीश प्रसाद मीणा ने बताया- कस्बे में 5 कारोबारियों को धमकी मिलने की सूचना है, तीन की शिकायत और ऑडियो मिल चुकी है। धमकी देने वाले ने व्यापारियों से 2 से 5 करोड़ रुपए तक की डिमांड की है। पुलिस की अलग-अलग टीमें मामले की बारीकी से जांच कर रही हैं। व्यापारियों की सुरक्षा के लिए उनकी पहचान उजागर नहीं की जा रही है। जल्दी ही मामले का खुलासा होगा। फिरौती के लिए वॉट्सऐप पर फोन कर दी धमकी कुचामन शहर के पेट्रोल पंप, प्रॉपर्टी, होटल, किराना और कांट्रेक्टर जैसे व्यवसायों से जुड़े व्यापारियों को धमकी भरे फोन किए गए। फिलहाल, तीन व्यापारियों ने पुलिस थाने में लिखित शिकायत और ऑडियो सबूत सौंपे हैं। फोन करने वाले ने खुद को लॉरेंस गैंग का रोहित गोदारा बताया और व्यापारियों से कहा- आप हमारा सहयोग करें, हम आपका सहयोग करेंगे। ऑडियो मैसेज कर दी धमकी फोन करने के बाद बदमाश ने व्यापारियों को वॉट्सऐप पर धमकी भरा ऑडियो मैसेज जब भी भेजा। उसमें उसने कहा- यह आवाज प्रशासन से जांच करवा लो कि फर्जी है या असली। अगर दो दिन में जवाब नहीं दिया तो अंजाम भुगतने के लिए तैयार रहो। इस मामले में रविवार सुबह करीब 10 बजे डिप्टी एसपी अरविंद बिश्नोई और सीआई जगदीश प्रसाद मीणा ने व्यापारियों के घर जाकर पूरे मामले की जानकारी ली। डीडवाना-कुचामन एसपी मामले की लगातार मॉनिटरिंग कर रहे हैं। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि व्यापारियों की जानकारी गैंग तक किसने पहुंचाई। इसके लिए स्थानीय सूत्रों पर नजर रखी जा रही है। पुलिस ने सभी व्यापारियों को सतर्क रहने की सलाह दी है। मामले में जल्द सफलता मिलने की उम्मीद है।दरअसल कुचामन क्षेत्र में आनंदपाल गैंग भी सक्रिय थी और इस आनंदपाल गैंग की तरफ से भी कुचामन के व्यापारियों से फिरौती वसूलने की घटनाएं हुई थी। पुलिस को इस मामले में गहनता से जांच कर कार्यवाही करनी होगी

पानादेवी के निधन पर मीडिया व जनसंपर्क कर्मियों ने जताई संवेदना

जयपुर टाइम्स

चूरू(निसं.)। पत्रकारिता क्षेत्र से जुड़े रहे गुरुदास भारती व किशन उपाध्याय की माता व युवा पत्रकार ऋतुराम व आशुतोष उपाध्याय की दादी के निधन पर जिले के मीडियाकर्मियों और जनसंपर्ककर्मियों ने शोक व्यक्त करते हुए अपनी श्रद्धांजलि दी है। सहायक निदेशक (जनसंपर्क) कुमार अजय ने उनके निधन पर संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि ईश्वर शोक-संतृप्त परिवार को यह आघात सहने की शक्ति दें, ?सी हमारी प्रार्थना है। एपीआरओ मनीष कुमार, वरिष्ठ पत्रकार नरेंद्र शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार जेपी जोशी, वरिष्ठ पत्रकार बनवारी दीक्षित, श्रमजीवी पत्रकार संघ के अध्यक्ष देशदीपक किरोड़ीवाल, इंडियन फैडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट के जिलाध्यक्ष अमित तिवारी व उपाध्यक्ष मनोज शर्मा, जमील अहमद खान, जगदीश सोनी, गिरधारी सैनी, देवराज लाटा, विजय चौहान, कौशल शर्मा, योगेंद्र वर्मा, नवरतन प्रजापत, संजय प्रजापत, नरपाल सिंह सरदारशहर, शिवनंदन शर्मा, राकेश कुमार, पंकज शर्मा, राकेश शर्मा, काशीराम शर्मा, सुशील शर्मा, ललित चौहान, श्रवण शर्मा, डॉ मनोज योगाचार्य, सुबोध सारस्वत, महिपाल सिंह सीकर, मनोज प्रजापत, नरेश पारीक, राजेंद्र शेखावत, कुंजबिहारी बिरमीवाला, नरेश भाटी, बजरंग सैनी, शैलेंद्र सोनी, दिनेश लाटा, महेंद्र सोनी, दीपक सैनी, अशोक सोनी, मदन मोहन आचार्य, श्याम जैन, गजेन्द्र चौहान, कुलदीप राव, राहुल शर्मा, राजेंद्र सोनी, बीरबल नोखवाल, अख्तर मुगल, नरेंद्र दीक्षित, विजय सारस्वत, ओमप्रकाश शर्मा, दुलीचंद बरोड़, मोहन लाल ढाका, विलियम विल्सन, रिजवान, मुरली बोचीवाल, मनीष पांडिया, प्रशांत शर्मा, ओमप्रकाश कारेल, प्रेमप्रकाश शर्मा, जितेश सोनी, सहायक प्रोग्रामर अभिषेक सरोवा, धर्मपाल सिंह, जसवंत सिंह, रामचंद्र गोयल, मंगेज सिंह, बजरंग मीणा, संजय गोयल, विजय रक्षक आदि ने पानादेवी के निधन पर शोक व्यक्त किया है।

पर्यावरण प्रेमी राकेश कुम्हार "ग्रीन आइडियल अवार्ड" से सम्मानित

जमवारामगढ़(निसं.)। *। श्री कल्पतरु संस्थान द्वारा आयोजित ग्रीन आइडियल अवार्ड , एक पेड़ मां के नाम वृक्षारोपण कार्य के लिए पर्यावरण प्रेमी राकेश कुम्हार को सम्मानित किया गया। राकेश कुम्हार को पर्यावरण के क्षेत्र में सराहनीय कार्य के लिए यह अवार्ड मिला है। कार्यक्रम में राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ,शिक्षा मंत्री मदन दिलावर , सांसद मंजू शर्मा ने सम्मानित करते हुए वृक्षारोपण में कार्य करने पर सराहना की और आगे भी वृक्षारोपण के क्षेत्र में कार्य करने के लिए प्रेरित किया गया। राकेश कुम्हार को सम्मानित होने पर क्षेत्र के लोगों ने बधाई व शुभकामनाएं दी।राकेश कुम्हार द्वारा चलाई जा रही हैं आओ पर्यावरण के लिए खास करें मुहिम की मेहनत रंग लाई ।*

आर्यिका नंदीश्वरमती माताजी के सानिध्य में रेवासा दलेलपुरा में आयोजित होगा 12 से दो दिवसीय भव्य वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव कार्यक्रम

कलश यात्रा के साथ ध्वजारोहण व विश्व शांति महायज्ञ होगा आयोजित

जयपुर टाइम्स

कुचामन सिटी(निसं.) कस्बे के ग्राम रेवासा दलेलपुरा में दो दिवसीय भव्य वेदी प्रतिष्ठा कार्यक्रम का आयोजन आगामी 12 दिसंबर गुरुवार से किया जाएगा । कार्यक्रम कमेटी के विजय जैन धर्मचंद जैन ने बताया कि श्री 1008 चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर रेवासा दलेलपुरा में आयोजित होने वाले इस भव्य आयोजन में सभी मांगलिक क्रियाएं गुरु मां 105 श्री नंदीश्वरमति माताजी के सानिध्य में व संगत शिक्षा बाल ब्रह्मचारी डॉक्टर करुणा दीदी, बाल ब्रह्मचारी दीपा दीदी के मार्गदर्शन में प्रतिष्ठाचार्य डॉक्टर पंडित सनत कुमार जैन शास्त्री द्वारा निपुण की जाएगी। वेदी प्रतिष्ठा कार्यक्रम में प्रथम दिन गुरुवार 12 दिसंबर को प्रातः 8.15 बजे अभिषेक , शांति धारा ,देव आज्ञा, गुरु आज्ञा, आचार्य निमंत्रण, सकलीकरण, इंद्र प्रतिष्ठा, मंडप शुद्धि ,जाप अनुष्ठान, नांदी विधान, घट यात्रा, नई वेदी का शुद्धि संस्कार विधि की जायेगी , साथ ही दोपहर में याग मंडल विधान व रात्रि में महाआरती व दीदी के प्रवचन के पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। दूसरे दिन शुक्रवार 13 दिसंबर को सुबह नित्य अभिषेक व शांति धारा पूजन हवन व श्री जी की विशाल भव्य रथ यात्रा निकालकर नवीन वेदी में श्रीजी को विराजमान कर शिखर पर कलश व ध्वज स्थापित किए जाएंगे। कमल कुमार जैन ने बताया कि कार्यक्रम में सौधर्म इंद्र महावीर कुमार सरोज देवी जैन अजमेरा उज्जैन, धन कुबेर इंद्र अशोक कुमार अनीता देवी अजमेरा फरीदाबाद ,ईशान इंद्र नरेंद्र कुमार सुनीता जैन अजमेरा सूरत, यज्ञ नायक विनोद कुमार राजकुमारी जैन ठोलिया, सानत कुमार इंद्र राजेश कुमार समता देवी जैन बाकलीवाल किशनगढ़ रेनवाल,माहेंद्र इंद्र राजकुमार रीता देवी जैन अजमेरा सूरत, ब्रह्मा इंद्र सुनील कुमार मधु देवी जैन अजमेरा जयपुर , लांतव इंद्र अशोक कुमार प्रेम देवी बाकलीवाल प्रताप नगर जयपुर ,कपिष्ठ इंद्र महेंद्र कुमार सरला देवी पहाड़िया कुचामन, शुक्र इंद्र राजकुमार संतोष देवी सेठी सांगानेर, राजा श्रेयांस पंकज कुमार किरण देवी बज बोरावड बनेंगे , चित्र अनावरण दीप प्रज्वलन कर्ता विमल कुमार मंजू देवी बडजात्या जयपुर अशोक कुमार अलका देवी जैन द्वारा किया जाएगा। नवीन वेदी में मूल नायक चंद्र प्रभु भगवान की प्रतिमा अशोक कुमार अरुणा देवी काला भवानी मंडी, नेमिनाथ भगवान की प्रतिमा कैलाश चंद आशा देवी पाटनी झोटवाड़ा जयपुर, शांतिनाथ भगवान की प्रतिमा सुनील कुमार पुष्पा देवी पाटनी उटडा, पारसनाथ भगवान व महावीर भगवान की प्रतिमा राजकुमार पुष्पा देवी पहाड़िया सूरत निवासी द्वारा विराजमान कि जाएगी। शिखर पर कलश स्थापना निरंजन कुमार प्रमोद कुमार वेद किशनगढ़ द्वारा किया जाएगा। ध्वज पताका कमल कुमार नीरा देवी पहाड़िया सूरत द्वारा स्थापित की जाएगी। दो दिवसीय विधान पूजन सामग्री के प्रदाता संगीता देवी प्रासूक मीनाक्षी कोठियारी भीलवाड़ा रहेंगे। मंदिर जीर्णोद्धार नई वेदी समंती कुमार मंजू देवी पाटनी जयपुर एवं वात्सल्य भोजन का पुण्यार्जक का सौभाग्य कमल कुमार नीरा देवी पहाड़िया सूरत, निरंजन कुमार प्रमोद कुमार वेद किशनगढ़ ,विनोद कुमार राजकुमारी ठोलिया जयपुर, गुणमाला देवी किरण देवी जयकुमार विजय कुमार अजमेरा रेवासा दलेलपुरा निवासी को मिला है। वही झंडारोहण करने का सौभाग्य कमल कुमार कमला देवी अजमेरा सांगानेर निवासी को मिला है । कार्यक्रम में पांडाल उद्घाटनकर्ता पंकज कुमार सुनील कुमार छाबड़ा सीकर द्वारा किया जाएगा । दो दिवसीय वेदी प्रतिष्ठा कार्यक्रम में रामेश्वर लाल प्रदीप पाटनी सीकर ,विमल कुमार विकास पियूष पाटौदी भीलवाड़ा, राकेश कुमार विशाल कोठयारी परिवार टोडारायसिंह का भी सहयोग रहेगा । कार्यक्रम में अष्ट कुमारी पाश्वी पाटनी, अनाया बडजात्या, अवनी सेठी , यशी पाटनी , मायरा पाटौदी, रिया सेठी,रूही पाटनी ,जीनल पहाड़िया बनेगी।

शेखावाटी जयपुर टाइम्स

जयपुर, सोमवार
2 दिसम्बर, 2024

अपशिष्ट शोधन यंत्र का किया निरीक्षण

जयपुर टाइम्स

तारानगर(निसं.)। तारानगर के विधानसभा प्रत्याशी व भाजपा नेता राकेश जांगिड़ ने अधिशाषी अधिकारी अजय प्रताप के साथ स्वच्छ भारत अभियान के तहत नगरपालिका में कचरा निस्तारण और प्रबंधन के लिए अलायला रोड पर बनाए गए एफएसटीपी (अपशिष्ट शोधन संयंत्र) का निरीक्षण किया। जांगिड ने कहा कि एफएसटीपी भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है जिसमें कचरे के निस्तारण से लेकर वैज्ञानिक तरीके से प्रबंधन और जैविक खाद, गैस, गंदा पानी फिल्टर जैसी सुविधा तारानगर वासियों को मिलेगी और बढ़ती गंदगी से निजात मिलेगी। जांगिड़ ने प्लांट के सुचारू रूप से संचालन और अन्य व्यवस्थाओं के बारे में नगरपालिका अधिशासी अधिकारी से चर्चा की।

ओशो साहित्य प्रदर्शनी का आयोजन

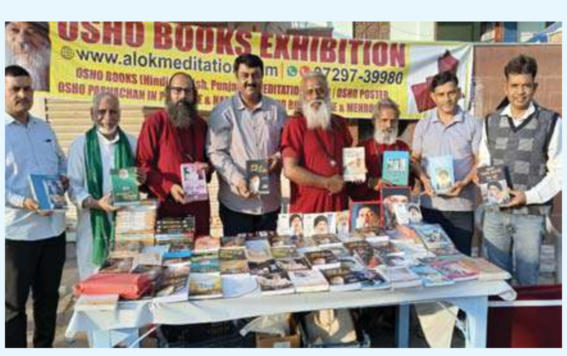

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। स्थानीय लाडनूं बस स्टेंड पर ओशो ओयोसीस ध्यान आश्रम सरदारशहर के तत्वावधान में एक दिवसीय ओशो साहित्य प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शन के संयोजक कन्हैयालाल स्वामी ने बताया कि स्वामी अनुराग की अध्यक्षता में प्रदर्शनी का उद्घाटन साहित्यकार डॉ. घनश्याम नाथ कच्छावा ने किया। इस अवसर पर डॉ. घनश्याम नाथ ने कहा कि ओशो का साहित्य इसलिए विशेष होता है कि उन्होंने प्राचीन भारतीय आध्यात्मिक परंपराओं के सार को आधुनिक अस्तित्ववादी संघर्षों के साथ मिलाने का अद्भुत, अद्वितीय व अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया था। ओशो को पढ़ते और सुनते वक्त लगता है कि जटिल और अमूर्त विचारों को सुलभ गद्य में बदलने में उनको महारत हासिल थी। ओशो ने हिंदी का उपयोग ऐसे तरीके से किया कि सामान्य पाठकों और बौद्धिकों दोनों को संबोधित किया जा सके। डॉ. घनश्याम नाथ ने कहा कि ओशो ने जब रूढ़िवादी और परम्परावादी दौर था उस समय धर्म, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और व्यक्तिगत परिवर्तन के बारे में उन्होंने क्रांतिकारी विचारों का एक नया दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। उद्घाटन सत्र में स्वामी योग आलोक ने भी ओशो साहित्य के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी।

विमुक्त घुमन्तू लोगों के लिए लगेंगे शिविर

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। चूरू जिला कलक्टर के निर्देशानुसार घुमन्तू विमुक्त जातियों के लिए शिविरों का आयोजन किया जाएगा। समाज कल्याण अधिकारी बाबूलाल मायल ने बताया कि 4 दिसम्बर को सालासर ग्राम पंचायत में, 5 दिसम्बर को पंचायत समिति सुजानगढ़ में, 6 दिसम्बर को जीली ग्राम पंचायत में शिविर का आयोजन किया जाएगा। समाज कल्याण अधिकारी ने बताया कि बावरी, कंजर, सांसी, बावरिया, नट, बंजारा, जोगी, कालबेलिया, कनफड़, गाड़िया लुहार, सारंगीवाला, भोपा, कंजर आदि लोगों को सरकारी योजनाओं का फायदा पहुंचाने के लिए इन शिविरों का आयोजन होगा।

सीवरेज लाईप का पाईप खुले नाले में डालने का आरोप

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। शहर में सीवरेज लाईन का नाला खुले नाले में डालने के आरोप लगे हैं। इस बारे में भोजलाई बास के निवासी वेदप्रकाश जांगिड़ ने नगरपरिषद आयुक्त को दिए प्रार्थना पत्र में बताया है कि वार्ड न. 49 में सीवरेज लाईन लीक होने की शिकायतें पोर्टल पर व अधिकारियों के पास की गई थी। क्योंकि काम अधूरा छोड़ देने से चैम्बर लीक हो रहा था। इसकी शिकायत होने पर सीवरेज लाईन का पाईप शहर की नाली में जोड़ दिया गया है, जिसके कारण यहां पर भयंकर बदबू रहती है। ज्ञापन में बताया गया है कि महबूब नामक व्यक्ति ने कनिष्ठ अभियंता के कहने पर सीवरेज के पाईप को खुले नाले में डाल दिया। जो जनहितों के साथ कुठाराघात होने के साथ ही पर्यावरण प्रदूषण को बढ़ावा देने वाला है। अतः जल्द से जल्द इस समस्या का समाधान करवाया जाए।

मुंडिया में बलाई विकास समिति के पदाधिकारियों का स्वागत

जयपुर टाइम्स

चौमूं(निसं.)। शहर के मुंडिया ग्राम में रविवार को बलाई विकास समिति जयपुर (मुख्यालय-चौमूं) के नवनिर्वाचित अध्यक्ष एडवोकेट बद्रीनारायण परिहार, महासचिव सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया, कोषाध्यक्ष घनश्याम कान्देल व एससी एसटी महासंघ के प्रदेश सचिव नरसाराम गोरा का समाजबंधु ने माला व साफा पहनाकर सम्मानित किया। इस दौरान समिति के पदाधिकारियों ने समाज में शिक्षा को बढ़ावा देने एवं युवाओं में बढ़ रही नशे की प्रवृति की रोकथाम के लिए लोगों को जागरूक करने की बात कहीं। इस दौरान हनुमान सहाय काला, स्माइल डॉट कॉम फाउंडेशन के अध्यक्ष सियाराम बुनकर आदि मौजूद थे।

खेजड़ा गांव में श्रीकृष्णा गौशाला का शुभारंभ, दानदाताओं का सम्मान

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निसं.)। उपखंड क्षेत्र के गांव खेजड़ा में श्री कृष्णा गौशाला का शुभारंभ रविवार को गौभक्त पृथ्वीराज तालवाड़िया की अध्यक्षता मुख्य अतिथि चूरू सांसद राहूल कस्वां, कांग्रेस जिलाध्यक्ष इंद्राज खीचड़, पूर्व जिप सदस्य मोहनलाल आर्य, पीसीसी सदस्य ताराचंद सारण, समाज सेवी लेखराम बाना, सेवादल जिलाध्यक्ष संजय दीक्षित आदि ने शुभारंभ किया। इससे पहले गांव में कलश यात्रा निकाली गई। इस दौरान सांसद राहुल कस्वां ने कहा कि गांव के लोगों को धार्मिक कार्यों में जागरूता दिखाते हुए ऐसे गौशाला के प्रति ध्यान देकर गायों की सेवा करना ही बहुत बड़ा पुण्य कार्य है। उन्होने कहा कि जो इस पुण्य के कार्य में अपनी मेहनत के पैसे खर्च करते है उनके पास धन बढता है। गौशाला के विकास को बढावा देने के लिए दिल्ली के गौभक्त पृथ्वीराज तालवाड़िया ने गौशाला परिसर में 100 वाई 25 का टीन शैड, गांव के लालंचद सारण की ओर से 30 वाई 15 का टीन शैड, हंसराज सारण के द्वारा 30 वाई 15 का टीन शैड व धर्मचंद सारण की ओर से 13 वाई 10 का एक कमरा बनाने की धोषणा की गई। इसी प्रकार गांव के समाज सेवी किस्तुरी देवी उदाराम गंडास की ओर से 1.21 लाख, रामलाल सारण, लेखराम बाना की ओर से एक-एक लाख रूपए, मनीराम सारण, लिच्छादेवी रूघाराम, गौरादेवी जेठाराम, दानदास स्वामी, कन्हैयालाल जोशी, नरसी-श्यामलाल आदि की ओर से 51-51 हजार रूपए, आसी देवी पीथाराम सारण, रामप्यारी भागदास स्वामी, जगदीश सोनी, ओमप्रकाश सारण, दौलतराम सारण आदि की ओर से 21-21 हजार रूपयों का नगदी सहयोग सहित टोटल 9.50 लाख रूपयों को सहयोग हुआ। मुख्य अतिथियों की ओर से गौशाला को जमीन दान करने वाले भामाशाह हरिराम व भागीरथ कड़वासरा की ओर से 2 बीगा जमीन निशुल्क दान करने पर सम्मानित किया गया। इस मौके पर दीपाराम गोदारा, ओमप्रकाश दानोदिया, रमेश कुमार सारण, गोपालराम चौहान, बीरूराम चौहान, कांशीराम देवना, श्रवण नाई, अनिल स्वामी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन पूर्व मंडी चेयरमैन इंद्राज सारण ने किया।

नेशनल फॉक फेस्टिवल में लोक कलाकारों ने दी रंगारंग प्रस्तुतियां

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निसं.)। शहर के मित्तल महिला महाविद्यालय में शनिवार को पश्चिमी क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र की ओर से नेहरू युवा केन्द्र चूरू के तत्वावधान में संभाग स्तरीय नेशनल फॉक फेस्टिवल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में प्राचार्य डॉ मृत्युंजय कुमार पारीक ने अतिथियों का स्वागत किया। युवा अधिकारी मंगल ने बताया कि यह कार्यक्रम विलुप्त हो रही लोक कलाओं के संरक्षण व संवर्द्धन के लिए आयोजित किया जा रहा है। इसके अन्तर्गत राजस्थान के वाद्य यंत्र अलगोजा, मोर जंग सहित विभिन्न नृत्य कलाओं को युवा पीढ़ी तक पहुँचाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने माय भारत पोर्टल सहित विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। जिला सलाहकार समिति युवा कार्यक्रम नेमचंद ने कार्यक्रम की उपयोगिता की जानकारी दी। चूरू की अणुव्रत प्रभारी रचना कोठारी ने छोटे-छोटे नियमों की पालना कर अपने भविष्य को सुरक्षित व सवंर्द्धित करने के विषय में बताया। कार्यक्रम में जैसलमेर, बीकानेर, जोधपुर, नागौर सहित राजस्थान के विभिन्न जिलों से आए लोक कलाकारों ने शानदार प्रस्तुति दी तथा राजस्थान की लोक कलाओं को प्रत्यक्ष साकार किया। इस अवसर पर लोक देवता गोगा जी महाराज के भजन गायन करने वाले लोक कलाकारों ने डेरु की थाप पर गोगा जी महाराज के भजन गाकर सभी को आनंदित कर दिया। डेरु की थाप पर जब कलाकार थिरके तो सभी ने जमकर तालियां बजाई। इस अवसर पर मित्तल महाविद्यालय की छात्राओं ने भी कालियों कूद पड़यो मेला में गाने पर शानदार नृत्य प्रस्तुत किया। इस अवसर पर अभीचेतना ग्रुप की ओर से भी शानदार कठपुतली नृत्य प्रस्तुत किया गया। धन्यवाद ज्ञापन एनएसएस प्रभारी सुदर्शन गोयल ने किया। कार्यक्रम में समस्त महाविद्यालय स्टाफ तथा छात्राओं ने भागीदारी की।

आल इण्डिया पारीक महासभा दिल्ली की कार्यकारिणी गठित

गोविन्द जोशी राणासर गुजरात इकाई व रामनिवास तिवाडी लिखमादेसर ज्ञान दीप कोष के संयोजक मनोनीत

प्रभा पारीक सरदारशहर महिला विंग की चेयरपर्सन मनोनीत

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निसं.)। ऑल इंडिया पारीक महासभा दिल्ली की ओर से गोविन्द जोशी राणासर निवासी व सूरत प्रवासी को गुजरात प्रदेश पारीक महासभा का अध्यक्ष और रामनिवास तिवाडी लिखमादेसर को आल इण्डिया पारीक महासभा के ज्ञान दीप कोष का संयोजक मनोनीत कर कार्यकारिणी गठित की गई है। इसके साथ ही प्रभा पारीक सरदारशहर को आल इण्डिया पारीक महासभा के महिला विंग की चेयरपर्सन बनाई गई है। आल इण्डिया पारीक महासभा के अध्यक्ष बाबूलाल पारीक व महामंत्री धर्मेन्द्र पारीक ने बताया कि कार्यकारिणी के नवगठन से समाज में जागृति लाकर समाजोपयोगी कार्य किए जाएंगे। ज्ञान दीप कोष के माध्यम से समाज के प्रतिभावान प्रतिभाओं का आर्थिक सहयोग किया जाएगा। आल इण्डिया पारीक महासभा राजस्थान प्रदेश इकाई के प्रदेश उपाध्यक्ष दुर्गाराम पारीक ने बताया कि गोविन्द जोशी, रामनिवास पारीक व प्रभा पारीक के मनोनयन पर समाज मे खुशी की लहर है और इनके सहयोग से समाज में शैक्षणिक गतिविधियों को बढावा दिया जाएगा व समाज में व्याप्त रूढ़िवादी परम्पराओं व बुराइयों को दूर किया जाएगा। इनके सरदारशहर पधारने पर समाज की ओर से स्वागत अभिनन्दन किया जाएगा। यह जानकारी आल इण्डिया पारीक महासभा के प्रवक्ता विधाधर पारीक साहवा ने दी।

प्रतिभा व भामाशाह सम्मान समारोह की तैयारी को लेकर बैठक आयोजित

जयपुर टाइम्स

तारानगर(निसं.)। पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ प्रतिपक्ष के मुख्य आतिथ्य में 29 दिसम्बर को आयोजित प्रतिभा और भामाशाह सम्मान समारोह की तैयारी को लेकर तारानगर के महाराजा तारासिंह स्मृति छात्रावास में रविवार को कप्तान करणी सिंह की अध्यक्षता में क्षत्रिय विकास संस्थान की एक बैठक आयोजित की गई जिसमें प्रतिभा और भामाशाह सम्मान समारोह का क्षेत्राधिकार सम्पूर्ण विधानसभा क्षेत्र तारानगर करने और दस्तावेज महाराजा तारासिंह स्मृति छात्रावास तारानगर में जमा करवाने के लिए 8 दिसंबर निर्धारित की गई, समारोह खींची कृषि फॉर्म राजगढ़ सड़क पर करवाने का फैसला लिया। साथ ही महाराजा तारासिंह स्मृति छात्रावास कार्यालय में फर्नीचर देने पर भामाशाह रणजीत सिंह राठौड़ का आभार व्यक्त किया गया। बैठक में वीर बहादुर सिंह राठौड़, सूबेदार रणजीत सिंह राठौड़, मनफूल सिंह बागोर, कानसिंह बडगुर्जर, सुमेरसिंह सोनगरा, बलवीर सिंह राठौड़, लक्ष्मणसिंह खींची, बजरंग सिंह चौहान, कप्तान दयालसिंह राठौड़, ईश्वर सिंह राठौड़, किशनदान चारण, श्रवण दान चारण, रोहताशसिंह तंवर, भूपेंद्रसिंह राठौड़, धर्मपालसिंह राठौड़ अध्यापक, रेवंतसिंह भाटी, महेन्द्र सिंह राठौड़, महेन्द्रसिंह मेड़तिया, बिशन सिंह राठौड़, देवेंद्रसिंह चौहान, राजेंद्र सिंह राठौड़, युद्धवीर सिंह राठौड़ सहित समाज के काफी लोग उपस्थित रहे।

सद्भावना व सदाचार का प्रतीक है स्काउट गाइड

नगर भ्रमण रैली सहित स्काउट गाइड की विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निसं.)। शहर में राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड जिला मुख्यालय चूरू के तत्वाधान में जिला स्तरीय स्काउट गाइड डायमंड जुबली मिनी जम्बुरी आयोजन के तीसरे दिन रविवार को प्रातः कालीन सत्र में अभिषेक पारीक अध्यक्ष युवा शक्तिमंच, किशोरसिंह राठौड़, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष मुकेश जोशी की ओर से ध्वजारोहण कर प्रारंभ किया गया। सीओ स्काउट महीपालसिंह ने बताया कि रविवार को जंबूरी में क्विज प्रतियोगिता, विचित्र वेशभूषा, एथेनिक फैशन शो, स्किलोरामा आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। संघ के सचिव बाबूलाल स्वामी ने बताया कि रविवार को स्काउट गाइड की ओर से नगर भ्रमण किया गया जो एसबीडी राजकीय महाविद्यालय से रवाना होकर गांधी चौक होते हुए कंदोई बगीची में समापन हुआ। इस अवसर पर शहर वासियों की ओर से स्काउट गाइड पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। नगर भ्रमण रैली को मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार पारीक, बीसीएमओ डॉ विकास सोनी, सुजानगढ़ मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी संदीप व्यास आदि अतिथियों की ओर से हरि झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया गया। मुख्य अतिथि संदीप व्यास पूर्व सीओ स्काउट गाईड, संजय सहगल, डॉ विकास सोनी सहित तारानगर के अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी आदि का स्थानीय संघ की ओर से प्रतीक चिन्ह देखकर सम्मान किया गया। पूरे दिन में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ जिसमें स्काउट गाइड ने बढ चढकर भाग लिया। रात्रि को शिविर ज्वाला का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जिसमें प्रत्येक राजस्थानी सिंगर लोग लाइन, लोक नृत्य आदि की प्रस्तुति दी जाएगी। जिसमें स्काउट गाइड लोकतंत्र का प्रदर्शन करते हुए अपनी कला कौशल का प्रदर्शन करेंगे। निर्णायक की भूमिका में सत्यनारायण स्वामी, सुरेशचंद्र शर्मा, मदनसिंह रायका, गोविंद प्रसाद गौड़, विनोद कुमार मीणा, इंदुबाला वर्मा, निशा माली, सरोज पारीक, ललित वर्मा, खीराज भाकर, दिनेश मैरोलिया, अरुणा शर्मा, राजेश बसेरा, मीनाक्षी अग्रवाल, मनीराम स्वामी, नारायण लाटा, मदनसिंह रायका, अजीतसिंह, राजेश बसेरा, रतनलाल घिंटाला, बलवंतसिंह, कन्हैयालाल आदि की ओर से निर्णय की भूमिका निभाई जा रही है।

फिल्म कलाकार जगदीश प्रसाद नायक का निधन

जयपुर टाइम्स

चूरू।(निसं.)। फिल्म कलाकार जगदीश प्रसाद नायक पुत्र रामू राम का निधन हो गया है। वे 59 वर्ष के थे। वे कई दिनों से बीमार चल रहे थे। गत दिवस बीकानेर में उपचार के दौरान उनका निधन हो गया। चूरू जिले के गांव लूंछ निवासी जगदीश प्रसाद नायक ने चन्द्र फिल्म्स प्रोडक्शन के बैनर तले बनी राजस्थानी फिल्म बावळती और छोरो नंबर वन के अलावा गीता फिल्म्स क्रिएशन की फिल्म गीता मेरी मां में अभिनय किया है। वे अपने पीछे एक पुत्र दीन दयाल नायक और 5 पुत्री सरीता, कविता, सोनू, सरोज व ब्रजल छोड़कर गए हैं। उनके निधन का समाचार सुनकर आसपास के गांवों में शोक की लहर दौड़ गई। वे आध्यात्मिक और मिलनसार व्यक्तित्व के धनी थे। लूंछ गांव में आज उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया। उनकी शव यात्रा में बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। फिल्म निर्माता निर्देशक राजेन्द्र सिंह शेखावत, राजकुमार नायक, ओम पूनिया, सुशील कुमार जोशी आदि सहित फिल्म यूनिट के लोगों ने जगदीश प्रसाद नायक को श्रद्धा सुमन अर्पित किए हैं।

पेंशन समाज की मासिक बैठक में नये सदस्यों का किया सम्मान

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निसं.)। पेंशन समाज की मासिक बैठक देवीदत पारीक की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में इस माह जन्मदिन पर बृजलाल स्वामी, विश्वनाथ तंवर, नागरमल, मालचंद व सुभाष चन्द्र सहित नवीन सदस्यता ग्रहण करने वाले रामकरण, मोटाराम, ललित किशोर व श्रवण कुमार का सम्मान किया गया। बैठक में मंत्री जगदीश प्रसाद प्रजापत ने गत बैठक की कार्यवाही व आय व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया। जिसका सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया। बैठक में पेंशन समाज में सक्रिय योगदान करने वाले व सेवाभावी सुरेन्द्र भोजक के आकस्मिक निधन पर श्रद्धांजलि स्वरूप वस्त्र दान प्रकल्प का सर्वसम्मति से अनुमोदन कर शुभारंभ किया गया। बैठक में साथियों ने इस प्रकल्प में अपना योगदान दिया। प्राप्त वस्त्रों को शीघ्र ही जरूरत मंदों को वितरित किया जाएगा। बैठक में नानूराम पारीक, कमला प्रसाद जोशी ने विचार व्यक्त किए। पेंशनर विश्वनाथ तंवर ने अपने उपन्यास तपस्या के विमोचन कार्यक्रम 8 दिसंबर को सभी पेंशनर्स को अपनी उपस्थिति दर्ज कराने का आव्हान किया। बैठक में आगामी 8 दिसम्बर को जयपुर में आयोजित प्रान्तीय अधिवेशन में अपनी उपशाखा की भागीदारी सुनिश्चित करने का अनुरोध किया। बैठक में उपशाखा का वार्षिक अधिवेशन दिनांक 16 फरवरी को मनाया जाना निश्चित किया गया। जिसमें स्मारिका का विमोचन किया जाएगा। बैठक के समापन पर अध्यक्ष देवीदत पारीक ने सभी सदस्यों का धन्यवाद व आभार व्यक्त किया व आगामी वार्षिक अधिवेशन की तैयारी में अपने सुझाव देते हुए इसे धूमधाम से मनाने का आव्हान किया। बैठक का संचालन मंत्री प्रजापत ने किया।

ज्ञान फाउंडेशन का सम्मान अर्पण समारोह आयोजित

जयपुर टाइम्स

राजलदेसर(निसं.)। कस्बे में रविवार को ज्ञान फाउंडेशन ट्रस्ट की ओर से प्रति वर्ष साहित्य कला व संस्कृति क्षेत्र में दिए जाने वाले सम्मान अर्पण समारोह आयोजित किया गया जिसमें मंचस्थ मुख्य अतिथि डॉ राजशेखर पुरोहित डॉ मदन सैनी, डॉ मृदुला इंदौरिया रतनगढ़, व प्रधानाचार्य मोहनलाल अर्जुन रहे। जिनका माला व शॉल पहनाकर

स्वागत किया गया। डॉ उषा किरण सोनी ने बताया की ज्ञान फाउंडेशन की ओर से सम्मान अर्पण किए गए। साहित्य में 22 वां सम्मान प्रोफेसर बी एल आच्छा तमिलनाडु, 23 वां मेढ स्वर्णकार समूह मोहनलाल सोनी, 24 वां कुस्ती में रौनक सोनी, 25 वां पत्रकार शिव भगवान सोनी, 26 वां डॉ नवरत्न सोनी को दिए गए। इस अवसर पर ओमप्रकाश जोड़ा जगदीश प्रसाद कड़ेल मूलचंद सोनी शंकर लाल कड़ेल ओमप्रकाश आदि मौजूद रहे।

राजस्थान जयपुर टाइम्स

जयपुर, सोमवार
2 दिसम्बर, 2024

फोटो कैप्शन- सरदारशहर में स्काउट गाइड की सद्भावना नगर भ्रमण रैली और प्रतियोगिता में भाग लेते गाइड का अद्भुत संगम।

माकपा का दो दिवसीय जिला सम्मेलन शुरू

जयपुर टाइम्स

तारानगर(निसं.)। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी का 24 वां चूरू जिला सम्मेलन कॉमरेड इन्द्राज सिंह की अध्यक्षता में तारानगर के इन्द्रलोक भवन में शुरू हुआ। दो दिवसीय इस सम्मेलन की शुरुआत पार्टी के जिला सचिव कॉमरेड निर्मल कुमार ने ध्वजारोहण के साथ की जिसके पश्चात शहिदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए सम्मेलन प्रभारी कॉमरेड फूलचंद बर्बर ने सम्मेलन का उद्धाटन किया। कामरेड निर्मल कुमार ने रिपोर्ट प्रस्तुत की। कॉमरेड फूलचंद बर्बर ने कहा कि इस समय भाजपा राज में महंगाई, बेरोजगारी व किसानों पर अत्याचार बढ़ रहे है। वर्तमान सरकारें हर रोज धर्म व जाति के नाम पर लोगों को आपस में लड़वाने का काम कर रही है। इन नितियों की वजह से आमजन त्रस्त है। माकपा ही एक ऐसा राजनीतिक संगठन है जो इन लोगों का डटकर मुकाबला कर सकता है। सम्मेलन में पर्यवेक्षक कामरेड किशन पारीक, छगन चोधरी, उमराव सिंह, मिर्जामल, रामस्वरूप सहारण, मोहनलाल शर्मा, रामकृष्ण छिंपा, चिमनाराम पांडर, पूर्णाराम सहित पार्टी पदाधिकारी मौजूद रहे। इस सम्मेलन में जिले भर से 80 से ज्यादा पार्टी सदस्य भाग ले रहे हैं।

इनकम टैक्स और जीएसटी पर सेमिनार आयोजित

जयपुर टाइम्स

चूरू(निसं.)। स्थानीय जैन गेस्ट हाउस में शनिवार देर शाम सीए स्टडी चैप्टर का उद्धाटन समारोह पूर्वक किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ सीनियर सीए विनोद कुमार अग्रवाल ने किया। इस दौरान चार्टेड अकाउंटेंट की एक विशाल सेमिनार का आयोजन भी किया गया। सेमिनार में चूरू जिले के अलावा झुंझुनू, सीकर व जयपुर के लगभग 100 से अधिक चार्टेड अकाउण्टेंटों ने भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता इनकम टैक्स जयपुर के सीए अनूप भाटिया व जीएसटी के जतिन हरजाई रहे। उन्होंने इनकम टैक्स व जीएसटी विषय पर अपना महत्वपूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत किया। इस अवसर पर पवन केड़िया, आशीष गुप्ताऊ उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन रीटा जैन ने किया।

विमुक्त, घुमंतु व अर्द्धघुमंतु सहायता शिविर 15 दिसम्बर तक

जयपुर टाइम्स

बीकानेर(निसं.)। राज्य सरकार की ओर से प्रदेश के घुमंतु समुदाय (विमुक्त, घुमंतु व अर्द्धघुमंतु) के सामाजिक, शैक्षणिक व आर्थिक विकास की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रदान करने के लिए जिले में विमुक्त, घुमंतु व अर्द्धघुमंतु सहायता शिविर 15 दिसम्बर तक आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों में विमुक्त, घुमंतु व अर्द्धघुमंतु परिवार के सदस्यों को आवश्यक दस्तावेज जैसे वोटर आई.डी., आधार कार्ड, जनाधार कार्ड, जाति प्रमाण-पत्र, जाति पहचान प्रमाण-पत्र, मूल निवास प्रमाण-पत्र, राशन कार्ड, नि:शुल्क आवास, भूमि आवंटन, सामाजिक सुरक्षा पेंशन व पालनहार आदि से संबंधित कार्य व अन्य सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी। शिविर प्रत्येक पंचायत समिति और नगर निगम/नगर पालिका व शहरी वार्डों के क्लस्टर बना कर आयोजित किए जा रहे हैं। शिविर ग्रामीण क्षेत्र व शहरी निकायों में 373 स्थानों पर शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। उपखण्ड बीकानेर में 54, लूनकरणसर में 48, श्रीडूंगरगढ़ में 54, कोलायत में 43, बज्जू में 28, पूगल में 23, छत्तरगढ़ में 24, खाजूवाला में 23, नोखा-पांचु में 76 शिविरों का आयोजन का आयोजन किया जा रहा है। संबंधित समुदाय के व्यक्ति इन शिविरों में जाकर अधिक से अधिक योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकते है।

तीन माह बाद फिर चोरी से सनसनी फैली

चोरों के हौसले बुलंद: ज्वैलर्स की दुकान से 80 लाख की चोरी

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निसं.)। कस्बे के बाजार में तीन माह बाद फिर बड़ी चोरी की वारदात होने के बाद सनसनी फैल गई। घटना को लेकर एसपी जय यादव से लेकर स्थानीय पुलिस ने मौका मुआयना कर घटना की जानकारी ली और चोरी के खुलासे में जुट गए। घटना घंटाघर से गढ़ चौराहे के बीच उत्तरी बाजार में स्थित आरबी संस ज्वैलर्स की है, जहां पर दुकान में घुसकर चार चोरों ने दो करोड़ 53 लाख रुपए के सोने-चांदी के आभूषण और 17 लाख रुपए की नकदी की चोरी कर ली। पूर्वी बाजार की तरफ से आई कार में सवार चोरों ने पीछे से छत के रास्ते से दुकान में प्रवेश किया और कार को वहीं पर छोड़ दिया। चोरों ने टेरिस का दरवाजा तोड़ा और उसके बाद 20 सीढ़ियां नीचे उतरकर चैनल गेट तोड़ते हुए गैलेरी में पहुंचे, जहां गैलेरी के शट्टर को तोड़कर दुकान में घुस गए, जबकि बाजार में खुलने वाला मुख्य शट्टर बंद था। अंदर ही अंदर चार चोरों ने दुकान में रखी दो तिजोरियों को तोड़कर, काउंटर व रैंकों में रखे गए सोने-चांदी के आभूषण, नकदी व चांदी के बर्तनों की चोरी कर ली। दुकान में रखी एक तिजोरी चोर नहीं तोड़ पाए। रात्रि 3.42 मिनट पर चार चोर दुकान में घुसे और दुकान में ग्राहकों

के बैठने के लिए बनाई गई सीट के कवर में सामान भरकर ले गए। चोरी की घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे व उनके रास्ते में आने वाले अन्य सीसीटीवी कैमरों में भी रिकॉर्ड हुई है। उत्तरी बाजार में उक्त दुकान पर छगनलाल भूण अपना व्यापार करते हैं। रात्रि को दुकान बंद करके घर चले गए। जब रविवार की सुबह लगभग आठ बजे उनका बेटा दिलीप दुकान खोलने आया, तब चोरी की घटना का पता चला। जैसे ही घटना का पता चला, तो लोगों की भीड़ दुकान के सामने लग गई और पुलिस को सूचना दी, जिस पर डीवाईएसपी अनिल कुमार व सीआई दिलीपसिंह मय पुलिस जाप्ता मौके पर पहुंचे और घटना की गहनता से जांच शुरू कर दी। पुलिस ने दुकान के सीसीटीवी कैमरों से लेकर पीछे में स्थित दुकान लगे कैमरों को भी खंगाला, जिसमें ग्रे कलर सेवन सीटर संदिग्ध कार दिखाई दे रही है। सीसीटीवी कैमरों में कैद हुई फुटेज में उक्त कार रात्रि 1.10 बजे दुकान के पीछे खाली पड़े नोहरे के गेट के आगे दिखाई दी और यही कार जिस रास्ते से आई, उसी रास्ते से 4.42 मिनट पर जाते हुए दिखाई दे रही है। दुकान के सीसीटीवी कैमरों में चोर 3.42 मिनट पर प्रवेश करते हुए दिखाई दे रहे हैं। लगभग 50 मिनट तक चोर दुकान के अंदर रहे तथा करोड़ों रुपए के सामान की चोरी कर ली। इस संबंध में दुकान के मालिक छगनलाल ने पुलिस में चोरी होने की रिपोर्ट भी दर्ज करवाई है, जिसमें 17 लाख रुपए नकद, 950 ग्राम सोने के जेवर तथा 200 किलो चांदी के बर्तन व ज्वेलरी की चोरी का उल्लेख किया है। सीआई दिलीपसिंह ने बताया कि घटना में लिप्त चोरों की तलाश के लिए थाना स्तर पर चार टीमें गठित की गई है और एक डीएसटी टीम भी इस चोरों की तलाश में जुटी हुई है और नाकाबंदी करवा दी गई है। घटना के बाद एफएसएल टीम ने घटना स्थल से फींगर प्रिंट लिए हैं। प्रकरण के खुलासे को लेकर एंटी गैंगेस्टर टास्क फोर्स एवं साईबर क्राईम की टीम भी जुटी हुई है। घटना के बाद रविवार देर शाम एसपी जय यादव, सुजानगढ़ के एडिशनल एसपी सतपाल, आईपीएस निश्चलराज भी मौके पर पहुंचे तथा मौका मुआयना किया।

बच्चों को पौष्टिक आहार के साथ मिलेगी पूर्व प्राथमिक शिक्षा

झुंझुनूं में खुलेंगे 30 आंगनबाड़ी केंद्र

60 हजार रुपए का होगा बजट

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निसं.)। झुंझुनूं में नए आंगनबाड़ी केंद्र खुलेंगे। पूरे राजस्थान में एक हजार केंद्र खोले जाएंगे। आंगनबाड़ी केंद्रों पर 6 वर्ष तक के बच्चों को पौष्टिक आहार के साथ पूर्व प्राथमिक शिक्षा भी दी जाएगी। साथ ही गर्भवती महिलाओं व बच्चों के टीकाकरण भी किए जाएंगे। किशोरी बालिकाओं का भी रजिस्ट्रेशन होगा। इन नए केंद्रों की घोषणा बजट में की थी। अब महिला व बाल विकास विभाग इन्हें शुरू करने की कवायद कर रहा है। दिसंबर के दूसरे सप्ताह तक संचालन शुरू कर दिया जाएगा। इससे पहले आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए कार्यकर्ता और सहायिका का चयन किया जाना है। किसी वजह से इनके चयन में देरी होती है तो पहले से संचालित निकटतम आंगनबाड़ी केंद्र के कर्मचारी को यहां की भी जिम्मेदारी दी जाएगी। केंद्रों की दूरी व संचालित केंद्रों का नामाकंन देखेंगे। आवश्यक प्राथमिक उपकरणों व संसाधनों के लिए प्रत्येक आंगनबाड़ी केंद्र पर 60 हजार से ज्यादा रुपए दिए जाएंगे।

झुंझुनूं जिले 30 से केंद्र खुलेंगे

जयपुर, उदयपुर व बीकानेर में 35 से ज्यादा है। डूंगरपुर, बारां, बांसवाड़ा, बाड़मेर, श्रीगंगानगर, भरतपुर, राजसमंद, करौली, धौलपुर, चूरू, सीकर, दौसा, नागौर, अलवर, अजमेर, चित्तौड़गढ़, हनुमानगढ़, कोटा व पाली में 20 से 30 तक केंद्र खुलेंगे।

चैक करेंगे दो सेंटरों पर नाम तो नहीं

नए खोले गए 1000 आंगनबाड़ी केंद्र 2011 की जनगणना के आधार पर होंगे। प्रदेश के सभी जिलों में यह केंद्र खोले जाएंगे। कम से कम एक जिले में 5 सेंटर दिए हैं, जबकि अधिकतम 40 तक होंगे। बच्चों, महिलाओं व किशोरियों के नाम एक से ज्यादा केंद्रों पर नहीं हो, इसके लिए विभागीय अधिकारी जांच करेंगे। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि 6 वर्ष तक के बच्चे, गर्भवती धात्री महिलाएं, किशोरी - बालिकाओं का आसपास के एक से ज्यादा सेंटरों पर दोहरा नाम तो नहीं लिखा गया है।

लैंड कन्वर्जन रूल्स में संशोधन की मंजूरी पर विधायक डॉ. मेघवाल ने जताया मुख्यमंत्री का आभार

जयपुर टाइम्स

बीकानेर(निसं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित कैबिनेट बैठक में राजस्थान भू-राजस्व (ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि भूमि का अकृषि प्रयोजनार्थ संपरिवर्तन) नियम, 2007 में संशोधन को मंजूरी दी। खाजूवाला विधायक डॉ विश्वनाथ मेघवाल ने इसके लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया है। विधायक ने बताया कि एससी-एसटी वर्ग के व्यक्तियों को राजस्थान भू-राजस्व (ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि भूमि का अकृषि प्रयोजनार्थ संपरिवर्तन) नियम-2007 के नियम 6 (बी) का लाभ नहीं मिल पाता है। काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 42 बी के प्रावधानों के कारण अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के किसान अपनी कृषि भूमि को अक्षय ऊर्जा परियोजना विकासकर्ता को लीज पर नहीं दे सकते हैं। इसे देखते हुए मंत्रिमंडल ने राजस्थान भू-राजस्व (ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि भूमि का अकृषि प्रयोजनार्थ संपरिवर्तन) नियम, 2007 में संशोधन को मंजूरी दी। उन्होंने बताया कि इस संशोधन के बाद एससी-एसटी वर्ग के काश्तकारों की कृषि भूमि का सोलर फार्म, सोलर प्लान्ट, सोलर पावर प्लान्ट, विंड फार्म, विंड पावर प्लान्ट के लिए कन्वर्जन करवाये जाने पर जोत तक रिकॉर्डेड पहुंच मार्ग होने की अनिवार्यता की बजाय ऐसे काश्तकार की पहुंच मार्ग होने बाबत स्वघोषणा ही पर्याप्त होगी। इसी तरह, देय कन्वर्जन शुल्क में छूट का प्रावधान भी किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि विधायक डॉ. मेघवाल ने क्षेत्र में अक्षय ऊर्जा की अपार संभावनाओं के मद्देनजर इसे प्रोत्साहन और अनुसूचित जाति-जनजाति के किसानों को सुविधा देने के लिए मुख्यमंत्री से इस संबंध में मांग की थी। उन्होंने विधानसभा में भी यह मुद्दा उठाया था। मुख्यमंत्री की ओर से विधायक की इस मांग को मानकर नियम में संशोधन की घोषणा की थी। शनिवार को आयोजित बैठक में इसका अनुमोदन किया गया। इस पर विधायक ने प्रसन्नता जताई और कहा कि खाजूवाला सीमांत क्षेत्र के किसानों को इसका सबसे अधिक लाभ होगा।

मोटरसाईकिल चोर को गिरफ्तार कर ,चोरी की मोटरसाईकिल बरामद की

जयपुर टाइम्स

सवाई माधोपुर(निसं.)। पुलिस थाना कोतवाली सवाई माधोपुर द्वारा एक मोटरसाईकिल चोर गिरफ्तार किया। साथ ही एक चोरी की मोटरसाईकिल बरामद की। ममता गुप्ता आईपीएस पुलिस अधीक्षक जिला सवाई माधोपुर के निर्देशन में रामकुमार कस्वा अति0पु.अ. सवाई माधोपुर व उदय मीणा आरपीएस वृताधिकारी पुत शहर सवाई माधोपुर के निकटतम सुपरविजन एवं तथा थानाधिकारी राजवीरसिंह उ0नि0 पुलिस थाना कोतवाली सचाई माधोपुर के निकटतम सुपरविजन में अपराधियों की धरपकड अभियान के तहत पुलिस थाना कोतवाली स.मा. पर दिनांक 21.11.2024 परिवादी मोहम्मद जावेद पुत्र जाहिद अली उम्र 33 निवासी सूरवाल जिला सवाई माधोपुर ने बताया कि मेरी मोटरसाईकिल सेविका अस्पताल के पास खड़ी करके अस्पताल के अन्दर गया था। तभी मैने चापस आकर देखा तो मोटरसाईकिल कोई अज्ञात चोर चोरी करके ले गया। उक्त मुचना पर मु0न0 419/2024 पंजीबध्द कर तफ्तीश शुरु की अस्पताल के आस पास लगे सीसीटीवी फुटेज चैक किये गये। सीसीटीवी फुटेज लेकर आरोपी के चारे में लोगो से पूछताछ की गई। पूछताछ के दौरान संदिग्ध व्यक्तियो की जानकारी की गई। आरोपी पहचान होने आरोपी के मोबाईल नम्बर प्राप्त किये जाकर आरोपी की कांल डिटेल व लोकेशन के आधार पर दिनांक 01.12.2024 को गिरफ्तार कर चोरी हुई मोटरसाईकिल भी बरामद की। आरोपी से पूछताछ की जारी है।

कायमखानी समाज की बैठक में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा

जयपुर टाइम्स

चूरू(निसं.)। जिला कायमखानी छात्रावास में कायमखानी समाज की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता बशीर खान आसलु और मुंशी खां चूरू ने संयुक्त रूप से की। बैठक में राजस्थान कायमखानी महासभा के चुनाव से संबंधित आवश्यक विचार विमर्श कर कार्यकारिणी के गठन के लिए विचार विमर्श किया गया। चूरू जिले के गांव ओर शहरों से पूर्व में सदस्यता ग्रहण कर चुके व्यक्तियों की ओर से वोटिंग/सर्व सम्मति से नई कार्यकारिणी बनाने पर विचार हुआ। बैठक में मुंशी खां, बशीर खां, मजीद खां, गनी खां, रफीक खां राजपुरा, आरिफ खां उपप्राचार्य, नूरे खां रिटायर्ड आबकारी निरीक्षक, मुबारिक खां, इलियास खान, मैनूद्दीन खान,भंवरू खां ठेकेदार, उम्मेद खान, दाऊद खां, नियाज़ खान, हबीब खान, शमशेर भालू खान इसके अलावा अनेक लोग उपस्थित रहे।

स्वात्वाधिकारी, कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक रामेश्वरलाल जाट द्वारा कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि., सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर में मुद्रित एवं सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर -302013 से प्रकाशित।
सम्पादक : नीतू चौधरी, सी-588, 4सी स्कीम, न्यू लोहा मण्डी रोड, जयपुर-302013 मो. : 7014217770, E-Mail : jaipurtimes2007@gmail.com *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर।